@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 1 अक्टूबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 328 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'आप ने पंजाब को चिट्टे में धकेला'

• केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बड़ा ऐलान

• 31 दिसंबर 2029 से पहले पंजाब को पूरी तरह नशामुक्त कर देंगे

जालंधर रैली में बोले गृह मंत्री- 2027 का विधानसभा चुनाव नशामुक्त पंजाब के मुद्दे पर लड़ेगी बीजेपी, रैली का मंच उड़ाने की मिली थी धमकी

एजेंसी

जालंधर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को जालंधर में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि 'आप' सरकार ने पंजाब को नशे (चिट्टे) के दलदल में धकेल दिया है। गृह मंत्री ने घोषणा की कि आगामी 2027 का विधानसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी 'नशामुक्त पंजाब' के मुख्य मुद्दे पर लड़ेगी। साथ ही, उन्होंने वादा किया कि यदि राज्य

में बीजेपी की सरकार बनती है, तो 31 दिसंबर 2029 से पहले पंजाब को पूरी तरह चिट्टामुक्त कर दिया जाएगा।

पंजाब की बदहाल अर्थव्यवस्था और घोटालों पर घेरा

राज्य की भगवंत मान सरकार पर निशाना साधते हुए गृह मंत्री ने कहा कि आज पंजाब की आर्थिक व्यवस्था बेहद बदहाल स्थिति में है। उन्होंने मोगा विज्ञापन घोटाला, बरनाला भूमि घोटाला और पंजीरी घोटाले जैसे मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में हर महीने उगाही हो रही है और केवल विज्ञापनों पर सालाना 785 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से सवाल किया कि 25 लाख नौकरियां देने और 26 फसलों पर एमएसपी देने के उनके वादों का क्या हुआ?

माताओं से किया वादा, तस्करों को चुन-चुनकर डालेंगे जेल

रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, 'मैं पंजाब की माताओं को यह विश्वास दिलाने आया हूँ कि 31 दिसंबर 2029 के बाद आपके बच्चों को चिट्टा उपलब्ध कराने वाला कोई नहीं बचेगा।' उन्होंने चेतावनी दी कि नशा बेचने वाले तस्करों को चुन-चुनकर जेलों की सलाखों के पीछे डाला जाएगा। शाह ने कहा कि जो पंजाब कभी पूरे देश के लिए गेहूं और धान उगाता था, आज उस उपजाऊ धरती पर नशा बो दिया गया है। उन्होंने बताया कि वे उन पीड़ित परिवारों से भी मिलकर आए हैं जिन्होंने नशे के कारण अपने जवान बच्चों को खोया है।

दिल्ली में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- धार्मिक भावनाओं और स्वास्थ्य के बीच बनाएं संतुलन

एजेंसी

नई दिल्ली। दीपावली से पहले पटाखों के इस्तेमाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा, बल्कि धार्मिक भावनाओं और स्वास्थ्य-पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने दीपावली से पहले पटाखों के इस्तेमाल से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि वह धार्मिक भावनाओं और स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन बनाकर समाधान तलाशेगा। सुनवाई के दौरान जस्टिस एमएम सुंदरेश ने कहा कि पूरे देश में पूर्ण प्रतिबंध से कुछ धार्मिक भावनाएं आहत होंगी। उन्होंने कहा, 'हम पूरे देश में पूर्ण प्रतिबंध के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन हम कहीं भी 24 घंटे पटाखे फोड़ने की अनुमति भी नहीं देंगे, क्योंकि इससे बीमार, बुजुर्गों और बच्चों पर असर पड़ता है।' जस्टिस सुंदरेश ने साफ कहा कि कोर्ट ऐसा समाधान निकालेगा जो सभी के लिए संतुलित हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह ऐसा समाधान तलाशेगा जिसमें पटाखे चलाने के लिए समय-सीमा

तय की जाए और यह भी स्पष्ट किया जाए कि किन पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति होगी। यानी किस तरह के पटाखे जलाए जा सकते हैं और किन पर रोक रहेगी, यह भी तय किया जाएगा। कोर्ट ने इस मामले में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और केंद्र सरकार को पटाखों में बेरियम की मौजूदगी की जांच के लिए और अधिक परीक्षण करने का समय दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि पटाखों के संयुक्त फायर टेस्ट करके उनका डेसिबल स्तर भी निर्धारित किया जाए। इससे यह पता चल सकेगा कि पटाखे कितना शोर पैदा करते हैं और उसका स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ता है।

सुप्रीम कोर्ट से बंगाल पुलिस को झटका

मिलन प्रधान की अंतरिम जमानत पर तुरंत सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली(एजेंसी) पश्चिम बंगाल पुलिस ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी, जिसके तहत कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव लड़ने के लिए अंतरिम जमानत दी गई थी। यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत के सामने रखा गया, जिसमें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मांग की कि पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई के लिए गुरुवार को लिस्टिंग की जाए। एसजी मेहता ने तुरंत लिस्टिंग की मांग करते हुए कहा कि चुनाव के बाद सुनवाई होने पर याचिका बेअसर हो जाएगी। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल ने कहा, 'उन्हें चुनाव के लिए जमानत दी गई है। क्या मैं कल मौका ले सकता हूं? बस यही कह रहा हूं।' हालांकि, सीजेआई ने गुरुवार को मामले को लिस्ट करने से इनकार कर दिया और कहा कि शीर्ष अदालत का बोर्ड पहले से ही बहुत लंबा है।

नौसेना कमांडर्स कांफ्रेंस में टेक्नोलॉजी पर फोकस

नौसेना प्रमुख संग आर्मी चीफ और सीडीएस रहे मौजूद

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की कमांडर्स कांफ्रेंस इन दिनों नई दिल्ली में चल रही है। यहां नौसेना के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ-साथ भारतीय सेना प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी मौजूद रहे। नौसेना की ऑपरेशनल तैयारियों के लिए यह सबसे बड़ा प्लेटफार्म है। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने यहां मौजूदा समुद्री सुरक्षा वातावरण और भारतीय नौसेना की परिचालन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने समुद्री क्षेत्र में मौजूदा और उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए उच्च स्तर की युद्धक तैयारी की बात की। तेजी से बदलती परिस्थितियों के अनुरूप कार्रवाई और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता बनाए रखने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने तकनीक को तेजी से अपनाने और सैन्य क्षमताओं के विकास की आवश्यकता बताई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना कमांडरों को संबोधित करते हुए समुद्री क्षेत्र में भारत की बढ़ती रणनीतिक जिम्मेदारियों और हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय नौसेना की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नौसेना इस क्षेत्र में पहली प्रतिक्रिया देने वाली और भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार की भूमिका निभा रही है। पश्चिम एशिया की स्थिति का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा के तहत भारतीय नौसेना की भूमिका और भारत की ऊर्जा सुरक्षा में उसके योगदान को रेखांकित किया।

• इंडिया गठबंधन की बैठक में चुनाव आयोग पर हमला

2 से 8 अक्टूबर तक 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' का ऐलान

'वोट चोरी हुई है, सभी नेता यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन लोगों ने भारतीय लोकतंत्र को बर्बाद किया है, उन्हें सजा मिले।'

एजेंसी

नई दिल्ली। INDIA गठबंधन की बैठक के बाद विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) और कथित 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर आगे की रणनीति का ऐलान किया।

बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, TMC प्रमुख ममता बनर्जी समेत कई विपक्षी दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर साझा आंदोलन चलाने पर सहमति बनी। INDIA गठबंधन की बैठक के बाद, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, 'काफी अच्छी चर्चा हुई। वोट चोरी हुई है, सभी नेता यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन लोगों ने भारतीय लोकतंत्र को बर्बाद किया है, उन्हें सज़ा मिले। इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि वे कितने सीनियर हैं या कौन हैं; भारतीय लोकतंत्र इस देश के हर व्यक्ति से बड़ा है... बैठक में यह भावना भी थी कि विपक्ष भारत के लोगों तक यह बात पहुँचाने में काफ़ी सफल रहा है कि चुनाव में धांधली हुई है, नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया है, और लोगों में, ख़ासकर युवाओं में, विरोध की एक नई भावना पैदा हुई है कि भारत में जो हो रहा है वह ग़लत है और उसे रोका जाना चाहिए।' कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'चर्चा कम से कम 3-3.5 घंटे तक चली और सभी ने इसमें हिस्सा लिया। बहुत से नेताओं ने अपने विचार रखे। उसके अलावा ऑनलाइन माध्यम से उद्धव ठाकरे और हेमंत सोरेन ने अपनी बात रखी। मुझे खुशी है कि सभी ने मिलकर, एकमत से, एकजुट होकर, मजबूती के साथ

लड़ाई लड़ने की बात की है। बहुत से सुझाव भी राहुल गांधी ने और ममता बनर्जी ने भी दिए हैं। सभी पार्टी के लोग जो यहां पर बैठे हैं, उन्होंने भी सुझाव दिए... आज चुनाव आयोग के साथ कठपुतली की तरह खेला जा रहा है। असल में पीएम मोदी और अमित शाह ऐसा कर रहे हैं। दो-तीन लोगों को मोहरा बनाकर, वे लोग वोटों की चोरी करवा रहे हैं और चुनाव जीत रहे हैं।

एशियाड में भारत को 10वां गोल्ड

ईरान को पीछे छोड़ा: तीरंदाजी में 3, शूटिंग में 1 गोल्ड, मेडल टैली में सातवें नंबर पर पहुंचा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने एशियन गेम्स के 11वें दिन 4 गोल्ड जीते। इनमें 3 गोल्ड तीरंदाजी और 1 शूटिंग में आया। इसके साथ भारत के 10 गोल्ड समेत 60 मेडल हो गए हैं। वह ईरान को पीछे छोड़कर मेडल टैली में 7वें नंबर पर पहुंच गया है। बुधवार को पहला गोल्ड विमेंस कंपाउंड आर्चरी टीम ने जीता। इसके बाद चिकिता तनिपार्थी और साहिल जाधव की जोड़ी ने मिक्स्ड कंपाउंड आर्चरी में गोल्ड जीता। नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी को शूटिंग में गोल्ड मिला। दिन का चौथा गोल्ड कंपाउंड आर्चरी के पुरुष टीम इवेंट में साहिल, गणेश और कुशल ने जीता।

भारत के लिए यह सुबह बेहद खास रही। तीरंदाजी में तीन स्वर्ण पदकों के अलावा भारतीय शूटिंग टीम ने भी मिक्स्ड ट्रैप में गोल्ड जीता। यानी करीब पांच घंटे के अंदर भारत के खाते में चार स्वर्ण पदक आ गए। शूटिंग में नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने मिक्स्ड ट्रैप में स्वर्ण जीता था।

भाजापा गुजरात से अपनी नशा मुक्त यात्रा क्यों नहीं शुरू करती: कुलदीप सिंह धालीवाल

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 30 सितंबर। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्य प्रवक्ता और विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने बुधवार को पंजाब में ड्रग्स के खिलाफ चलाए जा रहे कैंपेन पर भाजापा से सवाल किया और पूछा कि देश में ड्रग्स कहां से आ रहे हैं और पार्टी अपनी नशा मुक्त यात्रा गुजरात से क्यों नहीं शुरू करती। उन्होंने कहा कि पंजाब को टारगेट करने से पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को गुजरात के पोर्ट पर पकड़ी गई ड्रग्स की बड़ी खेप, पंजाब में ड्रग्स लाने वाले इंटर-स्टेट सप्लाई रूट और बिक्रम सिंह मजीठिया से जुड़े ?6,000 करोड़ के सिंथेटिक ड्रग केस पर भाजापा के स्टैंड के बारे में जवाब देना चाहिए। पंजाब के मुख्य प्रवक्ता ने यह भी सवाल उठाया कि ईडी ने केस की जांच करने के बावजूद बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ कोई एक्शन क्यों नहीं लिया, और जब जगदीश सिंह भोला ड्रग केस की जांच अहम मोड़ पर थी, तब ईडी ऑफिसर निरंजन सिंह का ट्रांसफर क्यों किया गया। उन्होंने कहा कि अगर भाजापा सच में ड्रग्स खत्म करने को लेकर सीरियस है, तो उसे पंजाब को अपने राजनीतिक मुहिम का अकेला टारगेट बनाने के बजाय, अकाली-भाजापा सरकार के रिकॉर्ड और गुजरात से होकर गुजरने वाले ड्रग्स सप्लाई रूट के बारे में जवाब देना चाहिए। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आप पंजाब के मुख्य प्रवक्ता और विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा, जगदीश भोला और बिक्रम सिंह मजीठिया से आमने-सामने पूछताछ होनी चाहिए ताकि सच सामने आ सके। ड्रग नेटवर्क के हर पहलू की जांच होनी चाहिए और किसी भी व्यक्ति को कोई खास छूट नहीं दी जानी चाहिए। आप पंजाब के मुख्य प्रवक्ता ने कहा, पंजाब का हर नागरिक जानता है कि 2007-2017 की अकाली-भाजापा सरकार के दौरान राज्य में ड्रग नेटवर्क कैसे फैला। उस समय बिक्रम सिंह मजीठिया और उनके साथियों ने अहम भूमिका निभाई थी। जिसने भी पंजाब में ड्रग्स लाए हैं और पंजाब के युवाओं को ड्रग्स की ओर धकेला है, उसे कानून के तहत पूरी सज़ा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने ड्रग्स के खिलाफ पूरी लड़ाई लड़ी है। हजारों तस्करों को जेल भेजा गया है और ड्रग ट्रैफिकिंग में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा, विपक्षी पार्टियां सिर्फ़ भगवंत मान सरकार को बदनाम करने के लिए ड्रग्स के मुद्दे पर राजनीति कर रही हैं। पंजाब के लोग अच्छी तरह जानते हैं कि यह सरकार ड्रग्स और ड्रग तस्करों के नेटवर्क के ख़िलाफ़ क्या कार्रवाई कर रही है। कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा, शिरोमणि अकाली दल द्वारा लगाए जा रहे राजनीतिक बदले के आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान सरकार का मकसद राजनीतिक बदला नहीं बल्कि पंजाब को नशा-मुक्त बनाना है। उन्होंने दावा किया, अगर हमें किसी के ख़िलाफ़ झूठा केस दर्ज करना होता, तो हम पहले कर सकते थे। इसके बजाय, जांच कानूनी प्रक्रिया और पूरी पारदर्शिता के साथ की जा

रही है। चाहे वह कोई नेता हो या बर्खास्त एआईजी राजजीत सिंह जैसा कोई सीनियर पुलिस अफ़सर, जिसने भी पंजाब के युवाओं को ड्रग्स की ओर धकेलने में भूमिका निभाई है, उसे कानून के अनुसार सज़ा मिलेगी। कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा, पंजाब में ड्रग्स पर भाषण देने से पहले, भाजापा नेताओं को जवाब देना चाहिए कि देश में इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स कहां से आ रहे हैं। बड़ी मात्रा में ड्रग्स भाजापा शासित गुजरात के पोर्ट से आ रहे हैं और अलग-अलग रास्तों से पंजाब समेत दूसरे राज्यों में भेजे जा रहे हैं। आप के मुख्य प्रवक्ता ने कहा, आज जब अमित शाह जालंधर में खड़े होकर ड्रग्स के बारे में बात कर रहे हैं, तो बिक्रम सिंह मजीठिया को जगदीश भोला के साथ उसी ?6,000 करोड़ के ड्रग केस में समन भेजा गया है जो अकाली-भाजापा राज में हुआ था। तो अमित शाह को जवाब देना चाहिए- इस केस की सेंट्रल जांच का क्या हुआ? भाजापा की अगुवाई वाली सेंट्रल सरकार इस मामले को उसके लॉजिकल नतीजे तक क्यों नहीं ले गई? मोदी सरकार ने इस केस को उसी राजनीतिक मुहिम का हिस्सा क्यों नहीं बनाया जो वह अब पंजाब के खिलाफ चला रही है? उन्होंने कहा, ईडी ने 2014 में बिक्रम सिंह मजीठिया से पूछताछ की थी। पंजाब पुलिस ने 2021 में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। जांच सालों से चल रही है। अब पंजाब एआईटी ने उन्हें फिर से बुलाया है। अमित शाह को लोगों को बताना चाहिए कि उनकी सरकार की एजेंसियों ने इस मामले को आखिर तक क्यों नहीं पहुंचाया। उन्होंने कहा, ड्रग्स पर राजनीति करने के लिए पंजाब आने से पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को गुजरात के रास्ते आने वाले ड्रग्स के बारे में पंजाब के लोगों को जवाब देना चाहिए।

शेष पृष्ठ 3 पर

केंद्र ने रबी फसलों के लिए एमएसपी में बढ़ोतरी को मंजूरी दी, किसानों की बढ़ेगी आय

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने बुधवार को विपणन सत्र 2027-28 के लिए सभी अनिवार्य रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी। एमएसपी में सबसे अधिक बढ़ोतरी कुसुम के लिए 675 रुपए प्रति क्विंटल की गई है। इसके बाद रेपसीड और सरसों के एमएसपी में 413 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, मसूर की एमएसपी में 390 रुपए प्रति क्विंटल, जौ में 136 रुपए प्रति क्विंटल, चने में 83 रुपए प्रति क्विंटल और गेहूं में 25 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। सरकार ने रबी विपणन सत्र 2027-28 के लिए रबी फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की है। बयान में कहा गया कि विपणन सत्र 2027-28 के लिए अनिवार्य रबी फसलों के एमएसपी में यह बढ़ोतरी केंद्रीय बजट 2018-19 में की गई घोषणा के अनुरूप है। इसके तहत एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय किया जाता है। हाल के वर्षों में सरकार अनाज के अलावा दालों और तिलहनों जैसी फसलों की खेती को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए इन फसलों पर अपेक्षाकृत अधिक एमएसपी की पेशकश की जा रही है।

हार के बाद ईवीएम पर ठीकरा फोड़ रहा इंडिया गठबंधन: रामचंद्र राव

केरल में कांग्रेस नेता ने एसआईआर की तारीफ की थी

हैदराबाद , एजेंसी।
तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष रामचंद्र राव ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर आरोप लगाया है कि वे चुनाव हारने पर ईवीएम, चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर दोष देते हैं। हैदराबाद में प्रेस वार्ता के दौरान, राव ने विपक्षी दलों पर देश की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाकर कहा कि इंडिया गठबंधन सिर्फ उन राज्यों में एसआईआर का मुद्दा उठा रहा है जहाँ भाजपा की जीत हुई है, जबकि उनके शासित राज्यों में वे इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष राव ने याद दिलाया कि 2018 से ही इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेता, जिसमें अभिषेक मनु सिंघवी, जवाहर सरकार और सचिन पायलट जैसे नाम शामिल हैं, स्वयं भारत सरकार और चुनाव आयोग से एसआईआर कराने तथा फर्जी व मृत मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाने की मांग करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब वहीं कांग्रेस पार्टी अचानक इस मामले को मुद्दा बना रही है, जबकि वोटों को हटाने का काम बीएलओ की रिपोर्ट के आधार पर ही होता है। राव ने केरल का उदाहरण देकर कहा कि कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने खुद स्वीकार किया था कि वे एसआईआर की वजह से चुनाव जीते, नहीं बहुत सारे फर्जी वोट पड़ते। उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस केरल में एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल क्यों नहीं उठा रही, जहाँ उन्हें जीत मिली है? राव ने लोगों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं पर से उनका भरोसा उठाने की कांग्रेस की कोशिश बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा संवैधानिक संस्थाओं के साथ खड़ी है और उनके सम्मान व भरोसे को कायम रखने के लिए इस नकारात्मक राजनीति का मुंहतोड़ जवाब देगी।

इस दौरान, राव ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के उस दावे को खारिज किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा के शासन में मुस्लिम नेतृत्व नहीं पनप रहा है। राव ने सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास के भाजपा के मंत्र पर कहा कि पार्टी विकास या राजनीति को किसी धार्मिक आधार पर नहीं देखती। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और ओवैसी देश को धार्मिक आधार पर बांटने का काम कर रहे हैं। राव ने ओवैसी को नेतृत्व के बजाय मुसलमानों के विकास की बात करने की सलाह दी, यह भी बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग बनाया था और अल्पसंख्यकों के विकास के लिए भारी रकम आवंटित की जा रही है।

कठुआ में सीआईएसएफ जवानों के बीच गोलीबारी, चार की मौत

-जवान ने कमाडेंट समेत 4 साथियों को 15-15 गोलियां मारीं

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर के कठुआ जिले के बसोहली क्षेत्र स्थित एनएचपीसी के माशका सेवा-2 जल विद्युत परियोजना में मंगलवार को सीआईएसएफ जवानों के बीच हुई गोलीबारी में चार जवानों की मौत हो गई। मृतकों में असिस्टेंट कमांडेंट अंकित कुमार पांडे, सब इंस्पेक्टर लक्ष्मण सिंह, कॉन्स्टेबल रफीक अहमद और संदीप कुमार शामिल हैं। घटना के तुरंत बाद सभी घायल जवानों को इलाज के लिए हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के खैरी स्थित एनएचपीसी के चमेरा पावर स्टेशन-1 के परियोजना अस्पताल में लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गोलीबारी के आरोपी हेड कांस्टेबल अवधेश कुमार को हिरासत में ले लिया गया है। कठुआ की एसएसपी मोहिता शर्मा ने जानकारी दी कि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 4 बजे हेड कॉन्स्टेबल अवधेश कुमार ने अपनी सर्विस राइफल से साथी कर्मियों पर 10 से 15 गोलियां चलाईं। सूत्रों से पता चला है कि आरोपी सहायक कमांडेंट और अन्य साथियों से ड्यूटी संबंधी विवादों को लेकर नाराज था। इससे पहले भी उसकी कई बार बहस हो चुकी थी। घटना के बाद परियोजना अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। चूंकि घटना जम्मू-कश्मीर में हुई है, हिमाचल प्रदेश पुलिस ने इस पर आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक, डलहौजी से डीएसपी समेत पुलिस की एक टीम अस्पताल भेजी गई थी। बताया जा रहा है कि चारों शवों का पोस्टमार्टम बसोहली में ही किया जाएगा। घटना की जानकारी मिलते ही सीआईएसएफ के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और आरोपी कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है।

सीईसी के घर कालिख पोतने के मामले में छह कांग्रेस कार्यकर्ता गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के दिल्ली स्थित आवास पर कालिख पोतने के मामले में छह कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस ने इन कार्यकर्ताओं के खिलाफ हत्या के प्रयास और दंगा सहित भारतीय न्याय संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। करीब 20 कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। सूत्रों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों पर घर के गेट और दीवारों पर काले रंग से नारे लिखने का आरोप है। गिरफ्तार किए गए लोगों में कांग्रेस नेता अनिल यादव, मुकेश धांगर, मनोज गौड़, राजेश कुमार, राजा गौतम और पंकज चौधरी शामिल हैं। इन सभी को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। उप निरीक्षक गौरव गुप्ता की शिकायत पर हरिपर्वत थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। कांग्रेस के शहर अध्यक्ष अमित सिंह ने इन गंभीर धाराओं को गलत और अनावश्यक बताया है। उन्होंने कहा कि मामला केवल विरोध प्रदर्शन से संबंधित धाराओं तक सीमित रहना चाहिए था।

प्रिंसिपल की घिनौनी करतूत: 15 साल की छात्रा से यौन उत्पीड़न, एफआईआर दर्ज

चिकबल्लापुर (एजेंसी)। कर्नाटक के चिकबल्लापुर जिले में सरकारी रेजिडेंशियल स्कूल से मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। शिडलघट्टा तालुक के गोरलुम्मनहल्ली स्थित मोरारजी देसाई मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल के प्रिंसिपल ईश्वर रेड्डी पर 9वीं कक्षा की 15 वर्षीय छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न करने का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है। यह सनसनीखेज घटना 26 सितंबर को दोपहर करीब ढाई बजे स्कूल के मेडिसिन रूम में घटी। शिकायत के मुताबिक, पीड़िता छठी कक्षा की एक बीमार छात्रा को दवा देने गई थी। इसी दौरान प्रिंसिपल ने छात्रा को कमरे के अंदर बुलाया, उसके साथ आपत्तिजनक हरकत की और यौन उत्पीड़न किया। आरोपी प्रिंसिपल ने पीड़िता को धमकी दी थी कि यदि उसने इस बारे में किसी को बताया, तब परिणाम भुगतना होगा। डरी-सहमी छात्रा ने यह बात अपने सहपाठियों को बात दी। इसके बाद इसकी जानकारी शिक्षकों और परिजनों तक पहुंची। 27 सितंबर को माता-पिता स्कूल पहुंचे और पूरी जानकारी मिलने पर वे पुलिस की शरण में पहुंचे। इसके बाद 28 सितंबर को बाल कल्याण अधिकारियों की उपस्थिति में चिकबल्लापुर में पीड़िता का बयान दर्ज किया गया।

आसाराम को गुजरात हाईकोर्ट से झटका, पत्नी से मिलने के लिए 20 दिन की अंतरिम जमानत खारिज

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने 2013 के दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 86 वर्षीय आसाराम की 20 दिन की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। आसाराम ने अस्पताल में भर्ती 83 वर्षीय पत्नी से मिलने के लिए मानवीय आधार पर राहत मांगी थी। सुनवाई के दौरान पुलिस की रिपोर्ट और इलाज कर रहे डॉक्टरों के बयान में बताया गया कि उनकी पत्नी की हालत स्थिर है, उपचार का अच्छा असर हो रहा है और अगले दो-तीन दिनों में उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। राज्य सरकार ने इसी आधार पर जमानत का विरोध किया।

सौरभ भारद्वाज और जरनैल सिंह सहित आप कार्यकर्ताओं पर एफआईआर, पुलिसकर्मी से मारपीट का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज, विधायक जरनैल सिंह और पार्टी के कई कार्यकर्ताओं के खिलाफ एक पुलिसकर्मी से कथित मारपीट और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 221, 132 और 115(2) के तहत दर्ज हुआ है। पुलिस के मुताबिक, घटना पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में हुई, जब आप नेता पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ वहां पहुंचे थे। आरोप है कि सादे कपड़ों में मौजूद एक पुलिसकर्मी इलाके में वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था। इसी दौरान कुछ आप समर्थकों ने पुलिसकर्मी को घेरकर उसके साथ कथित तौर पर मारपीट की। घटना के बाद पुलिसकर्मी को चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। मामले को लेकर आम आदमी पार्टी ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कथित झड़प के मामले में एफआईआर दर्ज कर रविवार को हुई थप्पड़ मारने की घटना से ध्यान भटकाने की कोशिश की है। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने भी पार्टी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की आलोचना की और पुलिस पर कार्रवाई में भेदभाव का आरोप लगाया। दरअसल, तिलक नगर में निरीक्षण के दौरान एक 22 वर्षीय युवक को कथित तौर पर थप्पड़ मारने के मामले में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ भी पुलिस ने असंज्ञेय रिपोर्ट (एनसीआर) दर्ज की है।

विजय थलपति ने पश्चिम बंगाल में खोला पार्टी का दफ्तर

दूसरे भाजपा राज्यों में भी खुलेंगे टीवीके के ऑफिस

कोलकाता, एजेंसी।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की नवगठित पार्टी, तामिलागा वेत्री कझगम (टीवीके) की नजरें अब अपने गृह राज्य से बाहर दूसरे राज्यों पर भी टिकती दिख रही हैं। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल में टीवीके के नाम से एक दफ्तर खोला गया है, हालांकि पार्टी ने आधिकारिक तौर पर इस कदम से दूरी बना ली है, लेकिन इससे जुड़ी गतिविधियों पर उसने कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की है। माना जा रहा है कि टीवीके अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी कार्यालय खोलने पर विचार कर रही है। पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान जिले के फागूपुर में रविवार को यह दफ्तर खोला गया। इस दौरान चैताली रॉय को पश्चिम बंगाल में पार्टी का संयोजक बनाया गया। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से कई कार्यकर्ता शामिल हुए थे। हालांकि, इन खबरों के बीच टीवीके ने खुद को इस फैसले से दूर बताया है, लेकिन बंगाली शुभचिंतकों को शुभकामनाएं भी दी हैं।

वेबसाइट से बातचीत में पार्टी के प्रवक्ता एस.डी. तुहिनसैमुअल ने कहा कि फिलहाल टीवीके का तमिलनाडु से बाहर विस्तार का कोई प्लान नहीं है। इसके बावजूद, पश्चिम बंगाल में टीवीके के स्थानीय नेताओं का दावा है कि उन्हें तमिलनाडु से राज्य में अपनी सक्रियता बढ़ाने के निर्देश मिले हैं। इन निर्देशों में सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने पर जोर दिया गया है, जिसके चलते ही बंगाल में भी संगठन विस्तार के लिए सामाजिक कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। बंगाल के नेताओं ने आगामी दिनों में जिले के अलग-अलग हिस्सों में कार्यक्रम आयोजित करने की योजना की बात कही है। पश्चिम बंगाल में टीवीके की संयोजक चैताली रॉय ने अपनी रणनीति का खुलासा करते हुए कहा कि शुरुआत में सोशल मीडिया के जरिए प्रचार किया जाएगा। इसके बाद लोगों की समस्याओं और लाभ के मुद्दों को सुनने के लिए जनसंपर्क अभियान पर जोर दिया जाएगा। रॉय ने पार्टी के मुख्य लक्ष्यों के रूप में शिक्षा और रोजगार को बताया। उन्होंने यह भी इच्छा व्यक्त की कि टीवीके चुनावों में उतरे, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि अंतिम निर्णय बंगाल की जनता की इच्छा और शीर्ष नेतृत्व के फैसले पर निर्भर करेगा। रॉय के हवाले से यह भी कहा जा रहा है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय वर्तमान में उपचुनावों में व्यस्त हैं और अगर उन्हें सफलता मिलती है, तो वह निश्चित रूप से पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे। उन्होंने बंगाल में पार्टी के समर्थकों की संख्या 5 हजार से अधिक होने का दावा किया है।

केजरीवाल बोले- हमने देश की बेहतरी के लिए पार्टी बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा कि उनका मकसद पार्टी नहीं, बल्कि देश है। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत यात्रा, आम आदमी पार्टी के गठन के पीछे के कारणों, दिल्ली सरकार में भ्रष्टाचार विरोधी कदमों और हाल ही में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों पर खुलकर बात की। केजरीवाल ने बताया कि उन्होंने इनकम टैक्स में संयुक्त आयुक्त का पद छोड़कर 10 साल तक झुग्गियों में काम किया, जो लोगों को कम ही पता है। उनके मुताबिक, अन्ना आंदोलन के बाद जब लोकपाल बिल नहीं बना, तो देश की बेहतरी के लिए उन्हें पार्टी बनानी पड़ी। उनका कहना था कि यदि उस समय सरकार लोकपाल कानून बना देती, तो शायद उन्हें पार्टी बनाने की ज़रूरत ही न पड़ती।

दिल्ली सरकार के कामकाज पर बात करते हुए उन्होंने भ्रष्टाचार खत्म करने के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पहले सरकारी ठेकों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होता था, क्योंकि रेट सरकारी अधिकारी तय करते थे। उनकी सरकार ने ऑनलाइन ऑक्शन की व्यवस्था शुरू की, जिससे राजस्व दोगुना या तिगुना हो गया और पारदर्शिता आई। उन्होंने कहा कि जो ज्यादा बोली लगाएगा, वही ठेके ले जाएगा, यह एक सीधी और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था है। जेल से सरकार चलाने के मुद्दे पर केजरीवाल ने कहा कि विपक्षी ताकतें जानबूझकर मुख्यमंत्रियों पर फर्जी मुकदमे कर उन्हें गिरफ्तार करवाती हैं, ताकि उनकी सरकारें गिराई जा सकें। उन्होंने दावा किया कि वे इस रणनीति का मुकाबला करना चाहते थे कि गिरफ्तारी के बावजूद इस्तीफा नहीं देंगे और सरकार जेल से ही चलाएंगे। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की टिप्पणी का भी हवाला दिया कि सरकार जेल से क्यों नहीं चल सकती। उन्होंने इस संदर्भ में कुछ अन्य मुख्यमंत्रियों की सरकारों का भी उल्लेख किया जिन पर इसी तरह के आरोप लगाकर कार्रवाई की गई थी। केजरीवाल ने मतदाता सूची में कथित हेरफेर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर एसडीएम की वोट जोड़ने या हटाने की शक्ति को एक सॉफ्टवेयर के माध्यम से कुछ इलाकों में हटा दिया गया है। उन्होंने गोवा का उदाहरण दिया, जहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी को बार-बार पत्र लिखकर लोगों के नाम जोड़ने की गुहार लगानी पड़ रही थी, जबकि यह शक्ति स्थानीय एसडीएम के पास होनी चाहिए थी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दिल्ली में बैठे लोग मनमाने ढंग से वोट हटाते या जोड़ते रहे, तो सरकारें बदल नहीं पाएंगी और लोकतंत्र का सत्यानाश हो जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है कि जनता सरकार से असंतुष्ट होने पर उसे बदल सकती है। उन्होंने बताया कि पंजाब में आम आदमी पार्टी ने इस पूरी प्रक्रिया पर नज़र रखने के लिए एक बड़ी टीम बनाई है।

गौरव गोगोई का बीजेपी-एआईडीयूएफ पर हमला, मुश्किल में पड़ते ही अजमल को बुलाते हैं हिमंत

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में चुनावी सरगर्मियों के बीच भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईडीयूएफ) और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हुआ हैं। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और एआईडीयूएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल पर निशाना साधकर दोनों दलों के बीच 'गुप्त तालमेल' का आरोप लगाया। कोलमौबाड़ी में कांग्रेस उम्मीदवार शिवमणि बोरा के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा में गोगोई ने कहा कि जब भी मुख्यमंत्री शर्मा मुश्किल में पड़ते हैं, वह 108 एंबुलेंस सेवा की तरह अजमल को बुलाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और एआईडीयूएफ गरीब लोगों का राजनीतिक इस्तेमाल करने के लिए साथ काम कर रहे हैं, जबकि उनके नेता मुंबई और दुबई में अपनी संपत्ति बढ़ा रहे हैं।

गोगोई ने धुबरी लोकसभा चुनाव का जिक्र कर कहा कि 2024 में वहां की जनता ने अजमल को करीब 10 लाख मतों से हराया था। उन्होंने 2016 में दक्षिण सलमारा सीट से कांग्रेस नेता वाजेद अली चौधरी द्वारा अजमल को हराए जाने का भी उल्लेख किया। कांग्रेस नेता गोगोई ने आरोप लगाया कि अब सीएम शर्मा एआईडीयूएफ को राजनीतिक रूप से मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार देवाशीष शर्मा पर आरोप लगाकर कहा कि जिला आयुक्त के रूप में उनके कार्यकाल में निर्दोष लोगों को कथित तौर पर बांग्लादेश भेजा गया तथा बेदखली अभियानों के जरिए लोगों को परेशान किया गया। गोगोई ने मुख्यमंत्री पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के कार्यकाल का भी उल्लेख किया और मतदाताओं से कांग्रेस उम्मीदवार शिवमणि बोरा के समर्थन की अपील की।

इस बार यूपी में पीडीए की सरकार बनेगी, बीजेपी को 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी

-सपा सांसद अवधेश प्रसाद का दावा, देश गंभीर स्थिति का सामना कर रहा

अयोध्या, एजेंसी।
समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने इंडिया ब्लॉक की बैठक और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। सांसद ने दावा किया कि इस बार पीडीए की सरकार बनेगी और बीजेपी को 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी। इंडी गठबंधन की बड़ी बैठक पर अवधेश प्रसाद ने कहा कि देश एक गंभीर और चिंताजनक स्थिति का सामना कर रहा है। युवाओं और छात्रों पर लाठीचार्ज, फायरिंग, आंसू गैस के गोले दागे जा रहे हैं। छात्रों ने जायज मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर महीने भर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बावजूद सरकार ने उनकी मांगों को सुनने के बजाय अड़ियल रवैया अपनाया।

उन्होंने कहा कि किसानों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली का भारी संकट है और कई इलाकों में रात के समय बिजली नहीं रहती। महंगाई लगातार बढ़ रही है और हमारी अर्थव्यवस्था अमेरिका पर निर्भर हो गई है। हमारी विदेश नीति कमजोर हुई है, लेकिन इस पर कोई उचित कार्रवाई नहीं हो रही है। भ्रष्टाचार और हत्याएं भी बढ़ रहीं हैं। इन हालात में यह बैठक बहुत अहम है।

अखिलेश यादव के चुनावी मेनिफेस्टो पर अवधेश प्रसाद ने कहा कि महिलाओं को 40,000 रुपए और लैपटॉप दिए जाएंगे। उत्तर प्रदेश में बंद हुए 28,000 स्कूल फिर से खोले जाएंगे और शिक्षा का स्तर सुधारा जाएगा। किसानों को मदद और मुफ्त बिजली मिलेगी। इन सभी बातों का जिक्र हमारे घोषणा-पत्र में है। हमारे लिए चुनावी घोषणा-पत्र किसी धार्मिक ग्रंथ की तरह है और यह हमारे और हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए बाध्यकारी है। सरकार बनने के बाद घोषणा-पत्र में कही गई हर बात को लागू किया जाएगा।

सपा सांसद ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, सीएम योगी की परेशानी बढ़ती जा रही है। इस बार पीडीए की सरकार बनेगी और बीजेपी को 50 सीटें भी नहीं मिलेगी। मुख्यमंत्री को अपनी राजनीतिक पहचान से जुड़े मुद्दों की तो चिंता है, लेकिन राज्य की जनता की समस्याओं की कोई परवाह नहीं है। उन्हें लोगों के कल्याण, विकास या भलाई की कोई चिंता नहीं है। राज्य में किसानों की आत्महत्या, बढ़ते अपराध और मौतों को लेकर चिंता है, लेकिन इन मुद्दों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

भाजपा का कांग्रेस पर हिंदू समाज को बांटने का गंभीर आरोप

नई दिल्ली , एजेंसी।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के उस बयान पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है, जिसमें उन्होंने राम को अमीरों का और शिव को गरीबों का भगवान बताया था। भाजपा प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी पूरी ताकत से हिंदू समाज को विभाजित करने के हर षड्यंत्र में शामिल रहती है। बीजेपी सांसद त्रिवेदी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नास्तिक बातकर कहा कि उन्होंने 2014 के चुनाव में ईश्वर के नाम की शपथ ली, लेकिन 2024 में अंग्रेजी में शपथ ली। उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जुबली हिल्स के उपचुनाव में पहले ही कांग्रेस मतलब मुसलमान और मुसलमान मतलब कांग्रेस का उद्घोष कर चुके हैं।

भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर हिंदू समाज को दक्षिण और उत्तर में विभाजित करने का भी प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक के वित्त मंत्री डीके सुरेश के दक्षिण ज्यादा टैक्स दे रहा है और पी. चिदंबरम के उत्तर भारत नहीं होता, तब दक्षिण बहुत प्रगति करता जैसे बयानों का हवाला दिया। त्रिवेदी ने रेवंत रेड्डी के हम द्रविड़ियन हैं और वे आर्यन हैं वाले बयान को मूर्खतापूर्ण और निराधार सिद्धांत करार दिया। बीजेपी नेता त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस प्रांतों, भाषा और फिर जाति के आधार पर भी विभाजन करना चाहती है। उन्होंने राहुल गांधी के स्मैश पेट्रीआर्की (पितृसत्ता को तोड़ो) बयान का जिक्र कर कहा कि यह सिर्फ हिंदू समाज के लिए है, क्योंकि जब केरल का ग्रैंड मुफ्ती कहता है कि महिलाओं को तिजोरी में नेकलेस की तरह रखना चाहिए, तब कांग्रेस नेता चुप रहते हैं। भाजपा ने कांग्रेस पर भगवानों को भी विभाजित करने का आरोप लगाकर उसकी विभाजनकारी राजनीति की कड़ी निंदा की।

लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों को सजा दिलाएगा इंडिया ब्लॉक: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी।
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि इंडिया ब्लॉक भारतीय लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों को सजा दिलाना सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि संबंधित लोगों का पद या वरिष्ठता मायने नहीं रखती, क्योंकि भारतीय लोकतंत्र देश के हर नागरिक से बड़ा है। नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी दलों के नेताओं ने मिलकर संविधान की रक्षा करने की जिम्मेदारी ली है। राहुल गांधी ने कहा कि बैठक में चुनावों में कथित 'वोट चोरी' का मुद्दा प्रमुखता से उठा। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी दलों का मानना है कि भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने भारतीय लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता है कि लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि विपक्ष जनता तक यह बात पहुंचाने में काफी हद तक सफल रहा है कि चुनावों में कथित अनियमितताओं को लेकर गंभीर सवाल हैं। उनके मुताबिक, युवाओं के बीच भी इन मुद्दों को लेकर असंतोष और प्रतिरोध की भावना दिख रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को लगता है कि देश में जो कुछ हो रहा है, उसमें बदलाव की जरूरत है। राहुल गांधी ने विपक्षी नेताओं को संविधान का सामूहिक रक्षक बताते हुए कहा कि सभी दलों के साथ मिलकर काम करना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले महीनों में विपक्ष देश में बड़े बदलाव लाएगा। इंडिया ब्लॉक के प्रमुख नेताओं ने बैठक में चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर उठाए जा रहे सवालों और देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की रणनीति पर चर्चा की। कांग्रेस ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को वापस लेने की मांग दोहरा दी। विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग के रवैये पर सवाल उठाकर कथित तौर पर त्रुटिपूर्ण और पक्षपातपूर्ण बताया। बैठक का उद्देश्य इन मुद्दों पर विपक्षी दलों को एकजुट करना और आगे के साझा कार्यक्रमों की रणनीति तय करना था।

भाजपा गुजरात से अपनी नशा मुक्त यात्रा क्यों नहीं शुरू करती: कुलदीप सिंह धालीवाल

प्रथम पृष्ठ का शेष

भाजपा गुजरात से अपनी ड्रग-फ्री यात्रा क्यों नहीं शुरू करती और वहां पकड़े जा रहे ड्रग्स के खेप के बारे में सवालों के जवाब क्यों नहीं देती? आप पंजाब के मुख्य प्रवक्ता ने कहा, पंजाब पाकिस्तान के साथ 532 किलोमीटर लंबा इंटरनेशनल बॉर्डर शेयर करता है, जबकि बॉर्डर का 50 किलोमीटर हिस्सा बीएसएफ के अंडर है। बॉर्डर पार ड्रग्स और हथियार लाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने केंद्र से बार-बार एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाने और बॉर्डर सील करने के लिए असरदार कदम उठाने की मांग की है, लेकिन केंद्र अपनी जिम्मेदारी से भाग रहा है। उन्होंने कहा, पंजाब सरकार अपने अधिकार क्षेत्र में ड्रग स्मगलिंग रोकने की हर मुमकिन कोशिश कर रही है, लेकिन बॉर्डर सिक्योरिटी की जिम्मेदारी केंद्र की है। केंद्र को सर्विलांस मज़बूत करना चाहिए, एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाने चाहिए और बॉर्डर पार से ड्रग्स और हथियारों की स्मगलिंग रोकने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। कुलदीप धालीवाल ने कहा, भगवंत मान की सरकार ड्रग्स के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी। कोई कितना भी असरदार या ताकतवर क्यों न हो, अगर कोई पंजाब में ड्रग्स लाने या पंजाब के युवाओं की जिंदगी बर्बाद करने में शामिल पाया जाता है, तो उसे कानून का सामना करना पड़ेगा। इस बीच, आप पंजाब के प्रेसिडेंट और कैबिनेट मिनिस्टर अमन अरोड़ा ने कहा कि एक समय था जब पंजाब के लोगों ने 'चिट्टा' शब्द तक सुना भी नहीं था, जिस तरह से बाद में पूरे राज्य में इसे जाना जाने लगा। उन्होंने कहा, यह शब्द पंजाब में 2007-17 के समय में मशहूर हुआ जब अकाली-भाजपा अलायंस सत्ता में था। ये वो साल थे जब ड्रग के मुद्दे से जुड़े कई बड़े नेताओं के नाम बार-बार पब्लिक में आए। उन्होंने कहा, असलियत यह थी कि एक तरह का नार्को-मर्डर (नार्को-टेररिज्म) चल रहा था, जिसमें उस समय के शिरोमणि अकाली दल-भाजपा गठबंधन के नेता, पुलिस अधिकारी और ड्रग तस्कर मिलकर काम कर रहे थे। यह वह दौर था जब चिट्टा पंजाब के घर-घर तक पहुंच गया था। अमन अरोड़ा ने कहा कि भाजपा अब उन सरकारों के रिकॉर्ड को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकती जिनका उसने समर्थन किया था। उन्होंने कहा, आज जब हम उस दौर को देखते हैं, तो पंजाब का सिर पूरे देश के सामने शर्म से झुक जाता है कि ऐसी सरकारों ने 10 साल तक राज्य पर राज किया। भाजपा आज ड्रग्स के खिलाफ यात्रा निकाल रही है, लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि 2007 से 2012 और 2012 से 2017 तक वे दोनों सरकारें भाजपा के समर्थन से क्यों चलती रहीं?

मोबाइल में एक्सेल शीट, एजेंटों तक रकम का हिसाब; सैंया धर्मांतरण केस में बड़ा खुलासा

आगरा। आगरा के सैंया में पकड़ा गया धर्मांतरण का नेटवर्क विदेशी फंडिंग से चल रहा है। अलग-अलग लोगों के खातों में रकम भेजकर ट्रेनर और एजेंटों तक पहुंचाई जाती है। गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल के डाटा से प्राथमिकी जांच में यह जानकारी सामने आई है। मोबाइलों को जांच के लिए एफएसएल भेजने की तैयारी है। इसके अलावा आगरा सहित अन्य जिलों में सरगना, ट्रेनर और एजेंटों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। सैंया के गांव जोधपुरा में धर्मांतरण के आरोप में विनीत बेदी, प्रताप, डोंगर सिंह और मुखराज को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उनके मोबाइल में कई एक्सेल शीट मिली थीं, जिनमें हर प्रार्थना सभा, एजेंटों को मिलने वाली धनराशि, धर्मांतरण कराने वाले और तैयार होने वाले लोगों का डाटा था। किसको कितनी रकम दी गई? इसको भी शीट में दर्ज किया गया था। अब पुलिस इस पूरे डाटा के बारे में पड़ताल में लगी है। डीसीपी पश्चिमी जोन आदित्य सिंह ने बताया कि नेटवर्क से जुड़े आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। आशंका है कि धर्मांतरण के लिए फंडिंग विदेश से की जा रही हो। यह रकम भारत में किसी एक व्यक्ति को मिलती होगी। इसके बाद जोन स्तर पर बांटी जाती थी। इसके बाद अन्य लोगों को मिलती थी। पकड़े गए आरोपियों के बैंक खातों की जानकारी मिली है। इन पर पुलिस जांच में जुटी है। पुलिस ईस्ट और वेस्ट जोन के उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के एजेंटों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस को पता चला है कि धर्मांतरण नेटवर्क से जुड़े एजेंट लोगों को फंसाने के लिए अलग-अलग तरीका अपनाते हैं। सरकारी और निजी अस्पतालों के आसपास सक्रिय रहते हैं। गंभीर बीमारियों से पीडति कमजोर आय वर्ग के लोगों को जाल में फंसाया जाता है। एजेंटों के रूप में कार्य करने वाली महिलाएं ऐसे लोगों के पास जाती हैं। उन्हें सहानुभूति पूर्वक मिलती हैं। समस्या के समाधान और आर्थिक मदद के बहाने धर्मांतरण के लिए तैयार करती हैं। दूसरा तरीका किसी मलिन बस्ती में जाकर प्रार्थना सभा करने का भी रहता है। इसमें आर्थिक मदद के बहाने लोगों को इकट्ठा करने के बाद ईसाई धर्म में परिवर्तित करा दिया जाता है।

कार और कैंटर भिड़ंत, हादसे में दो लोग घायल

हाथरस। चंदपा कोतवाली क्षेत्र के गांव बिसाना के निकट शुक्रवार रात करीब एक बजे एक कार और केंटर की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कार सवार दो लोग घायल हुए। बिसाना निवासी योगेश और अर्जुन पुर निवासी विपिन अपनी ओरा कार से हाथरस से लौट रहे थे। तभी सादाबाद की तरफ से आ रही एक केंटर से उनकी कार टकरा गई। केंटर चालक मौके से फरार हो गया। गश्त कर रही चंदपा पुलिस ने घायलों योगेश और विपिन को अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने उनके परिवार वालों को भी सूचना दी। परिवार वाले तुरंत मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया। सी ओ सादाबाद योगेंद्र कृष्ण नारायण ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

NAME CHANGE
I MADAN RAI S/O DHUP LAL RAI R/O G-158, DHARAM COLONY PALAM VIHAR EXTN CARTERPURI HARYANA-122017, HAVE CHANGED MY DAUGHTER NAME ANURADHA KUMARI TO RANI KUMARI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, NIDHI SINGH W/O NIKHIL SUBRAHAMANIYAM R/o FLAT NO-904, TOWER C PARK VIEW CITY 2 SECTOR 49 GURGAON-122001, HARYANA, HAVE CHANGED MY NAME TO NIDHI CHAUHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I NARESH GOEL S/O Ram Karan Dass, R/O G73/13APLOTNO 14KHASRA NO 303 1ST FLOOR, VILLAGE PANA UDYAN NARELA DELHI, BEHIND NDPL, NARELA DELHI, NARELA, PO:- NARELA, DIST:- NORTH WEST DELHI, DELHI-110040 I HAVE CHANGED MY NAME TO NARESH KUMAR GOYAL

NAME CHANGE
RAJESH KUMAR S/o GURDAYAL R/o H NO 1323A, SECTOR-15 PART-II GURGAON HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY NAME TO RAJESH ARORA ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Rajiv Kumar Chabra, S/o Om Parkash Chhabra, resident of RZ-44, Gali No. 3, South Extension Part 1, Uttam Nagar, New Delhi – 110059, have changed my name from Rajiv Kumar Chabra to Rajeev Kumar Chhabra and shall hereafter be known as Rajeev Kumar Chhabra.

NAME CHANGE
I, B CHANAMMA mother of No-14655896A, Rank-HAV, Name-BATHULA KESAVA residing at VILL-KRISTAM PALLI, PO-NARASHIMAPALLE, DIST- MARKAPUR, ANDHRA PRADESH-523373, have changed my name from B CHANAMMA to BETHULA CHENNAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 30/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, B PULLAIAH father of No-14655896A, Rank-HAV, Name-BATHULA KESAVA residing at VILL-KRISTAM PALLI, PO-NARASHIMAPALLE, DIST- MARKAPUR, ANDHRA PRADESH-523373, have changed my name from B PULLAIAH to BATHULA PULLAIAH for all future purposes vide Affidavit dated 30/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, B RAJESWARI mother of No-14655896A, Rank-HAV, Name-BATHULA KESAVA residing at VILL- KRISTAM PALLI, PO-NARASHIMAPALLE, DIST- MARKAPUR, ANDHRA PRADESH-523373, have changed my name from B RAJESWARI to BATHULA RAJESWARI for all future purposes vide Affidavit dated 30/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SAURABH NARESH S/O Late VED PAL SINGH, R/O Patala Dehat Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201204 have changed the name of my minor daughter AASHVEE CHAUDHARY , aged 5 years and she shall hereafter be known as YASHVI CHAUDHARY.

NAME CHANGE
I, PARSHURAM PANDEY S/o MOHAN SHYAM R/O M 1903, Plot No GHO2, Smart City, Kingswood, Greater Noida, Sector 4, Greater Noida West, PO Roza Yakubpur Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201009 have changed the name of my minor daughter PRERANA SHARMA , aged 9 years and she shall hereafter be known as PRERNA PANDEY

NAME CHANGE
I, hitherto known as GOPI SACHDEV alias GOPI SACHDEVA D/O RAM GOPAL MEHRA W/O A K SACHDEV R/O E-8 BHAGWAN DAAS NAGAR EAST PUNJABI BAGH PANJABI S.O WEST DELHI, DELHI-110026, have changed my name and shall hereafter be known as GOPI SACHDEV.

NAME CHANGE
I SANGEETA legally wife of Army no - Jc462366N Rank - SUB, Name - Bisen Anil Kumar Roshanlal, Presently Residing At - karutola, Post- Dawaniwada, Teh - Gondia Dist - Gondia, State- MH Pin - 441614 have changed my name from SANGEETA to SANGITA ANILKUMAR BISEN for all future purposes, Vide Affidavit dated 30/09/2026 before Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री राम विनोद महतो (पिता श्री गंगा महतो) प्रॉपर्टी नंबर क्र-137 (25 वर्ग गज में बनी हुई जगह) के मालिक हैं। यह प्रॉपर्टी खसरा नंबर 10/15 का हिस्सा है और विष्णु गार्डन (गांव खियाला), ब्लॉक-NW, नई दिल्ली में स्थित है। वे इसके मालिक रजिस्टर्ड GPA (तारीख 27.12.2006) के आधार पर हैं, जो SR-II, जनकपुरी, नई दिल्ली/दिल्ली के ऑफिस में डॉक्यूमेंट नंबर 29065 (बुक नंबर 4, वॉल्यूम नंबर 11589, पेज 35-38) के तौर पर 27.12.2006 को रजिस्टर हुई थी। साथ ही, श्रीमती मधु देवी (पत्नी श्री गौरी शंकर साह) द्वारा ज्ञस और वसीयत भी निष्पादित की गई थी। यह प्रॉपर्टी श्रीमती बिंदु देवी (पत्नी मिथिलेश भगत) को बेची जा रही है और इसके लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी इस प्रॉपर्टी पर कोई अधिकार/हित/टाइटल है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgassociatespl@gmail.com, Ph: 8130309204

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHIT YADAV S/O YUGAL YADAV R/O House No 29, Village, Sahipur, Shalimar Bagh , North west Delhi, Delhi - 110088 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as DEEPIKA in my minor daughter namely DEEPIKA YADAV aged 14 years in her School Record. The actual name of my minor daughter is DEEPIKA YADAV, Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Mohammad Touhid Alam S/O Khursid Alam R/O Rz-3186/36,4th Floor Front Side,gali No-36, Tughlakabad, extn, kalkajidelhi-110019 Have Changed My Name to MD Touhid Alam for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I hitherto Known as KM SUNITA , D/o DHAN SINGH W/o VIJAY SINGH BISHT , Residing at House no .-230 Khasra No- 300, street No -4 B-Block,Mukti Ashram,keshav Nagar, Ibrahim pur, PO: Alipur ,DIST: North West Delhi, Delhi-110036, have changed my name and shall hereafter be known as SUNITA BISHT .

NAME CHANGE
I, Kamlesh Devi W/o Sharda Ram R/o 98, Roza Yakubpur, PO: Roza Yakubpur, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201009 have changed my name and shall hereafter be known as Kamlesh

NAME CHANGE
I HITHERTO KNOWN AS IKABAL HUSSAIN S/O: Asgar Ali,R/O house no.204, ward no.1, rahul vihar, Loni Dehat, Ghaziabad,Uttar Pradesh -201102 have changed my name and shall hereafter be known IKBAL HUSAIN.

NAME CHANGE
I hitherto known as KM SHALINI KANAUJIYA alias SHALINI D/o SANTOSH KUMAR KANAUJIA W/o SANDEEP TRIPATHI R/o Flat No.17101, 16th Avenue Gaur City 2, Greater Noida West Greater Noida, West Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201009 have changed my name and shall hereafter be known as SHALINI TRIPATHI.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MADHU KUMARI D/O CHANDESHWAR SHAH R/O B-80/1, B-BLOCK VIKAS VIHAR, KAKROLA, DIST; SOUTH WEST DELHI, DELHI-110078, declare that name of my mother has been wrongly written as VIDHYAWATI in my 12TH class educational documents and the name of my mother name has been wrongly written as VIDYAWATI in my 10th class educational documents. The actual name of my mother is VIDYAWATI DEVI respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Mr. Mahmood Sani Owner of the Residential House bearing no.Cassia Road 27/04 Nova,Ground floor, in Shipra Suncity II , Indirapuram , Ghaziabad U.P Mr. Mahmood Sani have lost Original Allotment letter issued by Ghaziabad Development authority and Shipra Estate Ltd. dated 10.03.2005 and possession letter issued by Shipra Estate Ltd. dated 24.04.2005 both in favour of Mr. Mahmood Sani of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his m.sani32@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

Mr. Mahmood Sani
M-NO-9312337848

NAME CHANGE
I SANGEETA legally wife of Army no - Jc462366N Rank - SUB, Name - Bisen Anil Kumar Roshanlal, Presently Residing At - karutola, Post - Dawaniwada, Teh - Gondia Dist - Gondia, State- MH Pin - 441614 have changed my name from SANGEETA to SANGITA for all future purposes, Vide Affidavit dated 30/09/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I SALMA BEGUM W/O ZAKIR KHAN R/O 1166, GALI SAMOSAN, FARASH KHANA, NORTH DELHI -110006 I HAVE CHANGED MY NAME TO SHAHIDA BEGUM

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD ISRAFIL S/O HAMID KHAN R/O BHARWARA DARBHANGA BIHAR 847104, CHANGED MY NAME TO MD ISRAFIL KHAN.

NAME CHANGE
I, Praveen Gandhi W/o Sunil Dua R/o 10/42, Geeta Colony, East Delhi-110031, have changed my name to Parveen for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Brijesh Kumar S/O: Ramesh Chandra R/O 232, charthawal, dhudhli, Dhudhli, PO:Doodhli, DIST: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh, 247772, have changed my name and shall hereafter be known as KOMAL KUMAR.

NAME CHANGE
I, PARVEEN BEGUM W/O ABDUL SATTAR R/O A15/120 DDA FLATS INDERLOK SARAI ROHILLA DELHI-110035 have changed my name to PARVEEN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Yogesh Kumar Gupta S/O Girish Chand Gupta R/O H-14/56-A(Old H 15/56),first Floor,sangam Vihar, Deoli South Delhi 110062 Have Changed My Name to Yogesh Gupta for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Rakhi W/O Deepak Sharma R/O House No-F.C.A.-139, Garg Colony, Ballabgarh, Faridabad Haryana -121004 Have Changed My Name to Rakhi Sharma for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, VED PRAKASH ARORA/VED PARKASH ARORA R/O B-8, FIRST FLOOR, DOUBLE STOREYED FLATS, MOTIA KHAN, PAHAR GANJ, DELHI-110055 have changed my name to VED PARKASH.

नाम परिवर्तन
मैं, सुषमा देवी, पत्नी सुनील कुमार पाठक, निवासी RZ-20/73A, S/F, गली नंबर-11, राम गोपाल मार्केट के पास, कैलाश पुरी, पालम विलेज, नई दिल्ली-110045, घोषणा करती हूँ कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम सुषमा देवी लिखा है, जबकि मेरे बेटे (शौर्य पाठक) के जन्म प्रमाण पत्र (नंबर MCDOLIR-0112-005457849) में मेरा नाम सुषमा पाठक लिखा है। यह शपथ-पत्र मैं इसलिए जमा कर रही हूँ ताकि यह स्पष्ट हो सके कि सुषमा देवी और सुषमा पाठक एक ही व्यक्ति हैं। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम सुषमा देवी से ही जाना जाएगा।

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given on behalf of Mr. Upendra Kumar to inform to the public at large that Mrs. Sona Devi is the owner of Plot area measuring 60 Sq. Yds., out of Khasra No. 283, situated in the Village Surajpur, Pargana Dadri, Tehsil & Dist. Gautam Budh Nagar, U.P. vide Sale Deed dated 18.04.2017 executed by Sh. Biku, as Doc. No.9024, Book No.1, Vol. No.23264, pages no.25 to 48, duly registered with the office of Sub-Registrar, Sadar-Gautam Budh Nagar and same will be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd. That, Sh. Biku was the recorded owner of the entire property through Khatauni Record. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email: advabhisingh1993@gmail.com

NAME CHANGE
I, hitherto known as SUJEET KUMAR S/O DEVENDRA JHA R/o HOUSE NO-867, KH NO-141/22, 3RD FLOOR, GALI NO-20, BLOCK-B, SHIVKUNJ SANT NAGAR, BURARI, DELHI- 110084. have changed my name and shall hereafter be known as SUJEET JHA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, Amrita Mishra, Mother of Gaurav Kumar Mishra Army No. 4282733L Rank - HAV Posted at Bihar, REGT Center, C/o 56 APO, Danapur Cantt Parmanent Resident of Village - Gogri, Post - Gogri, Teh + P.S - Gogri, Dist. - Khagaria, State - Bihar Pin-851202 have changed my name From Amrit Mishra to Amrita Mishra & Date of Birth From 04/08/1962 to 01/01/1966 for all future purposes. My Adhar Card No. is 737475968152. Vide Affidavit Dated 30 September 2026 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE
I, NO.-2614188P Rank-HAV Name-SHIDDAPPA MAGEPPAGOL legal father of PRAJWAL R/o VPO-YADGUD, TEHSIL-HUKKERI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591309, have changed my minor son's name from PRAJWAL to PRAJWAL SHIDDAPPA MAGEPPAGOL for all future purposes vide affidavit dated 30/09/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RUKSANA PARVEEN W/O JUNED ALI R/O H NO-D-14/18, GALI NO-15, CHAUHAN BANGER, GARHI MENDU, DELHI-110053 have changed my name to RUKHSANA PARVEEN for all future purposes.

NAME CHANGE
I Ravita W/o Gopal Singh R/o C-132, Third floor, Street no 11,West Vinod Nagar, Mandawali Fazalpur,East Delhi , Delhi -110092 have changed my name to Ravita Bagri for all future purpose.

NAME CHANGE
I Anagha C/o Puneeta Dua R/o Flat no-B-262, Prodhyogiki CGHS Ltd., Plot no-11, Sector-3, Dwarka, Delhi-110078 have changed my name to Anagha Dua for all future purpose.

NAME CHANGE
I SHAILBALA legally wife of Army No. JC461929W Rank. Sub Clk (SD), Name - SURENDRA BAHADUR SINGH Presently Residing, Village. Khajurgaon, Post. Khajurgaon, Tehsil. Lalganj, Dist. Raebareli (UP), have changed my name from SHAILBALA to SHAILBALA SINGH for all future purposes, Vide Affidavit dated 30/09/2026 before Notary Delhi

सार्वजनिक सूचना
यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अंचल अरोड़ा एवं सुमित सिंह, दोनों, संपत्ति संख्या क्र-70 के पूर्वी भाग के आधे हिस्से पर निर्मित संपूर्ण अपर ग्राउंड फ्लोर, बिना छत/रूफ अधिकार के (जिसे आगे उक्त फ्लोर कहा गया है), जिसका क्षेत्रफल 110 वर्ग गज, कुल 220 वर्ग गज में से, खसरा संख्या 1977 के भाग के रूप में, ग्राम तिहार के क्षेत्र में स्थित तथा हरि नगर, क्लॉक टावर, नई दिल्ली नामक कॉलोनी में स्थित है, को श्रीमती कमल प्रीत कौर से खरीदने का इरादा रखते हैं, श्रीमती कमल प्रीत कौर उक्त संपत्ति की स्वामिनी हैं, जो उन्हें दिनांक 13.01.2025 की पंजीकृत विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से प्राप्त हुई, जो अश्वनी कोहली (HUF), अपने कर्ता अश्वनी कोहली के माध्यम से, द्वारा निष्पादित की गई थी। उक्त विक्रय विलेख दस्तावेज संख्या 2025/25/I/1189, पुस्तक संख्या I, वॉल्यूम संख्या 13634, पृष्ठ संख्या 2134, दिनांक 13.01.2025, उप-पंजीयक-II-B, दिल्ली के कार्यालय में पंजीकृत है, उक्त संपत्ति की पूर्ववर्ती स्वामित्व श्रृंखला (Property Chain) में स्वर्गीय करम सिंह का मृत्यु प्रमाण-पत्र तथा वसीयत (Will) से संबंधित प्रोबेट आदेश, जो दिनांक 08.02.2006 को सक्षम न्यायालय द्वारा जगमोहन सिंह के पक्ष में, संपूर्ण संपत्ति अर्थात 220 वर्ग गज के संबंध में पारित किया गया था, विक्रेता के पास उपलब्ध नहीं हैं, अतः, श्रीमती कमल प्रीत कौर द्वारा उक्त संपत्ति को सभी प्रकार के भार, बंधक, दावे, विवाद, वाद-विवाद/मुकदमेबाजी, कुर्की, ग्रहणाधिकार तथा किसी भी प्रकार के अन्य तृतीय पक्ष के अधिकारों या हितों से पूर्णतः मुक्त बताया गया है, यह भी सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त संपत्ति के लिए Bajaj Housing Finance Limited, NSP, Delhi द्वारा वित्तपोषण प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, भार, बंधक अथवा अन्य कोई तृतीय-पक्ष हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति की सूचना संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, PATIL AJITRAO ASHOK S/o ASHOK DHANRAJ PATIL R/o QTR NO-47/05, GURJINDER VIHAR, COD, DELHI CANTT-110010, declare that in my minor daughter's (Janvi Ajitrao Patil) school records, my name is wrongly mentioned as AJITRAO PATIL and her mother's name as BHARATI, instead of my correct and actual name as PATIL AJITRAO ASHOK and her mother's name as PATIL BHARATI AJITRAO.

NAME CHANGE
I, PATIL AJITRAO ASHOK S/o ASHOK DHANRAJ PATIL R/o QTR NO-47/05, GURJINDER VIHAR, COD, DELHI CANTT-110010, declare that in my minor son's (Aniket Ajitrao Patil) school records, my name is wrongly mentioned as AJITRAO PATIL and his mother's name as BHARATI AJITRAO PATIL, instead of my correct and actual name as PATIL AJITRAO ASHOK and his mother's name as PATIL BHARATI AJITRAO.

NAME CHANGE
I, SOLANKI VIJAY KUMAR MULABHAI, S/o CHAMAR MULABHAI, R/o 168, VTC-MOTA KHANPUR, PO- KHANPUR, DIST-MAHISAGAR, GUJARAT-389230, declare that in my minor daughter's school records, name of mine and my wife is wrongly mentioned as SOLANKI VIJAY KUMAR MULABHAI & SOLANKI RANJANBEN, instead of correct name as SOLANKI VIJAYKUMAR MULABHAI & SOLANKI RANJANBEN VIJAYKUMAR. That kindly consider my and my wife's correct and actual name as SOLANKI VIJAYKUMAR MULABHAI & SOLANKI RANJANBEN VIJAYKUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUTHA M mother of No 2616592H, Rank-SEP, Name-JAMBU M residing at H NO-3/70, VILL-MANJAMPATTI, PO-KARAIPATTI, TEHSIL-MANAPPARAI, DIST-TIRUCHIRAPALLI, TAMIL NADU-621314 have changed my name from SUTHA M to SUTHA MUTHURAMALINGAM for all future purposes vide Affidavit dated 30/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MUTHURA MALINGAM P father of No 2616592H, Rank-SEP, Name-JAMBU M residing at H NO-3/70, VILL-MANJAMPATTI, PO-KARAIPATTI, TEHSIL-MANAPPARAI, DIST-TIRUCHIRAPALLI, TAMIL NADU-621314 have changed my name MUTHURA MALINGAM P to MUTHURAMALINGAM PALANIYANDIDEVAR for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O RAJ KUMAR R/O H-86 STREET NO-5 PALAM COLONY DELHI-110077 have changed my name to VINOD KUMAR KOCHHAR for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mrs. Kanta Maggar** in respect of **Third Floor, From Side-B, with Roof rights, out of Property No. 153-D, Gali No. 19, AREA Measuring 70 Sq. yards approx.., out of Khasra no. 716/33/2, Situated in the Revenue Estate of Village Nasirpur, Delhi State Delhi Colony Known as Dashrath Puri, New Delhi-110045** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, SOBHANAN father of JC-442628X, Rank-SUB, Name-JABAL RAJ S residing at VENKANJI, VILAVANCODE, KANYAKUMARI, TAMILNADU-629160, have changed my name from SOBHANAN to SOBANAM CHELLAN for all future purposes vide Affidavit Dated 29/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, LEENA ANBAIAN wife of JC-442628X, Rank-SUB, Name-JABAL RAJ S residing at VENKANJI, VILAVANCODE, KANYAKUMARI, TAMILNADU-629160, have changed my name from LEENA ANBAIAN to LEENA A for all future purposes vide Affidavit dated 29/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, DEEPAK SAWANT S/o GOVIND SINGH, presently residing at QTR NO-353/4, VIKRAM BATRA VIHAR, DELHI CANTT-110010, declare that in my minor son's school records, his name is wrongly mentioned as ANSH SAMANT, instead of his correct and actual name as ANSH SAWANT.

NAME CHANGE
I, DHRAMENDRA S/O BHAGWAN SINGH R/O F-124 LADO SARAI,SOUTH DELHI-110030 HAVE CHANGED MY NAME TO DHARMENDER FOR ALL PURPOSES.

NAME & DATE OF BIRTH CHANGE
I, DHANNU mother of No. 15747579P Rank-SIGMN (OCC) Name-KISHORE CHOUHAN Presently residing at GRAM-NOGAWA, TEHSIL-HATOD, DIST-INDORE, M.P-453111, have change my name from DHANI BAI CHOUHAN to DHANNU for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 12/10/1973 instead of my correct date of birth as 01/01/1973 vide affidavit No. 1032 dated 03/09/2026 before Notary Public, HATOD, INDORE, MP.

NAME & DATE OF BIRTH CHANGE
I, KAILASH father of No. 15747579P Rank-SIGMN (OCC) Name-KISHORE CHOUHAN Presently residing at GRAM-NOGAWA, TEHSIL-HATOD, DIST-INDORE, M.P-453111, have change my name from KAILASH CHOUHAN to KAILASH for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/08/1963 instead of my correct date of birth as 01/01/1963 vide affidavit No. 1033 dated 03/09/2026 before Notary Public, HATOD, INDORE, MP.

NAME CHANGE
I,SANNO W/O MOHD SALEEM R/O H.NO-648, 3RD FLOOR GALI NO 22 ZAKIR NAGAR JAMIA NAGAR NEW FRIENDS COLONY SOUTH DELHI 110025, CHANGED MY NAME TO GUDIYA.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Jaitun W/o Haji Julfikar is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-up House area measuring 100 Sq Yds out of Khasra No. 735 Situated at Kasba Dadri under Kidwai Nagar, Pargana & Tehsil Dadri Distt Gautam Budh Nagar, U.P.. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 20.06.2011, Vide Doc No. 9823, Vol No. 3526, Page No. 391-418, dated 20.06.2011, SRO-Dadri In the chain of documents, the Original Sale Deed dated 20.08.1998 executed by Mr. Rafiq Ahmad S/o Kamaruddin in favour of Mr. Azad S/o Lal Mohd in respect of Plot area measuring 100 Sq Yds out of Khasra No. 735. Vide Doc No. 2258, Vol No. 1220, Page No. 315-318, dated 20.08.1998, SOR-Dadri., is not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. the said property to be financed/mortgaged with DCB Bank Limited Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
It is for general information that I, HARSHIT S/O RAKESH KUMAR R/O H.NO. 220, NAMBARDAR WALI GALI, NEAR GAURAV GENERAL STORE, SAMALKHA, PO: GURGAON ROAD, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110037 declare that name of my father has been wrongly written as RAKESH KUMAR VATS in my 10th class educational documents. The actual name of my father is RAKESH KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known NEHA W/O ASHISH KUMAR R/O 206, Devli Village, Deoli, PO: Deoli, DIST: South Delhi, Delhi - 110062 have my name and Shall hereafter be known as NEHA MANN.

NAME CHANGE
I hitherto known as Vraham Singh S/o Machhendra Puri R/o 4377, Shiv Mandir Bala Ji Dham, Hindon Vihar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed my name and shall hereafter be known as Brhma Nandpuri.

NAME CHANGE
I,Sensa S/O Vijaypal R/O House No-35, Sikandar Pur Kakodi Hapur,PO: Hapur, DIST: Hapur Uttar Pradesh -245101, have changed my name and shall hereafter be known as Shahanshah

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रुक्मणी, जो कि 4.999 मरलाई (अर्थात 157.810 वर्ग गज) क्षेत्रफल वाली संपत्ति/प्लॉट (पीआईडी क्रमांक 3TTJJ4R0) की मालिक हैं, जो सोहना नगर निगम के अंतर्गत सोहना तहसील और गुरुग्राम जिले, हरियाणा में स्थित है, ने श्री रामू पुत्र श्री घिसैन द्वारा दिनांक 05.08.2026 को पंजीकृत हस्तांतरण विलेख संख्या 4159 के माध्यम से श्रीमती रुक्मणी पत्नी श्री घिसैन के पक्ष में संपत्ति हस्तांतरित कर दी है।

रामू, ये रहे गुम हुई संपत्ति के दस्तावेज-

1. श्रीमती मिथिलेश उर्फ ??राजो और श्रीमती लक्ष्मी पुत्री श्री रघुराज द्वारा श्री रामू पुत्र श्री घीसा के पक्ष में दिनांक 01.12.2000 को निष्पादित मूल पंजीकृत विक्रय विलेख संख्या 2279, क्षेत्रफल 4.999 मरला यानी 157.810 वर्ग गज। उपरोक्त दस्तावेज गुम हो गया है, जिसके लिए हरियाणा पुलिस नागरिक सेवा में आवेदन संख्या 132271052600815 और गुम होने की तिथि 15/07/2026 के तहत शिकायत दर्ज कराई गई थी और इसकी स्वीकृति प्राप्त हुई है। श्रीमती रुक्मणी उक्त संपत्ति की वास्तविक और वैध स्वामी हैं।

ग्राहक उक्त संपत्ति के बदले मेसर्स वंडर होम फाइनेंस लिमिटेड, शाखा - गुरुग्राम, हरियाणा से ऋण सुविधा प्राप्त कर रहा है। ऋणदाता उक्त संपत्ति पर अपना प्रभार स्थापित करके ऋण सुरक्षित करेगा। उक्त संपत्ति के विरुद्ध किसी भी व्यक्ति/बैंक/एनबीएफसी को कोई अधिकार, आपत्ति या दावा होने पर, नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। इसके बाद किसी भी प्रकार का कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा। कृपया नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें।

दीपक मलिक (अधिवक्ता)
पता-दुकान नंबर 2, कटारिया कॉम्प्लेक्स,
दयानंद कॉलोनी, गुड़गांव
मोबाइल नंबर - 9540419009

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोनू नागर, पुत्रः** श्री अजब सिंह, **पताः** ग्राम शरीफपुर थाना बाबू गढ़, जिला छाबनी हापुड यूपी, ने **FIR No.: 344/2015 U/s 379 IPC ACT थानाः मंडावली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू नागर,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू नागर,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 344/2015 U/s 379 IPC ACT थानाः मंडावली, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सोनू नागर,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
DP/13781/ED/2026 (Court Matter) **जेएमएफसी–03 कोर्ट नंबर 16, पूर्वी ज़िला, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली**

NAME CHANGE
I hitherto known as MANISH KUMAR YADAV S/o LALTA YADAV R/o Village Faridpur, Post Poonapar, Thana Jiyanpur, DIST: Azamgarh, Uttar Pradesh - 276124, have changed my name and shall hereafter be known as DINESH YADAV.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय श्री नगराज सिंह के पुत्र श्री आयेंद्र सिंह, मॉडर्न रेलवे मिटी पार्ट-2 कोलोनी (गाँव धूम मानिकपुर, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, .P.) में स्थित 100 वर्ग गन के खाली आवासीय प्लॉट नंबर 82 (खसरा नंबर 508 और खाता नंबर 1267) के मालिक थे। यह मालिकाना हक उन्हें मोहम्मद हफीज के पुत्र मोहम्मद शफीक द्वारा 05.09.2012 को किए गए सेल डीड (बिक्री विलेख) से मिला था, जो SRO-दादरी में डॉक्यूमेंट नंबर 15948, शुक नंगर 1, वॉल्यूम 4660, पेज 379-396 05.09.2012 को विधिवत पंजीकृत था। इसके बाद, 08.03.2026 को श्री आयेंद्र सिंह का निधन हो गया। चूंकि श्री आयेंद्र सिंह का SMC (उत्तराधिकार प्रमाण पत्र) उपलब्ध नहीं था, इसलिए श्रीमती निशी देवी और श्री ध्रुब चौहान ने श्रीमती श्रद्धा शर्मा (पत्नी श्री राजीव लोचन शर्मा) के पक्ष में बिक्री का एक समझौता (Agreement to Sell) किया। इस तरह श्रीमती श्रद्धा शर्मा उक्त प्लॉट (गॉडर्न रेलवे सिटी पार्ट-2, धूम मानिकपुर, दादरी, गौतम बुद्ध नगर, .क्क-203207 में DSR मॉडल स्कूल के पास स्थित 100 वर्ग गज का खाली आवासीय प्लॉट नंचर 82) की मालिक बनीं। इस संपत्ति के लिए DMI हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा फाइनेंस किया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार/हित टाइटल (स्वामित्व) है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgassociatespl@gmail.com, Ph: 8130309204

NAME CHANGE
I hitherto Known as VAKILA W/O IKBAL HUSAIN R/O house no.1, rahul vihar ward no.1, Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known VAQILA.

NAME CHANGE
I hitherto known as NEETU CHANDRA D/o Susheel Kumar Ghai, and W/o Himanshu Gaurav, R/o Plot No.-32/28, South Side G.T Road B.S Road, Industrial Area, Maheshwari Indane Gas Service, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall be hereafter known as NEETU GAURAV, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, VIKAS KUMAR S/o Tilak Ram Singh, R/o D-510 A, Sector-11, Pratap Vihar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, have changed the name of my minor daughter PARINIDHI alias ANTRA SINGH aged 10 years and she shall hereafter be known as ANTRA SINGH, for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I CHANDAN KUMAR S/o LAL BABU SHAH Presently Residing at E -151 , Vijaynagar Sector 12 Block E (Makan) , Dist - Ghaziabad , Uttar Pradesh – 201009 and Permanent R/o Sultanpur Barnaon Jagdishpur , Bhojpur , Bihar – 802203 declare that the name of mine and my Father has been wrongly written as CHANDAN SAHA and LALABABU SAHA in my Aadhar No. 3180 9631 9745 . The actual name of mine and my Father are CHANDAN KUMAR and LAL BABU SHAH , which may be amended accordingly.

Public Notice
It is for general I, NASIM KHAN S/O ALIDAD KHAN R/O 220-A S K-2, SECTOR -93, NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR UTTAR PRADESH - 201304 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been Wrongly written as NASEEM KHAN, SAHRAJ BEGUM and ZARA in my minor daughter namely ZARA KHAN aged 16 years in her 10th Class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are NASIM KHAN, SAHROJ BEGUM and ZARA KHAN, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Notice to public in general that my clients Mrs. Husleen Kaur W/o Amarpreet Singh R/o F-8, Rajouri Garden, New Delhi and Ms. Jusleen Kaur D/o Daljit Singh R/o D-7, Fateh Nagar, New Delhi have severed their relation and debarred their mother Gurdeep Kaur from all their movable/immovable property because of her bad behavior, conduct and living in adulterous life and done illegal acts with my clients. If anybody deals with them which is at his/her own risk & responsibility and my clients are not responsible for her acts.

(SUMIT GABA) ADVOCATE
Ch. No. T-7,
Tis Hazari Court, Delhi

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सेवा संकल्प अभियान के कारी धारणी में पौधारोपण अभियान

एजेंसी
लोहारू। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला के कारी धारणी गांव में पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा। एसडीएम आशीष सांगवान और एसडीएम लोहारू मनोज दलाल ने पौधारोपण किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया। ग्राम पंचायत में अनेक प्रतिभागियों ने पौधारोपण गतिविधि में भाग लिया। सरकार के निर्देशानुसार 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में गांवों में जनभागीदारी से विभिन्न सेवा एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। पौधारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहे, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाए। ग्रामीणों की सामूहिक भागीदारी से गांवों को अधिक हरा-भरा बनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण को मजबूत आधार मिल सकता है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत लगाए गए अंत्योदय मेले में अभी तक 168 आवेदन हुए प्राप्त

हिसार। सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत खंड हिसार प्रथम व द्वितीय में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत दो दिवसीय अंत्योदय मेले विभिन्न विभागों ने स्टाल लगाकर आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। यह जानकारी देते हुए विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि मेले में पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए मौके पर ही आवेदन की सुविधा उपलब्ध करवाई गई। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित 168 आवेदन प्राप्त हुए। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोगों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेले के दौरान हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के साथ रोजगार एवं स्वरोजगार से संबंधित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने बताया कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

3 अक्टूबर को होगा एन.आई. एक्ट के मामलों के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन

हिसार। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष देश राज चालिया के मार्गदर्शन में आगामी 3 अक्टूबर को धारा 138 एन.आई. एक्ट (चेक बाउंस) से संबंधित मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संजीव काजला ने बताया कि इस विशेष लोक अदालत में बैंक एवं चेक बाउंस से संबंधित मामलों का आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर निपटारा करवाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लोक अदालत विवादों के सौहार्दपूर्ण एवं त्वरित निपटारे का प्रभावी माध्यम है। लोक अदालत में आपसी सहमति से मामलों का निपटारा होने से पक्षकारों के समय एवं धन की बचत होती है और उन्हें लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया से भी राहत मिलती है। उन्होंने आमजन एवं संबंधित पक्षकारों से अपील की है कि वे 3 अक्टूबर को आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने धारा 138 एन.आई. एक्ट से संबंधित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से निपटारा करवाएं।

5 हजार रुपये रिश्वत लेते नगर निगम के टैक्स ब्रांच का क्लर्क रंगे हाथ गिरफ्तार

करनाल। करनाल भ्रष्टाचार के खिलाफ हरियाणा सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने करनाल में कार्रवाई करते हुए नगर निगम करनाल की टैक्स शाखा में तैनात क्लर्क गौरव को 5,000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी टीम ने रिश्वत की पूरी राशि बरामद कर ली है। शिकायतकर्ता ने एसीबी को शिकायत दी थी कि उसके पिता धर्मबीर एवं माता परमजीत कौर, जो उक्त मकान के मालिक हैं, की प्रॉपर्टी आईडी में श्रेणी संबंधी सुधार करवाना है। इसके लिए शिकायतकर्ता द्वारा नगर निगम करनाल के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सुधार के लिए आवेदन किया गया था। आरोप है कि नगर निगम करनाल की टैक्स शाखा में तैनात क्लर्क गौरव द्वारा उक्त सुधार करने के एवज में शिकायतकर्ता से 5,000 रुपये रिश्वत की मांग की गई। शिकायत प्राप्त होने के बाद एसीबी करनाल की टीम ने शिकायत का नियमानुसार सत्यापन करते हुए ट्रैप कार्रवाई की।

सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या के आधार पर डॉक्टरों व सहायक स्टाफ को मिलेगा स्पेशल इन्सेंटिवः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने सरकारी अस्पतालों की सेवाओं में सुधार के लिए स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा की

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आयुष्मान भारत व चिरायु योजना के मरीजों को सरकारी अस्पतालों में इलाज करवाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु स्वास्थ्य विभाग प्रो-एक्टिव होकर कार्य करे। जिन सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ेगी उनके चिकित्सकों, सहायक स्टाफ तथा आयुष्मान मित्रों को स्पेशल इन्सेंटिव (विशेष प्रोत्साहन) राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने यह बात हरियाणा सिविल सचिवालय में स्थास्थ्य विभाग के

अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत व चिरायु योजना के मरीजों के इलाज की एवज में सरकारी अस्पतालों को जो राशि मिलेगी उसका उपयोग संबंधित अस्पताल में चिकित्सकों व स्टाफ के स्पेशल इन्सेंटिव, अस्पताल के अपग्रेडेशन, स्वच्छता कार्यों, आयुष्मान मित्रों को प्रोत्साहन आदि में खर्च किया जाएगा। इस संबंध में प्रस्तुत किए गए स्वास्थ्य विभाग के प्रस्ताव का सरकार द्वारा अनुमोदन कर दिया गया है।

डायबिटिक रैटिनोपैथी का होगा निःशुल्क इलाजः

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि निःशुल्क इलाज का दायरा अधिक से अधिक मरीजों तक पहुंचाने के लिए सरकारी अस्पतालों में आयुष्मान योजना के पैकेजों की संख्या बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि आंखों के मरीजों की पुतली खराब होने की बीमारी डायबिटिक रैटिनोपैथी का इलाज भी सभी सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क किया जाएगा। इसे भी सरकारी अस्पतालों के पैकेज में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि इस बीमारी का इलाज अब इंजेक्शन के माध्यम से संभव हो गया है जिसे लगाने का खर्च सरकार वहन करेगी।

नियमित के साथ ओपन भर्ती भी शुरू करने के निर्देशः

मुख्यमंत्री ने सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों, रेडियोलोजिस्ट और कार्डियोलोजिस्ट के रिक्त पदों को तुरंत भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमित भर्ती के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग इन पदो के लिए विदेशों की तर्ज पर ओपन भर्ती भी शुरू करे जिसके अंतर्गत कोई भी इच्छुक स्पेशलिस्ट अपनी मर्जी के स्थान और समय अवधि के लिए सरकारी अस्पतालों में सेवाएं देने की पेशकश कर सके।

अनिल विज ने कबड्डी प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

नशे को रोकने के लिए हर नागरिक, हर शहर व आमजन की सहभागिता बेहद जरूरी हैं।

एजेंसी
अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा की धरती गीता के ज्ञान, मेहनतकश के किसान की, सीमा पर लड़ने वाले नौजवानों की, एशियन, ऑलम्पिक, कॉमनवैल्थ गेमों में मेडल लाने वाले नौजवान खिलाड़ियों की धरती हैं। विज मंगलवार गांव पंजोखरा साहिब, अम्बाला छावनी में आयोजित सातवीं कबड्डी प्रतियोगिता में बतौर मुख्यतिथि रिब्बन काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजकों ने मुख्यअतिथि को स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिन्दन किया। इस मौके पर मंत्री अनिल विज ने प्रतियोगिता की गतिविधियों के लिए 2 लाख रूपए देने की घोषणा की। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने यहां पर आयोजकों द्वारा आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता की सराहना करते हुए कहा कि पंजोखरा साहिब प्रतियोगिता से जुड़े

नौजवानों को देखकर बहुत ही खुशी का एहसास हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सारे देश में नशे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। हरियाणा में भी नशे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। हरियाणा की धरती ऐतिहासिक धरती हैं। इस धरती पर खिलाड़ियों के हाथ में बैट बल्ला, फुटबॉल, हॉकी होने चाहिए, ना की नशे की पुड़िया। नशा केवल युवक का जीवन खराब नहीं करता बल्कि उसके पूरे परिवार और घर की नींव को खराब कर देता हैं। ये एक ऐसा जहर है जिसने कई नौजवानों के जीवन को खराब कर दिया हैं।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा नशा मुक्त यात्रा चलाई जा रही है। पंजाब व पाकिस्तान आदि राज्यों से नशे की जो खेप आती है, उस पर अंकुश लगाने के लिए समय-समय पर कार्रवाई भी की जा रही है। उन्होनें कहा कि जब वे गृह मंत्री थे, तो उन्होंने इसके लिए अलग से एक स्वतंत्र टीम गठित की हुई थी। इस गठित टीम द्वारा नशे पर अंकुश लगाने की कार्रवाई की गई।

सबसे पहले नशा कहा से आता है उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। नशे की गिरफत में जो युवा या अन्य है उसे इससे बाहर निकालने के लिए काम करना है, उसे समझाना हैं। नशा मुक्ति केन्द्रों के माध्यम से ऐसे युवाओं को ईलाज करवाकर उन्हें नशे से बाहर लाने का काम करना हैं।

मंत्री अनिल विज ने इस अवसर पर यह भी कहा कि जब वह स्वास्थ्य मंत्री थे उन्होंने हरियाणा के हर जिले में नशा मुक्ति केन्द्र खोलने का काम किया।

राजस्व सेवाओं में पारदर्शिता और समयबद्धता के लिए है ऑटो म्यूटेशन

एजेंसी
लोहारू। राज्य सरकार द्वारा राजस्व सेवाओं को सरल, पारदर्शी, समयबद्ध एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में ऑटो म्यूटेशन व्यवस्था लागू की जा रही है। इस व्यवस्था का उद्देश्य इंतकाल प्रक्रिया को सुगम बनाने के साथ-साथ आम नागरिकों को अनावश्यक रूप से तहसील कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत देना तथा राजस्व व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करना है। राजस्व विभाग की इस व्यवस्था के बारे में उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया है कि रजिस्ट्री के बाद म्यूटेशन को निर्धारित समय-सीमा में विभिन्न स्तरों पर प्रोसेस किया जाता है। पहले चार दिन म्यूटेशन पटवारी के लॉगिन में रहेगी। यदि इस अवधि में आवश्यक कार्रवाई नहीं होती है तो पांचवें दिन यह स्वतः कानूनगो के लॉगिन में फॉरवर्ड हो जाएगी। इसके बाद निर्धारित समय में कार्रवाई न होने पर म्यूटेशन स्वतः सीआरओ के लॉगिन में जाएगी और निर्धारित अवधि के बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर 11वें दिन म्यूटेशन जमाबंदी में स्वतः शामिल हो जाएगी। इस व्यवस्था से यह सुनिश्चित होगा कि म्यूटेशन किसी एक स्तर पर अनावश्यक रूप से लंबित न रहे और प्रत्येक स्तर पर समयबद्ध कार्रवाई एवं जवाबदेही तय हो।

उन्होंने बताया है कि सरकार द्वारा नागरिकों के लिए विशेष ऑनलाइन शिकायत निवारण व्यवस्था भी शुरू की जाएगी। इसके माध्यम से नागरिक निर्धारित समय-सीमा में प्रोसेस न हुई म्यूटेशन से संबंधित शिकायत दर्ज कर सकेंगे और आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। संबंधित विभाग या अधिकारी द्वारा शिकायत पर 10 दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वोटर से प्राप्त दावे आपत्तियों का तत्काल निपटान करें अधिकारी : डीसी

आगामी 28 अक्टूबर तक होगा दावे आपत्तियों का निपटारा

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी
झज्जर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला झज्जर के सभी चारों विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य जारी है। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना तथा अपात्र नामों को हटाकर सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाना है।

डीसी ने बताया कि एसआईआर-2026 के कार्यक्रम के अनुसार दावे एवं आपत्तियों का निपटारा 28 अक्टूबर तक होगा तथा अंतिम मतदाता सूची 6 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी। मतदाता नाम, पता, आयु, फोटो सहित अन्य विवरणों की जांच कर त्रुटि मिलने पर समय रहते सुधार सम्भव है।

डीसी ने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध एवं विश्वसनीय बनाने में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी

जरूरी है। उन्होंने सभी निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों को एसआईआर प्रक्रिया नियमानुसार पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

सुरक्षित रक्त की पहुंच आसान बनाने के लिए राज्य सरकार ब्लड डोनेशन वैन की लेगी मदद : आरती सिंह राव

दवाओं व टीकों के सुरक्षित भंडारण, बेहतर इन्वेंट्री प्रबंधन और निर्बाध बिजली आपूर्ति हेतु डीजल जनरेटर सेटों का किया जायेगा प्रबंध

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव की अध्यक्षता में 'विशेष उच्च अधिकार प्राप्त खरीद समिति' (SHPPC) की बैठक में राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने, आवश्यक दवाओं व चिकित्सा आपूर्ति को सुगम बनाने तथा मरीज देखभाल सेवाओं में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इस बैठक के दौरान रक्तदान और ट्रांसफ्यूजन सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए जिला अस्पतालों के लिए लगभग 4.18 करोड़ रुपये की लागत से 9 ब्लड डोनेशन वैन के दो साल के रेट कॉन्ट्रैक्ट को अंतिम रूप दिया गया, जिससे विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित करने और सुरक्षित रक्त की पहुंच आसान बनाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही सिविल अस्पताल, करनाल में पीपीपी मोड के तहत सीटी स्कैन और एमआरआई स्कैन सेवाओं की दरें भी तय कर दी गई, जिससे मरीजों को सस्ती एवं आधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाएं मिल सकेंगी।

ड्रग वेयरहाउस और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को मजबूती देने के लिए दवाओं व टीकों के सुरक्षित भंडारण, बेहतर इन्वेंट्री प्रबंधन और निर्बाध बिजली आपूर्ति हेतु 274 स्टार्टर्स व एक्सटेंशन रैक के लिए लगभग 1.94 करोड़ रुपये तथा 9 डीजल जनरेटर सेटों (50 KVA) के लिए लगभग 86.23 लाख रुपये के दो वर्षीय अनुबंध को अंतिम रूप दिया गया। नेत्र विज्ञान और ईएनटी जांच व सर्जिकल सेवाओं को उन्नत करने के लिए 6 ऑप्टिकल बायोमीटर, 13 ईएनटी ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप और 6 एडवांस्ड फेको इमल्सीफिकेशन मशीनों की दरें भी लगभग 12.22 करोड़ रुपये की कुल अनुमानित लागत पर तय की गईं। गंभीर बीमारियों की रोकथाम और आपातकालीन व्यवस्थाओं के तहत तपेदिक (टीबी) की त्वरित और सटीक जांच के लिए 6.72 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 1,00,000 माइक्रो पीसीआर टीबी टेस्ट किट (ट्रूनेट चिप्स) की दर स्वीकृत की गई।

जनगणना के दूसरे चरण के लिए समय रहते पूरी करें तैयारी : एडीसी डॉ. सुशील कुमार

एडीसी डॉ. सुशील कुमार ने ली जनगणना को लेकर ली बैठक, सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी करने के दिए निर्देश

एजेंसी
कैथल। एडीसी सुशील कुमार ने कहा कि जनगणना-2027 का दूसरा चरण फरवरी 2027 में शुरू होगा। इसे देखते हुए सभी विभाग अभी से अपनी तैयारियां पूरी रखें, ताकि प्रत्येक कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि जनगणना को लेकर आमजन की भागीदारी को सुनिश्चित करना है, इसके लिए जागरूकता अभियान के लिए प्लानिंग बनाएं। एडीसी सुशील कुमार लघु सचिवालय के वीडियो कांफ्रेंसिंग रूम में संबंधित अधिकारियों को जनगणना को लेकर आवश्यक निर्देश दे रहे थे। इससे पहले हरियाणा के जनगणना संचालन निदेशक डॉ. ललित जैन ने

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में निर्देश दिए। एडीसी ने कहा कि पहले चरण का कार्य अधिकारियों व कर्मचारियों के सहयोग और मेहनत से पूरा किया जा चुका है। दूसरे चरण के लिए इम्यूनेटर्स का प्रशिक्षण करवाया जाए। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड आदि मुख्य स्थानों पर सेल्फी के माध्यम से प्रचार प्रसार करना सुनिश्चित करें। इसमें माई भारत, एनएसएस आदि वॉलिंटियर्स का सहयोग लिया जाए। सरपंचों, पंचायत समितियों, नगर पालिका के अधिकारियों के माध्यम से जनगणना कार्य में लगे हुए कर्मचारियों का सहयोग करें। कॉलेज में प्रतियोगिताएं आयोजित करवाएं। जनगणना में अच्छा कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाए। जनगणना में टॉप जिले को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि वे जनगणना से संबंधित बनी वीडियो को ज्यादा से ज्यादा शिक्षकों में प्रचारित करवाएं। इस मौके पर उन्होंने जिला सांख्यिकी अधिकारी को भी आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर सीटीएम कैप्टन प्रमेश सिंह, डीआरओ चंद्र मोहन, जिला सांख्यिकी अधिकारी निर्मल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

धान की सरकारी खरीद शुरू, किसानों को मंडियों में कोई दिक्कत न आने दे: श्याम सिंह राणा

अनाज मंडी करनाल पहुंचे कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, बोले- मंडी गेट पर पहुंचकर ही कटेगा गेट पास

एजेंसी
करनाल। हरियाणा के कृषि, किसान एवं कल्याण, मत्स्य एवं डेयरी विभाग के मंत्री श्याम सिंह राणा ने देर रात अचानक करनाल अनाज मंडी पहुंचे और धान खरीद तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा धान की खरीद शुरू कर दी गई है। खरीद कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी और किसानों को मंडियों में कोई दिक्कत न आने दे।

मंत्री ने निरीक्षण के दौरान मंडी में पहुंचकर गेट पास व बायोमेट्रिक प्रक्रिया का भी जायजा लिया। इसके साथ ही मंडी में उपलब्ध करवाई जा रही मूलभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की और कहा कि व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और मंडियों में साफ-सफाई, सुलभ शौचालय, पीने के

पानी तथा बिजली का प्रबंध समुचित ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता किसानों की फसल की समय पर खरीद, उठान और भुगतान सुनिश्चित करना है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सभी खरीद एजेंसी आपसी तालमेल के साथ कार्य करें और निर्धारित मानकों के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीद सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी किया जाए। किसान अपनी फसल को अच्छी तरह सुखाकर ही मंडी में लेकर आएं, ताकि फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। उन्होंने आढ़तियों, व्यापारियों व किसानों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। कृषि मंत्री ने कहा कि पिछली बार की तरह किसी तरह का घोटाला न हो, इसके लिए इस बार व्यवस्था में बदलाव किया गया है। अब किसान के मंडी पहुंचने के बाद ही गेट पास काटा जाएगा। किसान घर बैठे गेट पास नहीं कटवा सकेगा। मंत्री ने अधिकारियों से मंडी में किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। उन्होंने किसानों को अपील की कि वे पराली जलाने की बजाए उसका समुचित प्रबंध करे और अपनी आमदनी बढ़ाए तथा सरकार की योजना का लाभ लें। उन्होंने कहा कि किसानों व मजदूरों के लिए मंडियों में अटल कैंटीन खोली गई है। इन कैंटीनों में सस्ती दर पर खाना मिलता है।

भर्ती के इंतजार में युवाओं की उम्र निकल रही, सरकार बताए युवाओं को रोजगार कब मिलेगा : सैलजा

एजेंसी
चंडीगढ़ । पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने हरियाणा में सरकारी भर्तियों की स्थिति को लेकर भाजपा सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश के लाखों पढ़े-लिखे युवा वर्षों से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन भर्ती में देरी, पदों के खाली रहने और भर्ती प्रक्रियाओं में बदलाव के कारण उनका इंतजार लंबा होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि अनेक युवाओं की पीड़ा यह है कि उच्च शिक्षा और पात्रता परीक्षाएं पास करने के बावजूद उन्हें परिवार चलाने के लिए मजदूरी, ड्राइविंग, दुकानदारी, ठेकेदारी और दूसरे छोटे-मोटे काम करने पड़ रहे हैं। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि समयबद्ध भर्ती सुनिश्चित करने के लिए उसकी ठोस कार्ययोजना क्या है। कुमारी सैलजा ने मीडिया में प्रकाशित आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 21 महीनों में क्लास-1 और क्लास-2 की 55 भर्तियों में 6,222 पदों के मुकाबले 4,317 पद ही भरे जाने और करीब 31 प्रतिशत पद खाली रहने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि यदि निर्धारित कटऑफ या भर्ती नियमों के कारण बड़ी संख्या में स्वीकृत पद खाली रह जाते हैं तो सरकार को नियमों और परीक्षा प्रणाली की समीक्षा करनी चाहिए, ताकि योग्यता और न्यूनतम मानकों से समझौता किए बिना पात्र युवाओं को उचित अवसर मिल सके। युवाओं की योग्यता पर सवाल खड़ा करने के बजाय यह देखना सरकार की जिम्मेदारी है कि उपलब्ध पद आखिर खाली क्यों रह जाते हैं। सांसद ने कहा कि जुलाई 2025 में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने 15 श्रेणियों में कुल 8,653 पदों की भर्ती प्रक्रिया वापस लेने की अधिसूचना जारी की थी, जिसमें 5,600 पुलिस कांस्टेबल पद भी शामिल थे।

स्वस्तिक इंफ्रा का शेयर आठ फीसदी से अधिक बढ़कर बाजार में सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

स्वस्तिक इंफ्रा लिमिटेड का शेयर अपने 185 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले आठ प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। शेयर ने बीएसई और एनएसई दोनों पर 200 रुपये के भाव पर शुरुआत की, जो निर्गम मूल्य से 8.10 प्रतिशत अधिक है। इसके बाद बीएसई पर शेयर 13.48 प्रतिशत उछलकर 209.95 रुपये पर पहुंच गया, जो दिन की 'अपर सर्किट' सीमा है। एनएसई पर शेयर 13.51 प्रतिशत चढ़कर 210 रुपये पर पहुंच गया, जो दिन की अधिकतम कारोबार सीमा है। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 716.35 करोड़ रुपये रहा। स्वस्तिक इंफ्रा के 161 करोड़ रुपये के आईपीओ को पिछले सप्ताह शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन 7.60 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 175-185 रुपये प्रति शेयर था।

एड्रोइट इंडस्ट्रीज के शेयर बाजार में 86.5 प्रतिशत उछलकर सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

एड्रोइट इंडस्ट्रीज के शेयर ने बुधवार को बाजार में मजबूत शुरुआत की और 134 रुपये के निर्गम मूल्य से 86.5 प्रतिशत उछलकर सूचीबद्ध हुआ।बीएसई पर शेयर 250 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 86.56 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर यह निर्गम मूल्य से 75.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 235 रुपये पर खुला। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,112.82 करोड़ रुपये रहा। एड्रोइट इंडस्ट्रीज के 151 करोड़ रुपये के आईपीओ को शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन 176.85 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 126-134 रुपये प्रति शेयर था।वर्ष 1966 में स्थापित एड्रोइट इंडस्ट्रीज प्रोपेलर शाफ्ट (ड्राइव शाफ्ट/कार्डन शाफ्ट) और 'टॉर्क ट्रांसमिशन' से जुड़े कलपुर्जों की एकीकृत विनिर्माता एवं आपूर्तिकर्ता है। कंपनी फोर्जिंग, प्रिसिजन मशीनिंग, हीट ट्रीटमेंट, असेंबली, बैलेंसिंग और परीक्षण का काम भी खुद करती है।

सरकार ने अधिसूचित किए नए सीएएफई-3 मानदंड

यात्री वाहनों में बढ़ेगी ईंधन दक्षता, 1 अप्रैल 2027 से लागू होंगे नए नियम

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने 1 अप्रैल 2027 से लागू होने वाले नए कॉर्पोरेट औसत ईंधन दक्षता (सीएएफई-3) मानदंडों को अधिसूचित किया है। इन नियमों का उद्देश्य यात्री वाहनों की ईंधन दक्षता में सुधार करना और कार्बन उत्सर्जन को कम करना है, जो 2032 तक कठोर लक्ष्य निर्धारित करेंगे। ये मानदंड हैचबैक, सेडान और एसयूवी सहित सभी यात्री कारों पर लागू होंगे। एक महत्वपूर्ण बदलाव के तहत, 909 किलोग्राम से कम वजन वाली पेट्रोल कारों के लिए प्रस्तावित रियायत हटा दी गई है। अब लक्ष्य रेखा को समतल किया गया है, जिससे हल्के वाहनों के लिए नरम और भारी वाहनों के लिए सख्त ईंधन दक्षता आवश्यकताएं होंगी। संदर्भ वजन को 1,082 किलोग्राम से बढ़ाकर 1,229 किलोग्राम किया गया है, जो बेड़े की बदलती विशेषताओं को दर्शाता है। यह ढांचा इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के लिए सुपर क्रेडिट की सुविधा देगा, जिससे निर्माताओं को स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। 2027-28 में 3.996 लीटर प्रति 100 किलोमीटर की ईंधन खपत को 2031-32 तक घटाकर 3.3273 लीटर प्रति 100 किलोमीटर करने का लक्ष्य है, जो 16.7 फीसदी सुधार दर्शाता है। नई क्रेडिट-डेबिट व्यवस्था भी निर्माताओं को लक्ष्यों को पूरा करने में लचीलापन प्रदान करेगी। ये मानदंड भारत की ऊर्जा सुरक्षा और टिकाऊपन के उद्देश्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आरमी इंफोटेक के शेयर की बाजार में कमजोर शुरुआत

नई दिल्ली (ईएमएस)। आर्मी इंफोटेक लिमिटेड के शेयर बुधवार को निराशाजनक शुरुआत के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुए। कंपनी का शेयर 375 रुपये के निर्गम मूल्य से करीब दो प्रतिशत की गिरावट के साथ खुला और कारोबार के अंत तक 16 प्रतिशत से अधिक टूट गया। बीएसई पर शेयर 368.85 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 1.64 प्रतिशत कम था। यह बाद में 15.76 प्रतिशत टूटकर 315.90 रुपये पर आ गया। वहीं, एनएसई पर शेयर 375 रुपये के निर्गम मूल्य पर सूचीबद्ध होने के बाद 16.29 प्रतिशत फिसलकर 313.80 रुपये पर बंद हुआ। इस गिरावट के बाद कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,002.71 करोड़ रुपये रहा। पिछले सप्ताह कंपनी के 300 करोड़ रुपये तक के आईपीओ को 2.44 गुना अभिदान मिला था। सरकारी विभागों और कॉर्पोरेट कंपनियों को विशेषकर आर्मी इंफोटेक कंप्यूटर, इंटरनेट और प्रौद्योगिकी से जुड़ी सेवाएं प्रदान करती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 48, निफ्टी 95 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 48.78 अंक की गिरावट के साथ ही 72,480.29 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.75 अंक टूटकर 22,620.45 पर बंद हुआ। बाजार में आज अच्छी शुरुआत रही थी पर अंत में गिरावट से बाजार टूट गया। आज टीसीएस के शेयर ऊपर आये जबकि मिडकैप इंडेक्स में आरवीएनएल और प्रेस्टीज एस्टेट्स के शेयरों में तेजी रही। वहीं सबसे अधिक नुकसान वाले शेयरों में हेल्थकेयर और फार्मास्युटिकल क्षेत्र के शेयर रहे। निफ्टी के तहत अपोलो हॉस्पिटल्स, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट और डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज आज के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे।

वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार दिखा। हेंगसेंग 0.53 फीसदी और शंघाई इंडेक्स 0.02 फीसदी गिरकर कारोबार करता नजर आया। वहीं निक्कई 1.20 फीसदी और कोस्पी 0.50 फीसदी की तेज के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अमेरिकी बाजार भी मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जोन्स 0.26 फीसदी, एसएंड पी 500 0.17 फीसदी और नैस्डेक 0.09 फीसदी नीचे रहा। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भी बाजार में गिरावट हावी रही। ब्रेंट क्रूड 1.14 फीसदी चढ़कर 103 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया।

विश्लेषकों का अनुमान है कि भारतीय इक्विटी बाजार अब कंसोलिडेशन के चरण में प्रवेश करेगा। यह छह महीने के निचले स्तर और लगातार आठवें साप्ताहिक नुकसान के बाद हो रहा है, जो 2020 के बाद की सबसे लंबी गिरावट का सिलसिला है। बाजार में विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली जारी है। यह बाजार की धारणा पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भी एक प्रमुख कारण हैं।

आरबीआई बढ़ा सकता है रेपो रेट, बैंक ऑफ अमेरिका का अनुमान

रेपो रेट में कुल 100 बेसिस पॉइंट तक की कर सकता है बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आने वाले महीनों में ब्याज दरें और बढ़ा सकता है। बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज की नई रिपोर्ट के मुताबिक आरबीआई 2027 की पहली छमाही तक रेपो रेट में कुल 100 बेसिस पॉइंट यानी 1 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर सकता है। ब्रोकरेज ने अपनी पिछली भविष्यवाणी में पहली बढ़ोतरी का अनुमान दिसंबर से आगे बढ़ाकर अक्टूबर कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक 7 अक्टूबर की मौद्रिक नीति बैठक में रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी की संभावना है। इसके बाद 75 बेसिस पॉइंट की और बढ़ोतरी हो सकती है। इस तरह रेपो रेट 6.25 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। बैंक आफ` अमे रिका ने पहले आरबीआई की ओर से कुल 50 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया था। अब ब्रोकरेज ने इसे दोगुना कर 100 बेसिस पॉइंट कर दिया है। हालांकि, यह एक ब्रोकरेज का अनुमान है और वास्तविक फैसला आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के निर्णय पर निर्भर करेगा।अगर आर्थिक वृद्धि करीब 7 फीसदी बनी रहती है और महंगाई 5.5 फीसदी के आसपास रहती है, तो ब्याज दरों में 100 बेसिस पॉइंट से भी ज्यादा बढ़ोतरी की संभावना पर चर्चा हो सकती है। ऐसी स्थिति में कुछ फ्रंट-एंड रेट 6.5 फीसदी से ऊपर जा सकते हैं।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता 20 अक्टूबर से होगा लागू

प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों, मसालों पर शुल्क होगा शून्य, ओशिनिया में मिलेगी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त

नई दिल्ली।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) आगामी 20 अक्टूबर से प्रभावी होगा। यह समझौता घरेलू कृषि उत्पाद और प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र को मजबूत करेगा। व्यापार संवर्धन निकाय टीपीसीआई ने बुधवार को यह जानकारी दी, जिससे भारतीय निर्यातकों में नई उम्मीद जगी है। टीपीसीआई के अनुसार, समझौते के लागू होते ही प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, मसाले, सीजनिंग, कन्फेक्शनरी, बेकरी उत्पाद, पैकेटबंद अनाज, सॉस, फलों के रस और प्रसंस्कृत सब्जियों पर लगने वाला शुल्क 5 प्रतिशत से घटकर तत्काल शून्य हो जाएगा। यह भारतीय कृषि-खाद्य उत्पादों को न्यूजीलैंड के बाजार में अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा। टीपीसीआई के एक अे धिकारी ने बताया कि सभी उत्पाद श्रेणियों में 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुंच सुनिश्चित होने से भारतीय निर्यातकों, विशेषकर खाद्य प्रसंस्करण और कपड़ा क्षेत्र को ओशिनिया (ऑस्ट्रेलिया और प्रशांत महासागर के द्वीपों का क्षेत्र) में अभूतपूर्व प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। परिषद सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों और कृषि-खाद्य कारोबारों को इन शुल्क रियायतों का लाभ उठाने, तकनीकी मानकों को पूरा करने और न्यूजीलैंड में खरीदारों से दीर्घकालिक संबंध बनाने में सहायता करेगी। सिंगला ने कहा कि शुल्क-मुक्त पहुंच भारत के मूल्यवर्धित कृषि उत्पादों के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र की आपूर्ति श्रृंखलाओं में शामिल होने की महत्वपूर्ण संभावनाएं खोलेगी।

अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए टीपीसीआई निर्यातक जागरूकता सत्र और लक्षित खरीदार-विक्रेता बैठकें आयोजित करेगा।

टैक्स बचाने के लिए बिना बिल सोना खरीद रहे लोग, क्या है खतरा?

- बढ़ती कीमत और जीएसटी के बोझ से बचने ग्राहकों ने एक नया रास्ता चुना

नई दिल्ली ।

सोने की कीमतों में हालिया गिरावट के बावजूद पीली धातु अभी भी एक साल पहले के मुकाबले करीब 28 फीसदी अधिक महंगी है। इस बढ़ती कीमत और 3 फीसदी जीएसटी के बोझ से बचने के लिए ग्राहकों ने एक नया रास्ता अख्तियार किया है। कई ग्राहक बिना बिल के कैश में सोना खरीद रहे हैं, जहां उन्हें बाजार भाव से 6 फीसदी तक का आकर्षक डिस्काउंट मिल रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बड़ी मात्रा में सोना खरीदने पर अनौपचारिक कैश डील में ग्राहकों को बाजार भाव से लगभग 6 फीसदी तक की छूट मिल रही है, जो प्रति 10 ग्राम सोने पर 10,000 रुपए तक हो सकती है। कारोबार से जुड़े डीलरों के अनुसार टैक्स और अन्य लागत में होने वाली बचत का कुछ हिस्सा वे ग्राहक को डिस्काउंट के रूप में देते हैं। एक 55 वर्षीय महिला ने बताया कि बेटी की शादी के लिए ज्वेलरी खरीदते समय उन्हें प्रति 10 ग्राम सोने पर करीब 5,000 रुपए की छूट मिली, हालांकि इस सौदे में उन्हें कोई रसीद नहीं दी गई।

भारत में खुदरा ग्राहकों को सोने की खरीद पर 3 फीसदी जीएसटी और आयात शुल्क देना होता है, जिससे आधिकारिक चैनल से मिलने वाले सोने की कीमत बढ़ जाती है। इसी अतिरिक्त लागत से बचने के लिए कुछ खरीदार कैश और बिना बिल वाली खरीदारी की ओर रुख कर रहे हैं। बाजार से जुड़े लोग दावा करते हैं कि अनौपचारिक कैश

मार्केट में सोना घरेलू बाजार की कीमत से करीब 200 डॉलर प्रति औंस तक कम मिल सकता है, हालांकि यह छूट ग्राहक और डीलर के बीच बातचीत पर निर्भर करती है।

भारत दुनिया के सबसे बड़े सोना उपभोक्ताओं में से एक है, जहां शादियों, त्योहारों और पारिवारिक बचत के लिए सोने की मांग काफी मजबूत रहती है। हालांकि, कम कीमत के लालच में बिना बिल सोना खरीदना जोखिम भरा हो सकता है। बिना रसीद के खरीदारी होने पर सोने की शुद्धता, स्वामित्व, दोबारा बिक्री और टैक्स से जुड़े मामलों में कोई औपचारिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं रहता। ऐसे में शुरुआती डिस्काउंट के साथ-साथ ऐसी खरीदारी के संभावित जोखिमों को भी ध्यान में रखना ग्राहकों के लिए बेहद जरूरी है।

रिटायरमेंट प्लानिंग में इक्विटी से कब और कैसे करें डी-रिस्किंग?

रिटायरमेंट से 5 से 10 साल पहले शुरू करें इक्विटी घटाना

नई दिल्ली ।

रिटायरमेंट की तैयारी केवल एक बड़ा फंड बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि जमा पूंजी को बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाने की रणनीति बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। एक्सपर्ट्स इस बात पर सहमत हैं कि रिटायरमेंट से पहले इक्विटी निवेश को धीरे-धीरे कम जोखिम वाले विकल्पों की ओर मोड़ना एक बेहतर रणनीति है। विशेषज्ञों के मुताबिक रिटायरमेंट के दिन अचानक इक्विटी से सारा पैसा निकालने के बजाय, पोर्टफोलियो को चरणबद्ध तरीके से डी-रिस्क करना चाहिए।` विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि रिटायरमेंट से करीब 7 से 10 साल पहले इक्विटी से जोखिम कम करने की प्रक्रिया शुरू कर देनी चाहिए। इससे निवेशक को एक साथ बड़ा बदलाव करने की जरूरत नहीं पड़ती। हालांकि, वह 100 माइनस एज जैसे नियमों को केवल शुरुआती संकेत मानते हैं, कोई तय फॉर्मूला नहीं। वहीं व्यावहारिक तौर पर रिटायरमेंट से लगभग 5 साल पहले इक्विटी एक्सपोजर कम करना शुरू किया जा सकता है। इस दौरान निवेश का फोकस पैसा बढ़ाने से बदलकर पूंजी को सुरक्षित रखने और नियमित आय सुनिश्चित करने पर केंद्रित हो जाता है। हालांकि, यह 5 साल का नियम भी हर निवेशक के लिए समान नहीं है और यह रिटायरमेंट कॉर्पस, आय आवश्यकताओं, जोखिम सहनशीलता और अन्य वित्तीय परिस्थितियों के आधार पर भिन्न हो सकता है। रिटायरमेंट के बाद इक्विटी में कितना निवेश रखना चाहिए, इस पर भी अलग-अलग राय है। ` विशेषज्ञों के अनुसार रिटायरमेंट के बाद निवेशक अपने कुल फंड का 30-40 फीसदी इक्विटी और 60-70 फीसदी डेट व फिक्स्ड इनकम में रख सकते हैं। एक अन्य` विशेषज्ञ की सलाह है कि 52 साल की उम्र तक इक्विटी की हिस्सेदारी घटाकर करीब 50 फीसदी और रिटायरमेंट तक इसे 20-25 फीसदी (मुख्य रूप से लार्ज कैप फंड में) किया जा सकता है।

चीन में विनिर्माण गतिविधियां बढ़ीं, अर्थव्यवस्था को मिला सहारा

हांगकांग।

चीन की विनिर्माण गतिविधियां सितंबर में तीन महीने के बाद विस्तार के दौर में लौट आई हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अगस्त के 49.8 से बढ़कर सितंबर में 50.1 हो गया, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत है। पीएमआई का यह स्तर अर्थशास्त्रियों के अनुमानों के अनुरूप रहा।

50 से ऊपर का स्तर विस्तार और 50 से नीचे का स्तर संकुचन दर्शाता है। उत्पादन संबंधी उप-सूचकांक बढ़कर 51.7 हो गया, जो मजबूत वृद्धि का संकेत है। हालांकि, नए ऑर्डर और नए निर्यात ऑर्डर के उप-सूचकांक क्रमशः 50.5 और 50.0 पर लगभग स्थिर रहे। यह सुधार ऐसे समय में आया है जब चीन अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए संघर्ष कर रहा है, जिसे कमजोर घरेलू मांग और संपत्ति क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कृत्रिम मेधा (एआई) के कारण उच्च-प्रौद्योगिकी निर्यात में तेजी ने भी विनिर्माण क्षेत्र को बल दिया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, विनिर्माण की मजबूती बाहरी मांग पर अधिक निर्भर है।

एआई से बने विज्ञापनों पर एएससीआई सख्त, अब लेबल लगाना जरूरी

- उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए पारदर्शिता पर जोर

नई दिल्ली।

ब्रांड्स द्वारा विज्ञापनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते उपयोग को देखते हुए, एडवरटाइजिंग स्टैंडर्ड्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई) ने उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनका लक्ष्य ग्राहकों को भ्रमित होने से बचाना और विज्ञापनों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। ये नए नियम जारी होने की तारीख से तीन महीने बाद लागू होंगे। एएससीआई के अनुसार सिंथेटिक कंटेंट (एसजीसी) तब भ्रामक या नुकसानदेह हो सकता है, जब यह झूठी उम्मीदें जगाए, कमजोर वर्गों का अनुचित फायदा उठाए, या गलत और भ्रामक जानकारी पेश करे। परिषद ने कुछ विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है, जिनमें गैर-कानूनी सामग्री, अधिकारों का उल्लंघन, भ्रामक दावे, सिंथेटिक फोटो-वीडियो के जरिए उत्पादों के परिणामों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना, नकली जगहों को असली बताना और बिना अनुमति के डीपफेक का इस्तेमाल शामिल है।

एएससीआई की एक अे धिकारी ने स्पष्ट किया है कि केवल एआई का लेबल लगा देने से कोई भ्रामक विज्ञापन सही नहीं हो जाता, और विज्ञापनदाता की जिम्मेदारी होगी कि जानकारी सही और साफ हो।

नए दिशानिर्देशों के तहत, एआई या सिंथेटिक कंटेंट के इस्तेमाल पर लेबल लगाना अनिवार्य होगा जब यह ग्राहकों के निर्णयों को सीधे प्रभावित करे, वर्चुअल इन्फ्लुएंसर्स या ब्रांड एंबेसडर का उपयोग हो, या काल्पनिक घटनाओं व माहौल को दर्शाया जाए जो उत्पाद या सेवा की ग्राहक समझ को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा, एआई द्वारा दिए जाने वाले पेड या स्पॉन्सर्ड सुझावों पर भी साफ लेबलिंग आवश्यक होगी।

हालांकि, सामान्य एडिटिंग (जैसे कलर करेक्शन), सजावटी/फंतासी आधारित बैकग्राउंड या प्रशासनिक कार्यों (जैसे विज्ञापन टेक्स्ट लिखना) के लिए लेबलिंग की आवश्यकता नहीं होगी।

सरकारी कोशिशें बेअसर, खुदरा बाजार में प्याज 60 के पार

- बफर स्टॉक से बिक्री और कांदा एक्सप्रेस भी बेअसर

नई दिल्ली । केंद्र सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद खुदरा बाजार में प्याज की कीमतें 60 रुपये प्रति किलोग्राम से ऊपर बनी हुई हैं, जिससे आम जनता को राहत नहीं मिल पा रही है। सरकार ने बफर स्टॉक से 35 रुपये प्रति किलो की रियायती दर पर प्याज बाजार में उतारा और कांदा एक्सप्रेस भी चलाई, लेकिन मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे बड़े शहरों में दाम अभी भी ऊंचे बने हुए हैं। केंद्र सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद खुदरा बाजार में प्याज की कीमतें 60 रुपये प्रति किलोग्राम से ऊपर बनी हुई हैं, जिससे आम जनता को राहत नहीं मिल पा रही है। सरकार ने बफर स्टॉक से 35 रुपये प्रति किलो की रियायती दर पर प्याज बाजार में उतारा और देश में इसकी सप्लाई बेहतर करने के लिए 'कांदा एक्सप्रेस' भी शुरू की। हालांकि, उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक, देश में प्याज की औसत खुदरा कीमत 54 रुपये प्रति किलोग्राम है, लेकिन मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे बड़े शहरों में यह 60 रुपये प्रति किलो या उससे भी अधिक पर बिक रहा है। देश की सबसे बड़ी थोक प्याज मंडी लासलगांव में पिछले एक महीने में अच्छी गुणवत्ता वाले प्याज के दाम करीब 23 प्रतिशत बढ़कर 5,160 रुपये प्रति क्विंटल पहुंच गए हैं। इस मूल्यवृद्धि का मुख्य कारण महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में असमय हुई भारी बारिश से फसल को हुआ भारी नुकसान है, जिससे दूसरी फसल की आवक में देरी हुई है। प्याज कारोबारियों का अनुमान है कि नई फसल की आवक अक्टूबर के आखिरी हफ्ते या नवंबर की शुरुआत में शुरू हो सकती है। मंडियों में प्याज की सप्लाई बढ़ने के साथ ही कीमतों में गिरावट आने की उम्मीद है, तब तक उपभोक्ताओं को महंगे प्याज से जूझना पड़ सकता है।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट का शिवा सीमेंट में विलय, एकीकृत मंच बनाने का लक्ष्य

बोर्ड ने दी मंजूरी; परिचालन, वित्तीय एवं प्रबंधन स्तर पर तालमेल से दक्षता बढ़ाने पर जोर

-नई दिल्ली ।

सज्जन जिंदल के नेतृत्व वाले जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनी जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड अपनी सूचीबद्ध अनुषंगी शिवा सीमेंट में विलय करने जा रही है। मंगलवार देर रात कंपनी ने शेयर बाजार को सूचित किया कि उसके निदेशक मंडल ने इस व्यवस्था योजना को मंजूरी दे दी है। इस कदम का उद्देश्य एक एकीकृत सीमेंट मंच तैयार करना और परिचालन, वित्तीय तथा प्रबंधन स्तर पर व्यापक तालमेल का लाभ उठाना है। जेएसडब्ल्यू सीमेंट के निदेशक मंडल ने शिवा सीमेंट के जेएसडब्ल्यू सीमेंट में विलय को स्वीकृति प्रदान की है। इस योजना के तहत शिवा सीमेंट के शेयरधारकों को उनके प्रत्येक 41 रुपये अंकित मूल्य के दो रुपये वाले शेयर के बदले जेएसडब्ल्यू सीमेंट के 10 रुपये अंकित मूल्य वाले पांच शेयर जारी किए जाएंगे। यह विलय विभिन्न नियामक प्राधिकरणों, जैसे सेबी, एनसीएलटी, शेयर बाजारों और संबंधित सरकारी निकायों की अनिवार्य मंजूरियों पर निर्भर करेगा। कंपनी को उम्मीद है कि आवश्यक मंजूरियां समय पर मिलने की स्थिति में यह लेनदेन अगले 12-14 महीनों में पूरा हो जाएगा। जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने बताया कि विलय से वित्तीय, प्रबंधकीय, तकनीकी, वितरण और विपणन संसाधनों का एकीकरण होगा, जिससे समग्र परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे शिवा सीमेंट की 'क्लिंकर' इकाई के माध्यम से पिछड़े एकीकरण को बढ़ावा मिलेगा, जिससे बाहरी खरीद पर निर्भरता कम होगी। 'क्लिंकर' सीमेंट बनाने का एक प्रमुख मध्यवर्ती पदार्थ है। वित्तीय स्तर पर, कंपनी को बेहतर वित्तपोषण सुविधा, कम वित्तपोषण लागत और अंतर-कंपनी गारंटी खत्म होने से लाभ मिलेगा। साथ ही, प्रशासनिक कार्यों की दोहराव और अनुपालन संबंधी जरूरतें भी कम होंगी। जेएसडब्ल्यू सीमेंट के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि यह विलय अधिक एकीकृत और कुशल व्यवसाय बनाने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। इससे परिचालन और वित्तीय तालमेल बढ़ेगा, तथा शिवा सीमेंट के सार्वजनिक शेयरधारकों को एक बड़ी सूचीबद्ध कंपनी की वृद्धि में सीधे भाग लेने का अवसर मिलेगा।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए फ्रैंकलिन टेम्पलटन का नया निवेश विकल्प

सेबी के पास ड्राफ्ट जमा, इक्विटी-डेट का 40-60 फीसदी मिश्रण, सिप 500 रुपये से शुरू

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए फ्रैंकलिन टेम्पलटन एक नया निवेश विकल्प लाने जा रहा है। कंपनी ने फ्रैंकलिन इंडिया बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट दस्तावेज जमा किए हैं, जिसका उद्देश्य शेयर और डेट के संतुलित मिश्रण से आकर्षक रिटर्न देना है। यह एक ओपन एंडेड बैलेंस्ड हाइब्रिड स्कीम होगी, जो अपनी कुल संपत्ति का 40 से 60 प्रतिशत हिस्सा इक्विटी और संबंधित विकल्पों में निवेश करेगी। वहीं, शेष 40 से 60 प्रतिशत निवेश डेट, मनी मार्केट और नकदी में किया जा सकेगा। इस स्कीम की ख़ासियत यह है कि किसी भी समय इक्विटी और डेट दोनों की हिस्सेदारी कम से कम 40 प्रतिशत बनी रहेगी, जिससे निवेशकों को संतुलन और स्थिरता मिलेगी। इस फंड में एकमुश्त निवेश 5,000 रुपये से और सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (सिप) 500 रुपये से शुरू किया जा सकेगा। एनएफओ के दौरान यूनिट की कीमत 10 रुपये होगी और फिलहाल कोई एग्जिट लोड नहीं रखा गया है। यह फंड अपनी कुल संपत्ति का 20 प्रतिशत तक विदेशी सिक्योरिटीज में भी निवेश कर सकेगा, जिससे निवेशकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विविधता का लाभ मिलेगा।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी मिलावटखोरी रोकने की व्यवस्था

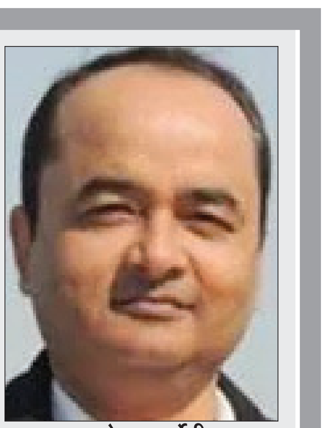

उमेश चतुर्वेदी

महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। इससे शायद ही किसी को इनकार हो कि शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है।

विडंबना ही कहेंगे कि जिस मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारी कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है। लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे की कार्रवाई है। मुंढे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। उन्होंने खाद्य कानूनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। महाराष्ट्र एफडीए की टीमों ने शुरूआती 100 दिनों में ही 904 से ज्यादा छापे मारकर 450 से अधिक मिलावटखोरों को गिरफ्तार किया और करोड़ों के मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र में डिटर्जेंट और रसायनों से बने नकली दूध और ताड़ के तेल से बनने वाले 'एनालॉग पनीर' का रैकेट ध्वस्त हो गया है। नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं।

महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। इससे शायद ही किसी को इनकार हो कि शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार है कि वे मिलावटखोरी रोकें। त्योहारी सीजन में ये संस्थाएं कार्रवाइयां करती भी हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 से हर साल करीब एक लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर करीब आठ हजार

से ज्यादा खाद्य व्यावसायिक लाइसेंस रद्द भी किए गए हैं। लेकिन देश में इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया जा सका है। रोक ना लग पाने के पीछे मोटे तौर पर तीन कारण नजर आते हैं। पहला है, मुनाफाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति, दूसरा नैतिकता का क्षरण और तीसरा कारण निश्चित तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार है।

विनोबा भावे ने करीब आठ दशक पहले लिखे अपने निबंध 'नवयुवकों से दो बातें' में कहा है कि देश में सुराख ही सुराख हैं। उन्होंने राष्ट्ररूपी घड़े में बने इन सुराखों को सदाचार से भरने की अपील की है। कुछ उसी तरह व्यवस्था में अब भी सुराख हैं। हमारे तंत्र के बड़े हिस्से से सदाचार और कर्तव्यपराणयता गायब है। वह राष्ट्र निर्माण के भाव से दूर है। इस वजह से वक्त पर कार्रवाई नहीं होती। कई बार तंत्र को जानकारी होती है कि फलां कारोबारी आटे में पत्थर का सफेद बुरादा मिला रहा है, चावलों में प्लास्टिक के दाने फेंट रहा है, दवाओं के सैंपल में गड़बड़ी कर रहा है, नकली मावे की मिठाई बेच रहा है, जाली शराब बिक रही है। वक्त पर इन गड़बड़ियों की जानकारी होने के बावजूद मुनाफाखोर से मिलने वाली चंद रकम के एवज में वह चुप रह जाता है। भले ही नकली दूध पीने से नागरिक बीमार हो रहा हो या नकली शराब से निर्दोष जान जा रही हो। नैतिकता का क्षरण भी मिलावटखोरी के लिए जिम्मेदार है। नैतिकता की कमी मुनाफाखोर कारोबारी और उत्पादक के साथ तंत्र में भी पैठी हुई है।

सत्ता संभालते वक्त प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र को चेताया था कि सब चलता है-वाली मानसिकता की अब गुंजाइश नहीं रही। शुरू में इससे ग्रस्त लोगों में भय दिखा, लेकिन अब तंत्र का बड़ा हिस्सा उसी पुराने ढर्रे पर चलता दिखता है, इसलिए मुनाफाखोरों और मिलावटखोरों का डर कम हो चला है। स्वास्थ्य संविधान के समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए इस मामले में केंद्र के साथ राज्य सरकारों को भी कार्रवाई का अधिकार है। ऐसे में तंत्र को प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को जीरो टालरेंस की नीति अख्तियार करना जरूरी लगता है। तभी मुनाफाखोर, मिलावटखोर और लापरवाह प्रशासनिक तंत्र के पेंच कसे जा सकते हैं।

पड़ोसी देश चीन का मिलावटखोरी रोकने वाला 'फूड सेफ्टी लॉ' दुनिया के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। जिसके तहत जानबूझकर खाद्य पदार्थों में खतरनाक मिलावट करने वालों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। चीन में साल 2008 में दूध में मेलामाइन रसायन मिलाने के चर्चित मामले के दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली मिलावटखोरों को इस कानून के तहत आजीवन कारावास के साथ ही भारी आर्थिक जुमार्ने का भी प्रावधान है। चीन में खाद्य नियमों का उल्लंघन करने, घटिया या मानकरहित उत्पाद बेचने और सबूत नष्ट करने वाली कंपनियों और कारोबारियों पर वहां भारी-भरकम जुमार्ना लगाया जाता है। साथ ही व्यवसाय का लाइसेंस रद्द भी किया जाता है।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खाद्य सुरक्षा और मिलावटखोरी पर रोक के लिए कड़े कानून हैं। फूड स्टैंडर्ड्स ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड की जवाबदेही है कि वह दोनों देशों के खाद्य मानक तैयार करे। खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने और मिलावटखोरी रोकने के लिए राज्यों के साथ ही स्थानीय निकायों की भी जवाबदेही है। दोनों देशों में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने, असुरक्षित या मिलावटी भोजन बेचने वाली कंपनियों और निगमों पर भारी जुमार्ने का प्रावधान है। यहां जानबूझकर सार्वजनिक नुकसान या डर फैलाने के इरादे से खाद्य पदार्थों में मिलावट को गंभीर अपराध माना जाता है। ऐसे मामलों में 25 साल तक की जेल हो सकती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून है, जिसे लागू करने की जवाबदेही फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफडीए की है। अमेरिका में मिलावटखोरी पर लगाम के लिए संघीय फूड, ड्रग और कॉस्मेटिक एक्ट है, जो यहां का मुख्य और सबसे बड़ा कानून है। इस कानून के तहत ऐसे खाद्य पदार्थों, दवा या सौंदर्य प्रसाधन को 'मिलावटी' माना जाता है, जो तय मानकों को पूरा नहीं करते या जिसमें हानिकारक पदार्थ मिलाया गया हो। इस कानून के तहत गलत और भ्रामक लेबलिंग पर भी रोक का प्रावधान है। अमेरिका में एक और फूड सेफ्टी मॉडर्नइजेशन एक्ट है, जिसका मकसद मिलावट और संक्रमण को निरोधात्मक कार्रवाई करना है। इन कानूनों के तहत अमेरिका में मिलावटी या दूषित खाद्य पदार्थ और दवाएं बेचना गंभीर अपराध है। इनका उल्लंघन करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों पर भारी जुमार्ने, जेल की सजा और उत्पादों को तुरंत नष्ट करने या जब्त करने की व्यवस्था है। अमेरिका की तरह ब्रिटेन में भी खाद्य पदार्थों में मिलावट और धोखाधड़ी रोकने के लिए सख्त कानूनी व्यवस्था है। यहां के फूड सेफ्टी एक्ट के तहत स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भोजन बेचना या तैयार करना गंभीर अपराध है। खाद्य मानकों और मिलावट पर नजर रखने के लिए यहां फूड स्टैंडर्ड एजेंसी है। कुछ इसी अंदाज में हमारे यहां भी कठोर कानून और नियमन की जरूरत है। तभी मिलावटखोरी को रोका जा सकता है और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित माहौल मुहैया कराया जा सकता है।

संपादकीय

महिला सुरक्षा का संकट

यह हमारे लोकतंत्र की विडंबना है कि कार्यपालिका की लचर कार्यशैली के चलते गाहे-बगाहे न्यायालय को उन मामलों में हस्तक्षेप करना पड़ता है, जिनका दायित्व निभाना सरकारों का काम है। वैसे कहने को तो पूरे देश में महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा के लिये तमाम कायदे-कानून बनाए गए हैं। लेकिन जब इन कानूनों व योजनाओं को हकीकत में अमलीजामा पहनाने की बात सामने आती है तो जवाबदेही का अंतर साफ नजर आता है। हाल के दिनों में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में महिलाओं के साथ हुए दुष्कर्म के मामलों पर स्वतः संज्ञान लेकर शीर्ष अदालत ने इस कड़वी हकीकत को उजागर कर दिया। इन मामलों में शीर्ष अदालत ने सिर्फ यही नहीं पूछा कि ये संगीन अपराध क्यों हुए, बल्कि यह भी जानना चाहा कि इन अपराधों को रोकने के लिये बनाया गया सिस्टम क्या हकीकत में कुछ काम करता है? कोर्ट का सवाल था कि क्या वास्तव में आपातकाल में मदद करने वाली हेल्पलाइन तुरंत जवाब देती है? क्या सीसीटीवी कैमरे पूरी मुस्तैदी के साथ काम कर रहे हैं? क्या महिलाओं के लिये असुरक्षित समझी जाने वाली जगहों को पहचान करके वहां पेट्रोलिंग की जाती है? क्या महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिये बने डेटाबेस, महिलाओं के लिये हेल्प डेस्क और जांच करने में मददगार ट्रैकिंग सिस्टम का कारगर तरीके से प्रयोग हो रहा है? शीर्ष अदालत का यह सवाल तार्किक है कि जब ये सिस्टम फेल हो जाता है तो विफलता के लिये किसी की जवाबदेही तय की जाती है? निस्संदेह, अदालत ने तंत्र की दुखती रग पर हाथ रखा है। सही मायने में ये सवाल हर किसी को परेशान करने वाले हैं। यह हकीकत है कि देश में नये-नये सुरक्षा कार्यक्रमों की घोषणा करने, पोर्टल, हेल्पलाइन और कमेटियां बनाने में तो कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी समस्या के निस्तारण के लिये कोई सिस्टम या मैकेनिज्म बना देना ही कर्तव्यों की इतिश्री मान लिया जाए?

उल्लेखनीय है कि अक्सर आम लोगों द्वारा शिकायत की जाती रही है कि सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील सड़कों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होती, सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह से काम नहीं कर रहे होते हैं। वहीं दूसरी ओर इस बाबत की गई शिकायतें अक्सर फाइलों में उलझकर रह जाती हैं। कहने को ऐसे अपराधों को रोकने वाला सिस्टम फाइलों में तो दर्ज होता है, लेकिन जब वास्तव में किसी व्यक्ति को इसकी जरूरत होती है, तो यह हमेशा की तरह नदारद मिलता है। ऐसे में देश की शीर्ष अदालत द्वारा सुरक्षा उपायों के ऑडिट, व्यवस्था की कमजोरियों की पहचान, किसी घटना के होने पर प्रतिक्रिया देने के समय और कार्यक्षमता के मूल्यांकन पर जोर देना, एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जायेगा। सही मायने में ऐसे मामलों में सिर्फ पुलिस को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।

चिंतन-मनन

कृष्ण हैं परम पुरुष

जीव तथा भगवान की स्वाभाविक स्थिति के विषय में अनेक दार्शनिक ऊहापोह में रहते हैं। जो भगवान कृष्ण को परम पुरुष के रूप में जानता है, वह सारी वस्तुओं का ज्ञाता है। अपूर्ण ज्ञाता परम सत्य के विषय में केवल चिन्तन करता जाता है, जबकि पूर्ण ज्ञाता समय का अपव्यय किये बिना सीधे कृष्णभावनामृत में लग जाता है, अर्थात भगवान की भक्ति करने लगता है। सम्पूर्ण भगवद्गीता में पग-पग पर इस तथ्य पर बल दिया गया है। फिर भी भगवद्गीता के ऐसे अनेक कट्टर भाष्यकार हैं, जो परमेर तथा जीव को एक ही मानते हैं। वैदिक ज्ञान श्रुति कहलाता है, जिसका अर्थ है श्रवण करके सीखना। वास्तव में वैदिक सूचना कृष्ण तथा उनके प्रतिनिधियों जैसे अधिकारियों से ग्रहण करनी चाहिए। यहां कृष्ण ने हर वस्तु का अंतर सुन्दर ढंग से बताया है, अतएव इसी स्रोत से सुनना चाहिए। लेकिन केवल सुनना पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को चाहिए कि अधिकारियों से समझे। ऐसा नहीं कि केवल शुष्क चिन्तन ही करता रहे। मनुष्य को विनीत भाव से भगवद्गीता से सुनना चाहिए कि सारे जीव सदैव भगवान के अधीन हैं। जो भी इसे समझ लेता है, वही श्रीकृष्ण के कथनानुसार वेदों के प्रयोजन को समझता है, अन्य कोई नहीं समझता।

भजति शब्द अत्यन्त सार्थक है। कई स्थानों पर भजति का संबंध भगवान की सेवा के अर्थ में व्यक्त हुआ है यदि कोई व्यक्ति पूर्ण कृष्णभावनामृत में रत है, अर्थात भगवान की भक्ति करता है, तो यह समझना चाहिए कि उसने सारा वैदिक ज्ञान समझ लिया है। वैष्णव परंपरा में कहा जाता है कि यदि कोई कृष्ण-भक्ति में लगा रहता है, तो उसे भगवान को जानने के लिए किसी अन्य आध्यात्मिक विधि की आवश्यकता नहीं रहती। वह ज्ञान की समस्त प्रारंभिक विधियों को पार कर चुका होता है। लेकिन यदि कोई लाखों जन्मों तक चिन्तन करने पर भी इस लक्ष्य पर नहीं पहुंच पाता कि श्रीकृष्ण ही भगवान हैं और उनकी ही शरण ग्रहण करनी चाहिए, तो उसका अनेक जन्मों का चिन्तन व्यर्थ जाता है।

विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध का भारत पर प्रभाव

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से रसातल में जाती हुई दिखाई दे रही हैं। विभिन्न देशों (रूस-यूक्रेन, इजराईल-हम्मास, ईरान-अमेरिका एवं सऊदी अरब-हूथी) के बीच चल रहे युद्ध ने उन देशों के आर्थिक क्षेत्र को भी विपरीत रूप से प्रभावित करना प्रारम्भ कर दिया है, जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े हैं। इस श्रेणी के देशों में भारत का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आ रहा है। दरअसल, भारत अपनी कुल खपत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल अन्य देशों से आयात करता है। उक्त युद्ध प्रारम्भ होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं एवं यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर निकल गईं हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह स्थिति किसी भी कीमत पर उचित नहीं है, क्योंकि भारत को महंगी दरों पर कच्चे तेल का आयात करना पड़ रहा है और इससे महंगे कच्चे तेल के साथ साथ भारत में मुद्रा स्फीति भी आयातित हो रही है। साथ ही, भारत को महंगे कच्चे तेल के आयात का अमेरिकी डॉलर में भुगतान करना होता है, जिससे भारतीय रुपए की कीमत पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव बढ़ता जा रहा है एवं भारतीय रुपए का लगातार अवमूल्यन होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय रुपए के अवमूल्यन से भारत द्वारा आयात किए जाने वाले समस्त उत्पाद महंगे हो जाते हैं।

उक्त वर्णित युद्ध प्रारम्भ होने के पूर्व, भारतीय अर्थव्यवस्था (सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर) वैश्विक स्तर पर अमेरिका, चीन, जर्मनी के पश्चात चौथे स्थान पर पहुंच गई थी। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत में आए परिवर्तन के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर छठे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि सकल घरेलू उत्पाद उसी स्तर पर बना रहा है। इसका मुख्य कारण, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर का भारतीय रुपए की तुलना में लगातार मजबूत होते जाना है।

जैसे जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध और अधिक आक्रामक होता जा रहा है, वैसे वैसे अब यह सम्भावना बलवती होती जा रही है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं एवं अन्य खाद्य पदार्थों के दामों में भी भारी वृद्धि देखने में आ सकती है, क्योंकि यूक्रेन गेहूं का बड़ा उत्पादक देश है। यूक्रेन ने रूस के कच्चे तेल को संसाधित कर पेट्रोल एवं डीजल बनाने वाली उत्पादन इकाईयों को भी भारी नुक्सान पहुंचाया है। इससे रूस ने गैस एवं ईंधन की आपूर्ति को यूरोपीयन देशों को स्थगित कर दिया है। सर्दी के मौसम में यूरोपीयन देशों को गैस एवं ईंधन की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। परंतु, इस वर्ष यूरोपीयन देशों को सर्दी के मौसम में गैस एवं ईंधन की आपूर्ति प्रभावित होने वाली है इससे इन देशों के नागरिकों को सबसे अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध प्रारम्भ करके विश्व के कई देशों को भारी परेशानी में डाल दिया है। न केवल कच्चा तेल बल्कि फर्टिलाइजर, खाद्य पदार्थ, गैस, आदि की आपूर्ति प्रभावित हुई है। साथ ही, वित्तीय क्षेत्र में भी कई देशों को भारी कठिनाईयों के बीच में धकेल दिया है। यदि यह युद्ध कुछ समय और चलता है, जिसके कि आसार दिखाई दे रहे हैं, तो कई देशों के दिवालिया होने की सम्भावना बनती नजर आ रही है। अमेरिका में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यू एस फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 आधार बिंदुओं की बढ़ौतरी की है। अक्टोबर 2026 एवं दिसम्बर 2026 माह में भी पुनः 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें उच्च स्तर पर बनी रहने की प्रबल सम्भावना है एवं इसके चलते अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण मुश्किल है। ब्याज दरों में वृद्धि के चलते अमेरिका में यू एस बांड यील्ड में भी लगातार वृद्धि हो रही है एवं यह अपने लगभग उच्चतम स्तर 5.25 प्रतिशत तक पहुंच गई है। बांड यील्ड के उच्च स्तर पर पहुंचने के चलते अमेरिकी निवेशक तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं से अपना निवेश निकाल कर अमेरिकी बांड में निवेश कर रहे हैं क्योंकि अपेक्षाकृत यह सुरक्षित निवेश है एवं ब्याज दर भी अधिक मिल रही है। भारत जैसी तेजी से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह स्थिति ठीक नहीं है। भारत सहित अन्य विकासशील देशों से निकल रहे विदेशी निवेश से इन देशों की अपनी मुद्रा का अवमूल्यन हो रहा है, जिससे इन देशों में विभिन्न पदार्थों के आयात महंगे हो रहे हैं एवं इन देशों में मुद्रा स्फीति फैलने का खतरा उत्पन्न हो गया है। भारत सहित इन विकासशील देशों को भी मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करनी होगी। कुल मिलाकर अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध प्रारम्भ कर विश्व के कई देशों के लिए विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में समस्याएं खड़ी कर दी हैं।

भारत अभी तक तो अपनी आर्थिक सेहत को सम्हाले हुए है, क्योंकि भारत के पास 75,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है एवं भारत में आर्थिक गतिविधियों में रफ्तार के चलते प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में वसूली प्रभावी बनी हुई है। परंतु, युद्ध यदि और अधिक लंबे समय तक चलता है तो भारत में भी आर्थिक क्षेत्र में कुछ परेशनियां आ सकती हैं। बहुत सम्भव है कि भारतीय रिजर्व बैंक अपनी अक्टोबर 2026 माह में होने वाली बैठक में रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि करने को मजबूर हो। ब्याज दरों में वृद्धि का सीधा प्रभाव भारत के आर्थिक विकास की गति पर पड़े बिना नहीं रह सकेगा। भारत द्वारा आयात की जाने वाली विभिन्न वस्तुओं की कीमतें यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ रही हैं तो भारत को इन वस्तुओं को उच्च कीमतों पर खरीदने को मजबूर होना पड़ेगा। भारतीय शेयर बाजार भी विपरीत रूप से प्रभावित हो सकता है क्योंकि विदेशी संस्थागत निवेशक भी भारतीय पूंजी बाजार से अपने निवेश को निकाल कर अमेरिकी बांड में अपना निवेश बढ़ा रहे है। इससे भारतीय रुपए पर अतिरिक्त दबाव उत्पन्न होगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत और अधिक कम हो सकती है।

विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध के बीच, भारतीय नागरिकों को भी अपने कर्तव्य का निर्वहन करने हेतु आगे आना होगा। इस संदर्भ में केंद्र एवं समस्त राज्य सरकारें तो अपना कार्य पूरी ईमानदारी से सम्पन्न करने का प्रयास कर ही रही हैं, परंतु नागरिकों को भी स्वदेशी अपनाकर एवं विभिन्न उत्पादों का संयम के साथ उपयोग कर अन्य देशों से उत्पादों के आयात को कम करने के प्रयास करने होंगे। भारत में उत्पादित वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देना होगा एवं आयातित वस्तुओं के उपयोग को कम करना होगा ताकि विदेशी मुद्रा को बचाया जा सके। भारतीय नागरिकों द्वारा यदि भारत में उत्पादित वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है तो भारतीय विनिर्माण इकाईयों को विस्तार में जाना होगा एवं इससे भारत में ही रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। कुल मिलाकर अब अन्य देशों से आयातित वस्तुओं के उपयोग को समाप्त करना होगा, यदि समाप्त नहीं कर सकते हैं तो कम तो करना ही होगा।

हरित ऊर्जा की नई राह पर भारत

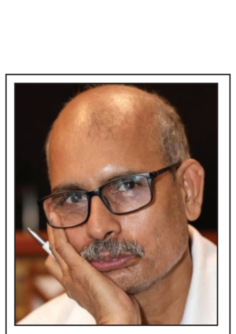

विनोद सिंह 'तकियावाला'

ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III से 135 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा के संचरण को मिलेगी गति, 50 जी डब्लु एच बैटरी भंडारण से मजबूत होगा देश का बिजली ग्रिड...

भारत की ऊर्जा यात्रा अब केवल बिजली उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि देश ऐसी ऊर्जा व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है जिसमें स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन, उसका भंडारण और देश के विभिन्न हिस्सों तक निर्बाध संचरण एक साथ मजबूत हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III योजना को मंजूरी इसी व्यापक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह योजना राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के भीतर इंट्रा-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम को मजबूत करने के साथ 135 गीगावॉट तक नवीकरणीय ऊर्जा को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने की क्षमता विकसित करेगी।भारत में सौर और पवन ऊर्जा की संभावनाएँ लगातार बढ़ रही हैं।देश के अनेक राज्यों में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएँ स्थापित हो रही हैं, लेकिन इस ऊर्जा का वास्तविक लाभ तभी संभव है जब इसे मजबूत ट्रांसमिशन नेटवर्क के माध्यम से उन क्षेत्रों तक पहुँचाया जा सके जहाँ इसकी आवश्यकता है। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III इसी चुनौती का समाधान प्रस्तुत करता है। राज्यों के भीतर ट्रांसमिशन व्यवस्था को सुदृढ़ करने से नवीकरणीय ऊर्जा के ग्रिड एकीकरण और पावर इवैक्यूएशन को गति मिलेगी तथा स्वच्छ ऊर्जा को बिजली की मुख्यधारा में अधिक प्रभावी ढंग से शामिल किया जा सकेगा।

इस योजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में 50 गीगावॉट-घंटे की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम क्षमता का प्रावधान है। नवीकरणीय ऊर्जा की सबसे बड़ी चुनौती उसकी प्रकृति से जुड़ी है। सूर्य की रोशनी हर समय उपलब्ध नहीं होती और हवा की गति भी समान नहीं रहती। ऐसे में सौर और पवन ऊर्जा के उत्पादन में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है। बैटरी आधारित ऊर्जा भंडारण इस चुनौती का महत्वपूर्ण समाधान बन सकता है।जब नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन अधिक होगा, तब अतिरिक्त बिजली को संग्रहित किया जा सकेगा और आवश्यकता के समय उसका उपयोग किया जा सकेगा। इससे ग्रिड में लचीलापन आएगा और बिजली की आपूर्ति को अधिक स्थिर बनाने में मदद मिलेगी।

बीईएसएस की 50 जी डब्लू एच क्षमता केवल ऊर्जा भंडारण का आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह भारत की बदलती ऊर्जा व्यवस्था में एक नए युग की शुरूआत का संकेत भी है। पीक आवर में बिजली की बढ़ती मांग, ग्रिड में संभावित कंजेशन और नवीकरणीय ऊर्जा की अनियमित उपलब्धता जैसी चुनौतियों से निपटने में यह व्यवस्था उपयोगी होगी। विशेष रूप से उस समय जब सौर ऊर्जा उपलब्ध नहीं होती, संग्रहीत ऊर्जा मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III को वित्तीय वर्ष 2032-33 तक स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी कुल परियोजना लागत 1,86,405 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसमें 1,36,378 करोड़ रुपये इंट्रा-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम के विकास के लिए और लगभग 50,000 करोड़ रुपये 50 GWh बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए निर्धारित हैं। योजना के अंतर्गत कुल 54,082 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता का प्रावधान है। यह सहायता इंट्रा-स्टेट ट्रांसमिशन शुल्क को कम करने में मदद करेगी, जिसका सीधा संबंध बिजली की लागत से है। इसका अंतिम लाभ बिजली उपभोक्ताओं तक पहुँचने की संभावना है।इस योजना की कार्यान्वयन व्यवस्था भी महत्वपूर्ण है। इंट्रा-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम के अंतर्गत आने वाली ग्रीनफील्ड परियोजनाओं को टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से लागू किया जाएगा। वहीं ब्राउनफील्ड अपग्रेडेशन और नेटवर्क को मजबूत करने से जुड़े कार्य कॉस्ट प्लस बेसिस पर किए जाएंगे।राज्य ट्रांसमिशन यूटिलिटीज समग्र कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में भूमिका निभाएँगी,जबकि ट्रांसमिशन सर्विस प्रोवाइडर्स बिल्ड-ओन- ऑपरेट-मेनटेन मॉडल के तहत प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया में भाग लेंगे। इससे परियोजनाओं के निर्माण के साथ उनके दीर्घकालिक संचालन और रखरखाव की व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III का महत्व केवल बिजली क्षेत्र तक सीमित नहीं है। इसके प्रभाव ऊर्जा, विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र तक पहुँचेंगे। बड़े पैमाने पर ट्रांसमिशन नेटवर्क के निर्माण से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के निर्माण और उपयोग से घरेलू ऊर्जा भंडारण उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा।इसके साथ ही संचालन, रखरखाव और आधुनिक ग्रिड प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक कुशल रोजगार की संभावनाएँ बढ़ेंगी।यह योजना भारत के दीर्घकालिक ऊर्जा लक्ष्यों से भी जुड़ी हुई है। 2035 तक 900 गीगावॉट स्थापित गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। उसके साथ मजबूत ट्रांसमिशन नेटवर्क और पर्याप्त ऊर्जा भंडारण क्षमता भी आवश्यक होगी। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-क्क्क इन दोनों आवश्यकताओं को एक साथ संबोधित करता है। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।भारत आज एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है जहाँ ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय सुरक्षा को अलग- अलग नहीं देखा जा सकता। बढ़ती अर्थव्यवस्था, तेजी से बढ़ता औद्योगिक उत्पादन, शहरीकरण और डिजिटल अर्थव्यवस्था बिजली की मांग को लगातार बढ़ा रहे हैं। ऐसे में देश को ऐसी ऊर्जा व्यवस्था चाहिए जो पर्याप्त होने के साथ स्वच्छ, विश्वसनीय और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप हो। नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के साथ मजबूत ट्रांसमिशन और ऊर्जा भंडारण इसी दिशा में आधारभूत आवश्यकता बन चुके हैं। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III इसी बदलती आवश्यकता के अनुरूप भारत के ऊर्जा ढाँचे को नई दिशा देता दिखाई देता है। 135 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा के संचरण की क्षमता, 50 जी डब्लु एच ऊर्जा भंडारण और 1,86,405 करोड़ रुपये का कुल निवेश देश की ऊर्जा संरचना के व्यापक विस्तार का संकेत है। इसका उद्देश्य केवल आज की बिजली जरूरतों को पूरा करना नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए ऐसी व्यवस्था तैयार करना है जिसमें स्वच्छ ऊर्जा देश की आर्थिक प्रगति का मजबूत आधार बने।ऊर्जा आत्मनिर्भरता, हरित विकास और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में भारत की यात्रा अब उत्पादन से आगे बढ़कर संचरण और भंडारण के चरण में पहुँच रही है। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-क्क्क इसी परिवर्तन की महत्वपूर्ण कड़ी है। आने वाले समय में जब देश की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा मांग दोनों तेजी से विस्तार करेंगी, तब मजबूत ग्रिड, पर्याप्त भंडारण और व्यापक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता भारत के विकास की नई ऊर्जा रीढ़ बन सकती है। यही वह आधार है, जिस पर स्वच्छ ऊर्जा से समर्थ, आत्मनिर्भर और पर्यावरण-संतुलित भारत की तस्वीर आकार ले रही है।

संक्षिप्त समाचार

इतालवी शोधकर्ता की हत्या के 10 साल बाद तीन अफसरों को जेल

रोम , एजेंसी। रोम की एक अदालत ने सोमवार को इतालवी शोधकर्ता गिउलिओ रेगेनी के अपहरण के मामले में तीन मिस्र के सुरक्षा अधिकारियों को 10 साल कैद की सजा सुनाई। एक चौथे आरोपी को हत्या के आरोपों से बरी कर दिया गया। यह फैसला रेगेनी की मौत के मामले में जवाबदेही की दशक भर की खोज में महत्वपूर्ण न्यायिक मील का पत्थर है। मुख्य अभियोजक फ्रांसेस्को लो वोई ने मिस्र के सहयोग के अभाव में भी इस परिणाम का स्वागत किया। 28 वर्षीय रेगेनी 25 जनवरी, 2016 को काहिरा में गायब हो गए थे। वह मिस्र में स्वतंत्र ट्रेड यूनियनों पर शोध कर रहे थे। नौ दिन बाद उनका शव काहिरा के बाहरी इलाके में यातना के निशान के साथ मिला। हिशाम हेल्मी, अतहर कामेल मोहम्मद इब्राहिम और मगदी इब्राहिम अब्देलाल शरीफ को अपहरण का दोषी पाया गया, तारिक शबीर बरी हुए। यह मामला इटली और मिस्र के संबंधों में एक विवादास्पद मुद्दा बन गया था।

कांगो में इबोला के 8,000 से अधिक मामले, 3,901 मौतें, स्वास्थ्यकर्मी संकट में

किंशासा, एजेंसी। अफ्रीकी देश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि कांगो में इबोला वायरस के पुष्ट मामले 8,000 से अधिक हो गए हैं, क्योंकि देश में इस जानलेवा बीमारी को रोकने के लिए स्वास्थ्यकर्मी कम पड़ रहे हैं। यह कांगो का 17वां और सबसे घातक प्रकोप है। कांगो ने 15 मई को दुर्लभ बंडिबुग्यो वायरस के प्रकोप की घोषणा की। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 26 सितंबर तक 8,067 मामले और 3,901 मौतें दर्ज हुईं, मृत्यु दर 48 फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने समुदाय में उच्च मृत्यु दर पर चिंता जताई। सत्ताधारी पार्टी यूडीपीएस के अधिकारी मैरी-सेलेस्टिन करोंडवा पर रविवार को इबोला उपायों का बचाव करने पर हमला हुआ। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय ने बताया कि इबोला से अन्य आवश्यक सेवाओं पर भी असर पड़ा, जैसे इटुरी प्रांत में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं अप्रैल से जून के बीच 13 फीसदी कम हो गईं। अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के अनुसार, 50 स्वास्थ्यकर्मी मारे गए। डब्ल्यूएचओने कहा कि मौजूदा प्रकोप 2014-2016 के पश्चिम अफ्रीका क्षेत्रीय प्रकोप को पीछे छोड़ने वाला है।

नवंबर के मध्यावधि चुनावों में अमेरिकी सैन्य बलों का इस्तेमाल, चुनाव प्रणालियों की रक्षा में लगेगी ड्यूटी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा है कि नवंबर के मध्यावधि चुनावों के दौरान अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी और अन्य सैन्य खुफिया व साइबर सुरक्षा बल चुनाव प्रणालियों की रक्षा करेंगे। सैन्य साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ 2017 से चुनाव उपकरणों को 'महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा' नामित किए जाने के बाद से प्रणालियों की निगरानी और संभावित हैकरों को रोकने में मदद करते रहे हैं। सोमवार को हेगसेथ की यह घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चुनाव बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए बनाई गई नागरिक एजेंसी को खत्म करने के बाद आई । उस एजेंसी ने पिछले सप्ताह एक चुनाव बुनियादी ढांचा सुरक्षा योजना जारी की थी। ये दोनों घोषणाएं 3 नवंबर को चुनाव दिवस से कुछ ही सप्ताह पहले आई हैं। ष्ट्ठ1द्वस्र ब्ह्ल्ष्ठ्ठद्ग ने इसे 'केवल दिखावा' बताया। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने 2025 की शुरुआत में अपने विशेषज्ञों को हटा दिया था। कई विशेषज्ञ ट्रंप प्रशासन द्वारा मतदान में हस्तक्षेप के संकेतों पर नजर रख रहे हैं। ट्रंप चुनावों में धोखाधड़ी के झूठे दावे करते रहते हैं।

रूस: पटाखा फैक्टरी में आग लगने से 13 लोगों की मौत

मास्को, एजेंसी। रूस के यारोस्लाव क्षेत्र में सोमवार को पटाखा बनाने वाली फैक्टरी में आग लगने से 13 लोगों की मौत हो गई। सरकारी समाचार एजेंसी तास ने आपात सेवाओं के हवाले से यह जानकारी दी। आग ने पेरेस्लाव-जालेस्की शहर के पास एक गांव में दो इमारतों को अपनी चपेट में ले लिया। क्षेत्रीय गवर्नर मिखाइल एवरेयेव ने बताया कि आग बुझाने के लिए करीब 100 आपातकर्मी लगाए गए। अधिकारियों ने औद्योगिक सुरक्षा नियमों के कथित उल्लंघन को लेकर आपराधिक मामला दर्ज किया है।

अंतरराष्ट्रीय मामला: मादुरो को हटाते ही वेनेजुएला ट्रंप के लिए सोने की खान, 20% कट से स्थानीय गैंग्स की भी मौज

न्यूयॉर्क , एजेंसी। इसी वर्ष मार्च की शुरुआत में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वेनेजुएला में सैन्य हस्तक्षेप और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से बेदखल करने की अपनी कामयाबी का जश्न मना रहे थे, तब व्हाइट हाउस के रूजवेल्ट रूम में एक बेहद गोपनीय बैठक हुई। इसमें अमेरिकी इंटीरियर सेक्रेटरी डग बर्गम के साथ दुनिया की सबसे बड़ी कमोडिटी ट्रेडिंग कंपनियों में शुमार ट्रेफिगुरा के सीईओ रिचर्ड होल्टम पहुंचे थे। उनके हाथ में एक अजीबो-गरीब तोहफा था, वेनेजुएला से लाई गई सोने की 10 चमचमाती सिल्लियां।

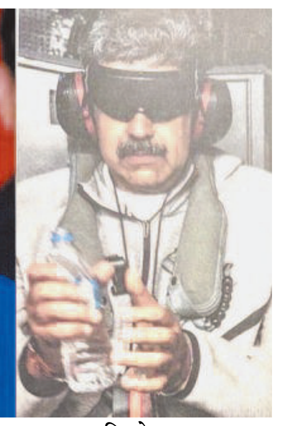

ट्रंप ने कभी यह कहकर इस सोने को प्रतिबंधित कर दिया था कि यह पर्यावरण को जहरीला बनाता है, लोगों का खून चूसता है और अपराधियों व भ्रष्ट सैन्य अफसरों की जेब भरता है। लेकिन अब मादुरो के हटते ही यह अमेरिका की नई विदेश नीति का सबसे बड़ा खजाना बन गया। उसी दिन ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला की सरकारी खनन कंपनी मिनरवेन (जिसे अमेरिका खुद कभी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा घोषित कर चुका था) से सोना आयात करने की विशेष छूट दे दी। लेकिन ट्रंप के इस गोल्ड रश के पीछे खौफनाक दलदल है। अमेरिकी कंपनियों द्वारा निकाला जा रहा यह सोना उन खदानों से आ रहा है जो वेनेजुएला के कुख्यात हिंसक गिरोह ट्रेन डी गुआयाना के रहमोकरम पर चलती हैं। इसके पूरे खेल में स्थानीय गैंग्स की मौज हो गई है जिन्हें 20% तक कट मनी (रंगदारी) मिल रही है।

हक की बात करने वाले मजदूरों को धमकी : वेनेजुएला का मुख्य खनन हब अल काल्लाओ में होता हो जो दुनिया के सबसे हिंसक और भ्रष्ट इलाकों में गिना जाता है। खनन कंपनियों के दफ्तरों में आज भी दर्जनों सैन्य अधिकारी तैनात हैं। जब मजदूर अपने हक की मांग करते हैं, तो उन्हें आतंकवाद के झूठे मामलों में फंसाने और नौकरी से निकालने की धमकियां दी जाती हैं।

अल सिस्तेमा के बिना अमेरिका नहीं पहुंचती खेप : खदानों में काम करने वाली स्थानीय मजदूरों की सहकारी कमेटियों के मुखियाओं ने खुलासा किया कि हर महीने निकाले जाने वाले कुल सोने का 20% हिस्सा सीधे स्थानीय अंडरवर्ल्ड गैंग ट्रेन डी गुआयाना को जाता है। इलाके में इस रंगदारी को बाकायदा अल सिस्तेमा कहा जाता है। अवैध ब्रिगेड से जुटाया गया सोना सरकारी कंपनी मिनरवेन के पास पहुंचता है, जिसे ट्रेफिगुरा को बेचे जाने वाले सोने के साथ ही एक ही भट्टी में पिघला दिया जाता है। यानी अमेरिकी विमानों से वाशिंगटन पहुंच रहे सोने में सीधे तौर पर हिंसक गैंगस्टर की संलिप्तता होती है।

अमेरिकी कंपनियां खदानें हथियाने में जुटीं : ट्रेफिगुरा ने सरकारी कंपनी मिनरवेन के साथ साल भर का एग्रीमेंट किया, जिसके तहत हर महीने करीब 400 किलोग्राम सोना अमेरिका ले जाया जाने लगा। लेकिन अंतरराष्ट्रीय मानकों और कानूनी दायित्वों के डर से यह पूरी डील अधर में लटक गई है। ट्रेफिगुरा के बाद अमेरिकी प्राइवेट इक्विटी फर्म हीनी कैपिटल और कमोडिटी दिग्गज मर्कुरिया ने खुली खदानों से सालाना 2.2 बिलियन डॉलर (करीब 20,900 करोड़ रुपये) का खनिज निर्यात करने का नया सौदा किया है, जो पर्यावरण को और तबाह करने और माफिया सिंडिकेट को बढ़ावा देने का नया जरिया बन सकता है।

नियम ताक पर रखकर भेज दी गई खेप : वैसे तो नियमों के तहत यह प्रमाणित होना जरूरी था कि सोना अपराध, मानवाधिकार हनन या पर्यावरण विनाश से मुक्त है। लेकिन रिस्क कंसल्टेंट्स के खदानों पर पहुंचने से पहले ही सोने से भरे चार्टर्ड विमान अमेरिका रवाना कर दिए गए। वाशिंगटन स्थित एंटी-करप्शन संगठन फैक्ट कोएलिशन की जूलिया यानसुरा के मुताबिक, 90 फीसदी सोना आपराधिक गतिविधियों से जुड़ा है। नतीजतन, 100 मिलियन डॉलर का सोना आज अमेरिकी वेयरहाउसों में बिना रिफाइन अटका पड़ा है।

कैसे वेनेजुएला की अकूत संपदा कब्जा रहे ट्रंप : मादुरो की गिरफ्तारी के तुरंत बाद कच्चे तेल के निर्यात पर नियंत्रण किया गया। प्रतिबंधों को दरकिनार कर पसंदीदा अमेरिकी कंपनियों को गोपनीय परमिट दिए गए। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव रिकॉर्ड ऊंचाई पर थे, तब सोने की खदानें खोली गईं। अल चोको खदान में प्रोसेसिंग प्लांट बना रही ईरानी कंपनी एस्पादाना को खदेड़ा गया। ईरानी मशीनें सीज कर अमेरिकी प्राइवेट इक्विटी फंड हीनी कैपिटल को खदान सौंपी गई।

नेपाल में बाढ़, भूस्खलन और बिजली गिरने से 27 की मौत, चार लोग लापता

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जानकारी दी गई है कि 24 सितंबर से 28 सितंबर तक लगातार बारिश के कारण आई बाढ़, भूस्खलन, जलभराव, तेज हवाओं और बिजली गिरने जैसी प्राकृतिक आपदाओं में नेपाल में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री सचिवालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान चार लोग लापता हो गए और मॉनसून से जुड़ी 513 घटनाओं से 1,065 परिवार प्रभावित हुए। इन आपदाओं में 225 घर पूरी तरह और 137 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। सत्ताइस पशुशालाएं और 114 मवेशी भी प्रभावित हुए। सरकार की ओर से कहा गया कि उसने बचाव, राहत और पुनर्वास के प्रयासों को तेज कर दिया है और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मरम्मत और सामान्य जीवन बहाल करने के लिए अपनी एजेंसियों को काम पर लगा दिया है। देश भर में बाढ़ और भूस्खलन से हाईवे और मुख्य सड़कों पर 147 जगहों पर नुकसान पहुंचा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इनमें से 125 जगहों की मरम्मत कर उन्हें फिर से खोल दिया गया है। पश्चिमी नेपाल में बेनी-जोमसोम, पाल्पा, बाग्लुंग और नवलपरासी जिलों के कुछ हिस्सों में भूस्खलन, सड़क धंसने और पुल के एप्रोच (पुल तक पहुंचने वाले रास्ते) को नुकसान पहुंचने के कारण कालीगंडकी कॉरिडोर पर भी यातायात बाधित हुआ है। अधिकारियों का अनुमान है कि सड़क को पूरी तरह बहाल करने में तीन दिन से ज्यादा का समय लग सकता है। बाढ़ से बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। कालीगंडकी, मार्स्यांगडी और सेती-माडी नदी कॉरिडोर में राष्ट्रीय ट्रांसमिशन सिस्टम के जरिए कुल 1,013.2 मेगावाट बिजली की आपूर्ति बाधित हुई। नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी के अनुसार, बीते महीने 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भोटेकोशी और त्रिशूली नदी कॉरिडोर पर बने लगभग एक दर्जन पनबिजली प्रोजेक्ट भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस बाढ़ में 1,400 से ज्यादा लोगों की जान चली गई और लगभग 5,000 लोग लापता हो गए थे। सरकारी बिजली कंपनी, नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (एनईए) ने कहा कि वह आने वाले सर्दियों के मौसम में भारत से 1,100 मेगावाट से ज्यादा बिजली आयात करने की योजना बना रही है। सर्दियों में घरेलू बिजली उत्पादन में लगभग 70 प्रतिशत की गिरावट की आशंका है क्योंकि 'रन-ऑफ-द-रिवर' पनबिजली प्रोजेक्ट कम बिजली पैदा करते हैं। एनईए ने कहा कि जनवरी के बाद घरेलू बिजली उत्पादन लगभग 1,218 मेगावाट रहने की उम्मीद है, 'इसीलिए हमने बिजली सप्लाई को मैनेज करने के लिए आने वाले सूखे मौसम में भारत से 1,155 मेगा वाट बिजली इंपोर्ट करने का प्लान बनाया है।

ट्रंप प्रशासन को झटका: अदालत ने राज्यों से चुनाव संबंधी फंडिंग रोकने पर लगाई रोक

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में एक संघीय न्यायाधीश ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के अधिकारों पर एक बार फिर रोक लगाई है। यह अधिकार उन राज्यों से कुछ संघीय आतंकवाद विरोधी फंडिंग रोकने से संबंधित था, जो चुनाव प्रशासन की मांगों को पूरा नहीं करते थे। अदालतों ने बड़े पैमाने पर मतदान धोखाधड़ी के झूठे दावों को दर्शाने वाले प्रशासन के पिछले प्रयासों को बड़े पैमाने पर खारिज कर दिया है।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश आमिर अली ने सोमवार को 24 पेज की राय में लिखा कि संघीय एजेंसियों के पास कांग्रेस से अनुदानों में ऐसी शर्तें जोड़ने का अधिकार नहीं था। उन्होंने कहा कि ये शर्तें अंतर्निहित अनुदान उद्देश्य से संबंधित होने की कानूनी सीमा को पूरा नहीं करती थीं। गृह सुरक्षा विभाग या उसकी उप-एजेंसी, संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (फेमा) ने टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अनुदान की शर्तों का मामला देश में चुनाव कैसे संचालित किए जाते हैं इससे जुड़ा है। ट्रंप प्रशासन ने चुनाव से जुड़ी कार्रवाई की जो लंबे समय से राज्यों से जुड़ा मामला भी रहा है। मुकदमा दायर करने वाले राज्यों में-कोलंबस, ओहियो, नैशविले और डेविडसन काउंटी, टेनेसी, के अलावा एल पासो और हैरिस काउंटी, टेक्सास शामिल हैं। फेमा की आतंकवाद विरोधी अनुदान घोषणा में चुनाव से संबंधित जरूरतों की एक सूची भी शामिल है। इसमें ट्रंप प्रशासन ने कहा था कि राज्यों और शहरी क्षेत्रों के लिए 20 फीसदी अनुदान तब तक रोक दिया जाएगा, जब तक वे उनका पालन नहीं करते। कार्यक्रम में राज्यों और स्थानीय सरकारों के लिए 1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक शामिल हैं। राज्यों के लिए वस्तुओं की सूची में सभी पंजीकृत मतदाताओं और चुनाव कर्मियों की नागरिकता का सत्यापन शामिल था। जो स्थान वोटों की गिनती के लिए बारकोड या क्यूआर कोड का उपयोग करने वाले इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्रणालियों का उपयोग करते हैं। उन्हें हाथ से चिह्नित कागजी मतपत्रों पर स्विच करने की योजना प्रस्तुत करनी होगी।

अमेरिका का सख्त संदेश: विदेश में फंसे बच्चों की वापसी में देरी हुई तो किसका वीजा होगा बैन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने दूसरे देशों में फंसे या ले जाए गए अमेरिकी बच्चों को वापस उनके माता-पिता तक पहुंचाने के लिए नई नीति बनाई है। अब अगर किसी दूसरे देश का अधिकारी बच्चे को उसके माता-पिता या उसके रहने वाले देश में वापस भेजने की प्रक्रिया में जानबूझकर देरी करता है, तो अमेरिका उसका वीजा रोक सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोमवार को इस नई नीति का एलान किया। इसके तहत सिर्फ अधिकारी ही नहीं, बल्कि उसके परिवार के करीबी सदस्यों पर भी वीजा प्रतिबंध लगाया जा सकता है। यह मामला तब सामने आता है, जब कोई माता-पिता अपने बच्चे को दूसरे देश में ले जाता है या बच्चे को वहीं रोक लेता है और दूसरा माता-पिता बच्चे को वापस लाने की कोशिश करता है। ऐसे मामलों में अदालत या संबंधित अधिकारी बच्चे

को उसके सामान्य रहने वाले देश में वापस भेजने का आदेश दे सकते हैं। अमेरिका का कहना है कि अगर कोई अधिकारी जानबूझकर ऐसे कानून, सरकारी नियम या अदालत के आदेश को लागू नहीं करता, तो उसके खिलाफ वीजा कार्रवाई की जा सकती है। यानी अमेरिका अब ऐसे मामलों में जिम्मेदार लोगों पर दबाव बनाने के लिए वीजा को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करेगा।

किस अधिकारी पर हो सकती है वीजा कार्रवाई : नई नीति में कई तरह के अधिकारियों को शामिल किया गया है। इनमें दूसरे देशों के सरकारी अधिकारी, जज, अदालत से जुड़े अधिकारी और पुलिस या कानून लागू कराने वाले अधिकारी शामिल हैं। अगर इनमें से कोई व्यक्ति जानबूझकर बच्चे को उसके सामान्य देश में वापस भेजने की प्रक्रिया रोकता है या मामले को लटकाता है, तो अमेरिका उस व्यक्ति का वीजा रोक सकता है।

इतना ही नहीं, उसके करीबी परिवार के सदस्यों पर भी वीजा प्रतिबंध लगाया जा सकता है। अमेरिका का कहना है कि ऐसे मामलों में देरी होने से बच्चा लंबे समय तक अपने माता-पिता से दूर रहता है। अमेरिका के मुताबिक उसका मुख्य उद्देश्य दूसरे देशों में ले जाए गए अमेरिकी बच्चों को सुरक्षित तरीके से वापस लाना है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि बच्चों को उनके माता-पिता से दोबारा मिलाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता है। अमेरिकी विदेश विभाग ऐसे मामलों को रोकने और बच्चों को जल्द वापस लाने के लिए पहले से काम करता है। अब नई वीजा नीति के जरिए उन लोगों पर भी दबाव बनाया जाएगा, जो बच्चे को वापस भेजने की प्रक्रिया में जानबूझकर रुकावट डालते हैं। अमेरिका का कहना है कि बच्चों और उनके परिवारों को लंबे समय तक अलग नहीं रखा जाना चाहिए। नई नीति का मुख्य निशाना केवल बच्चे को दूसरे देश ले जाने वाला माता-पिता नहीं है। इसका खास जोर उन अधिकारियों पर है, जो बच्चे की वापसी की प्रक्रिया में जानबूझकर रुकावट डालते हैं।

ट्रंप ने ईरान को प्रतिबंधों में राहत देने की रिपोर्ट का किया खंडन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उस मीडिया रिपोर्ट का खंडन किया है, जिसमें कहा गया था कि उनके प्रशासन ने ईरान को परमाणु रियायतों के बदले प्रतिबंधों में ढील और फ्रीज किए गए फंड तक पहुंच की पेशकश की थी। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'एक्सियोस ने अभी एक खबर जारी की है कि 'ट्रंप' ने ईरान को प्रतिबंधों से राहत और फ्रीज किए गए फंड देने की पेशकश की। यह सच नहीं है। मैंने उन्हें कुछ भी ऑफर नहीं किया! एक्सियोस की खबर, अधिकतर दूसरी खबरों की तरह, एक झूठ है।' ट्रंप ने मांग की है कि एक्सियोस 'तुरंत' इस खबर को वापस ले।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सियोस की यह खबर तब आई जब ट्रंप ने सप्ताहांत में ईरान के युद्धविराम समझौते के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के शांति समझौते के प्रस्ताव में मांग की गई है कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य के बाकी हिस्से को फिर से खोलता है और अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत फिर से शुरू करता है, तो अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी बंदरगाहों पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटाना होगा। ट्रंप के शांति प्रस्ताव को ठुकराने के जवाब में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को कहा कि कूटनीति और युद्ध जारी रखने में से किसी एक को चुनना 'राष्ट्रपति ट्रंप पर निर्भर है'। अराघची ने कहा, 'हम युद्ध फिर से शुरू होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हम किसी भी नए हमले का डटकर सामना करने के लिए तैयार हैं, भले ही बात 'कयामत वाले युद्ध' तक ही क्यों न पहुंच जाए।' अराघची ने कहा कि अगर अमेरिका संघर्ष खत्म कर दे, अपनी नाकेबंदी हटा ले, ईरान की संपत्ति जारी कर दे और देश को तेल बेचने की इजाजत दे दे, तो तेहरान अहम शिपिंग रूट (जलमार्ग) खोल देगा। अराघची ने रविवार को एनबीसी के कार्यक्रम 'मीट द प्रेस' में कहा, 'हमारा प्रस्ताव बहुत साफ है। अगर अमेरिका कुछ खास कदम उठाए, तो हम जलडमरूमध्य खोलने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि हमारा पैसा और हमारी संपत्ति, जिसे गैर-कानूनी तरीके से फ्रीज किया गया है, उसे जारी किया जाए। हम चाहते हैं कि हम अपना तेल बेच सकें।' अराघची ने कहा कि ईरान जिन कदमों की मांग कर रहा है, उन्हें चार या पांच दिनों में पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर वे चाहें, अगर वे होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के समझौते को लेकर गंभीर हैं, तो अब इसकी संभावना है। हमने यह सात-दिन का प्लान पेश किया है।' उन्होंने कहा कि छठे दिन जलडमरूमध्य फिर से खुल जाएगा और अगले दिन एक बड़े समझौते पर बातचीत शुरू हो जाएगी।

स्पेसएक्स स्टारशिप: कक्षा तक पहली बार भरी उड़ान, स्टारलिंक के उपग्रह पहुंचाए; सुरक्षा के कारण अवधि छोटी की गई

न्यूयार्क, एजेंसी। स्पेसएक्स के विशाल स्टारशिप ने सोमवार को (अमेरिकी समयानुसार) अपनी पहली कक्षीय उड़ान सफलतापूर्वक भरी। इसने सबसे उन्नत स्टारलिंक उपग्रहों को कक्षा में पहुंचाया। हालांकि, सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उड़ान को निर्धारित समय से छोटा रखा गया। टेक्सास से उड़ान भरने के तीन घंटे बाद अरबपति कारोबारी एलन मस्क की कंपनी का अंतरिक्ष यान प्रशांत महासागर के ऊपर पुनः प्रवेश कर हवाई के उत्तर में उतरा। कंपनी का लक्ष्य 10 घंटे की उड़ान का था, जिसमें पृथ्वी के छह पूरे चक्कर शामिल थे। स्पेसएक्स के स्टारशिप का उद्देश्य नासा के आर्टेमिस चंद्र कार्यक्रम के लिए अपनी तैयारी साबित करना था।

उड़ान के दौरान क्या कुछ हुआ : कंपनी की तरफ से जारी बयान के मुताबिक स्टारशिप लैंड करने के साथ ही पलट गया और आग की लपटों में घिर गया, जिसे मिशन का नाटकीय अंत बताया गया। दरअसल, स्टारशिप के कक्षा तक पहुंचने से पहले ही इसका एक इंजन निर्धारित समय से पहले ही बंद हो गया। हालांकि, बाकी प्रणालियां ठीक से काम करते देख उड़ान नियंत्रकों ने पहले से निर्धारित योजना के अनुसार आगे बढ़ने का फैसला किया। थोड़ी देर बाद ही मिशन कंट्रोल ने 'स्टारशिप कक्षा में स्थापित हुआ' इसकी घोषणा की गई। वैज्ञानिकों ने तालियां बजाकर एक दूसरे को बधाई दी। नासा प्रशासक जेरेड इसाकमैन ने स्पेसएक्स को कक्षा में पहुंचने पर बधाई दी। उन्होंने इसे सुरक्षित, जिम्मेदार और प्रेरणादायक तरीके से प्रबंधित करने की सराहना की। मस्क के इस विशाल रॉकेट ने 26 नवीनतम स्टारलिंक उपग्रहों को ले जाया। ये उपग्रह 11,000 पुराने मॉडलों में शामिल हो गए। ये सभी पहले से ही इंटरनेट सेवा प्रदान कर रहे हैं। उपग्रह एक-एक करके अंतरिक्ष यान से बाहर निकले।

स्टारशिप की उड़ान को समय से पहले क्यों रोका गया : उड़ान जल्दी समाप्त करने का निर्णय उपग्रहों के निकलने के तुरंत बाद आया। स्पेसएक्स ने घंटों बाद ऑनलाइन अपडेट जारी कर इसकी सूचना दी। यह निर्णय शुरुआती इंजन समस्या के कारण अत्यधिक सावधानी के तौर पर लिया गया था। यह तीन वर्षों में टेक्सास के दक्षिणी सिरे से स्टारशिप का 14वां पूर्ण प्रक्षेपण था। पहले की परीक्षण उड़ानें हिंद महासागर से आगे नहीं गई थीं। वे अक्सर लपटों में दुर्घटनाग्रस्त हो जाती थीं। इस बार स्पेसएक्स का इरादा 275 किलोमीटर की ऊंचाई से दुनिया का चक्कर लगाना था। यह एक बार नहीं, बल्कि लगभग 10 घंटे में छह बार चक्कर लगाने की योजना थी। इसका अंत चिली के पास प्रशांत महासागर में उतरने के साथ होना था। स्टारशिप ने उचित कक्षा प्राप्त कर ली थी। यह 28,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा था। लेकिन उड़ान नियंत्रकों ने सुरक्षा को प्राथमिकता दी। उन्होंने इसे कुछ चक्करों के बाद कई घंटे पहले वापस लाने का विकल्प चुना।

दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है : विदेश मंत्री एस. जयशंकर

न्यूयॉर्क , एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि दुनिया एक बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। अमेरिका की बदलती नीतियों, चीन के साथ उसके संबंधों और व्यापार से जुड़ी पुरानी मान्यताओं के कमजोर होने के कारण सभी देश अपनी रणनीति में बदलाव कर रहे हैं। न्यूयॉर्क के एक कार्यक्रम में बोलते हुए एस जयशंकर ने कहा कि आज सभी सरकारें अपने जोखिम को कम करने, अपनी साझेदारियों में विविधता लाने और मौजूदा संबंधों से ज्यादा फायदा लेने के तरीके खोज रही हैं। उन्होंने इसे एक ज्यादा प्रतिस्पर्धी अंतरराष्ट्रीय माहौल के हिसाब से खुद को ढालने की प्रक्रिया बताया। अमेरिका और चीन के रिश्तों पर चर्चा के बाद उन्होंने कहा, 'बाकी की दुनिया अपने इंतजाम करने में व्यस्त है।'

विदेश मंत्री ने कहा कि पुराने अलायंस कमजोर हो रहे हैं और सबसे शक्तिशाली देश अकेले फैसले लेने की ओर ज्यादा बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया की दो सबसे बड़ी ताकतों के बीच नजदीकी बढ़ सकती है, लेकिन उनके बीच की प्रतिस्पर्धा की वजह से वे बाकी दुनिया के लिए ज्यादा कुछ तय नहीं कर पाएंगी। उन्होंने कहा कि इस होड़ से बाहर के देश अपने समाधान

खुद खोज रहे हैं। वे नए साझेदारों पर विचार कर रहे हैं, पुराने संबंधों को परख रहे हैं और खुद को किसी भी तरह की रुकावट से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। एस जयशंकर ने आज की कूटनीति के केंद्र में मौजूद एक विरोधाभास का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ देशों के बीच प्रतिस्पर्धा है और दूसरी तरफ गहरी आर्थिक निर्भरता भी है। जब एक देश इस निर्भरता के जरिए बढ़त हासिल कर लेता है, तो उसे दूसरे के खिलाफ इस्तेमाल करने का लालच भी बढ़ जाता है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, 'कूटनीति अब एक बहुत जोखिम भरा खेल बन गई है।' उन्होंने कहा कि सरकारों को एक तरफ तो हाई-रिस्क फैसलों पर तुरंत प्रतिक्रिया देनी होती है और दूसरी तरफ लंबी बातचीत के लिए धैर्य भी रखना पड़ता है। विदेश मंत्री ने भौगोलिक, वित्तीय, यात्रा और बाजार तक पहुंच से जुड़े 'चोक पॉइंट्स' को उदाहरण के तौर पर बताया, जिनके जरिए देश एक-दूसरे पर दबाव बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार व्यवस्था की बुनियाद वाली मान्यताएं समय के साथ कमजोर हुई हैं, क्योंकि कई तरह की प्रथाएं बाजार के सिद्धांतों से अलग रही हैं। एस जयशंकर ने कहा कि अमेरिका अब व्यापार को लेकर एक अलग रास्ता अपना रहा है, जिसमें अलग-अलग साझेदारों के साथ व्यक्तिगत डील की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस बदलाव से नए समझौते और नए रिश्ते बन सकते हैं, हालांकि एक नया पैटर्न बनने में समय लगेगा। भारत के बारे में उन्होंने कहा कि वह अमेरिका, यूरोप, जापान, चीन, रूस, खाड़ी देशों, आसियान और ग्लोबल साउथ के देशों के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाकर चलेगा। उन्होंने इस रणनीति को 'पोर्टफोलियो मैनेजमेंट' जैसा बताया। उन्होंने कहा कि बड़े व्यापारिक देशों के पास भरोसेमंद साझेदार और स्थिर माहौल खोजने के मजबूत कारण हैं, भले ही किसी खास समझौते में तुरंत फायदा थोड़ा कम ही क्यों न मिले। एस जयशंकर ने कहा, 'मैं दुनिया को लेकर निराशावादी नहीं हूं।' उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता के इस दौर से गुजरते हुए देश नए समझौते करेंगे। उन्होंने इस धारणा को भी खारिज किया कि अंतरराष्ट्रीय आर्थिक नियमों के कमजोर होने के पीछे अकेले अमेरिका है।

चिरयुवा बनाए फेशियल

डायमंड फेशियल

धूल-मिट्टी के कारण त्वचा के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं जिससे उन्हें पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलता। इससे त्वचा रूखी हो जाती है, इसमें डायमंड फेशियल कारगर है। इसके जरिए त्वचा से विषैले पद्धार्थों को निकाला जाता है। इस अत्याधुनिक तकनीक को 'डायमंड माइक्रो- डर्मेब्रेशियन' कहते हैं। एक उम्र के बाद त्वचा की कोशिकाएं(सेल्स) शिथिल पड़ जाती हैं और उसमें झुर्रियां आने लगती हैं। यह त्वचा को पोषण भी देता है जिससे नयी कोशिकाएं बननी शुरू होती हैं। इस प्रक्रिया में सबसे पहले चेहरे को क्लींजिंग मिल्क से साफ किया जाता है। उसके बाद डायमंड स्क्रब के द्वारा त्वचा के मृत सेल्स को हटाया जाता है। स्क्रब के बाद चेहरे पर डायमंड की भस्म से मसाज किया जाता है। भस्म के अलावा क्रीम में कमल के बीज, खजूर, तुलसी, संतरे का तेल, गाजर के बीज या खस के साथ मिलाकर प्रयोग किया जाता है जिससे भस्म त्वचा की मृत कोशिकाओं तक पहुंच सके।

एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल-

एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल में एमेरल्ड, रूबी, सफायर और टोपाज जैसे रत्नों के भस्म द्वारा चेहरे पर कलर वाइब्रेशन दिया जाता है। जेम स्टोन से निकलने वाले वॉयलेट, इंडिगो, ब्लू, ग्रीन, यलो, ऑरेंज और रेड कलर्स मनुष्य के शरीर पर पहले से ही विघमान होते हैं। बल्कि हमारी कोशिकाएं इन सात रंगों से ही बनती हैं पर नकारात्मक तरंगों के कारण ये रंग अथवा कोशिकाएं प्रभावित होके हैं जिससे त्वचा मृत पड़ जाती है। एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल के द्वारा इन रंगों अथवा कोशिकाओं को पुष्ठ किया जाता है। यह फेशियल न सिर्फ त्वचा को ही चिरयुवा बनाता है अपितु मानसिक शांति और ऊर्जा भी प्रदान करता है। यदि व्यक्ति एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल लगातार करवाता रहे तो लंबे समय तक उसके चेहरे पर झुर्रियां नहीं पड़ती हैं और न त्वचा ढीली पड़ती है। इसमें प्रयोग किए जाने वाले रत्नों-नगों का प्रयोग व्यक्ति के जन्म महीने और उसके नक्षत्रों के आधार पर ही किया जाता है। इसमें इन रत्नों के भस्म के साथ ही कमल के बीज, खजूर, तुलसी, संतरे का तेल, गाजर के बीज और खस की नरीशिंग क्रीम का भी प्रयोग किया जाता है। इसमें मसाज के लिए विभिन्न तरह के रोलर का इस्तेमाल किया जाता है। चेहरे के सभी हिस्सों के साथ आंख और नाक पर विशेष तरह के छोटे साइज के रोलर लगाए जाते हैं।

गोल्ड फेशियल

सोना सबसे लचीली धातु होती है इसलिए इसका भस्म त्वचा में आसानी से घुल जाता है। यह फेशियल त्वचा पर सुनहरी चमक लाता है। शरीर के भीतर उपस्थित विषैले पद्धार्थ को हटाकर यह रक्त संचार बढ़ाता है। गोल्ड फेशियल में 24 कैरैट के गोल्ड जेल, गोल्ड स्क्रब और गोल्ड मास्क का प्रयोग किया जाता है। एलो वेरा, व्हीटजर्म ऑयल या चंदन के तेल में सोने की पत्ती को मिलाकर मसाज किया जाता है। क्लींजिंग करने के बाद गोल्ड स्क्रब लगाया जाता है। गोल्ड जेल लगाने के लिए एक खास तरह के गजेट का इस्तेमाल किया जाता है। अंत में गोल्ड मास्क लगाया जाता है, जो त्वचा पर झुर्रियां बनने को रोकता है।

पर्ल फेशियल

पर्ल फेशियल आयुर्वेद की 400 साल पुरानी पद्धति पर आधारित है जिसके जरिए त्वचा की झुर्रियों को हटाकर उसमें खिंचाव पैदा किया जाता है। इसमें प्राकृतिक मोती के पाउडर का प्रयोग किया जाता है। यह सच्चाई है कि मोती सूरज की किरणों से होने वाली टअनिंग और पिगमेंटेशन को रोकता है। यह सूर्य की किरणों को छानता भी है। मोती त्वचा की कोशिकाओं को पुन: बनाने में सहायक होता है। यह अमीनो एसिड की ही तरह शरीर के लिए पोषक तत्व का कार्य करता है। साथ ही यह हमारे पीएच बैलेंस को भी कंट्रोल करता है। पर्ल फेशियल में मोती के पाउडर का स्क्रब और मास्क भी लगाया जाता है। फेशियल के दौरान इसमें सी ऑयल भी मिलाया जाता है ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

ऑक्सीजन फेशियल

ऑक्सीजन फेशियल के द्वारा त्वचा के बंद रोमछिद्रों को खोलकर उन्हें ऑक्जीनेट किया जाता है ताकि त्वचा के भीतरी हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंच सके। ऑक्सीजन स्क्रब, मसाज और मास्क के द्वारा रक्त संचार बढ़ता है। ऑक्सीजन स्किन यूथ क्रीम के द्वारा मसाज किया जाता है जिसमें अमर बऐल, दरबा, बाबची और व्हीटजर्म क्रीम मिलाई जाती है। मास्क में नीले रंग के छोट-छोटे कैप्सूल इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें व्हीटजर्म होता है।

एरोमा थेरेपी फेशियल

एरोमा थेरेपी फेशियल काफक्ष पुरानी पद्धति है। एरोमा थेरेपी में प्राकृतिक तेलों की सुगंध द्वारा फेशियल किया जाता है। यह त्वचा की एलर्जी, पिगमेंटेशन और रूखेपन को ठीक करता है। इस फेशियल में हर्बल तेल और हर्बल एक्सट्रैक्ट के प्रयोग से चेहरे का मसाज किया जाता है। इससे स्कीन की टोनिंग होती है और रक्त संचार भी बढ़ता है।

मीठा पोंगल

सामग्री: 3 कप दूध, 5 कप पानी, 200 ग्राम चावल, 75 ग्राम मूंग दाल छिलके वाली, 200 ग्राम खजूर का गुड़, 5 इलायची, 25 ग्राम नारियल किसा, 50 ग्राम शुद्ध घी, 50 ग्राम काजू टूकड़े किए व भुने, 3 छोटे चम्मच किशमिश।

विधि: दूध और पानी को भारी तले वाले बर्तन में उबलने रख दें। चावल और मूंग को धोकर इसमें मिला दें। पानी सूखने तक पकाएं और फिर गुड़ मिलाएं। जरूरत हो, तो थोड़ा-सा दूध या पानी और मिलाकर चलाएं। ध्यान दें कि चावल और दाल तले में चिपकें नहीं। मिश्रण पक जाए, तब इसमें काजू, किशमिश और नारियल मिलाएं। अंत में घी को पिघलाकर इसमें डालें। एक बार मिला लें और आंच से उतार लें। पोंगल को गर्मा-गर्म ही सर्व करें।

खुश्क मौसम में बालों के लिए 10 टिप्स

'इट्स द टाइम टू बी केयरफुल', यह मंत्र न सिर्फ हेल्थ के लिए है बल्कि हमारी स्किन और हमारे बालों के लिए भी उतना ही जरूरी है। स्किन की केयर तो हम फिर भी कर लेते हैं लेकिन बालों की आर हमारा ध्यान जाता ही नहीं है। जिससे बालों की नमी खो जाती है, ऑयल भी कम हो जाता है। बाल ड्राई होने के साथ ही डिहाइड्रेटेड हो जाते हैं, डैंड्रफ भी अपनी जड़ें जमा लेता है। कॉस्मेटोलॉजिस्ट भारती तनेजा बता रही हैं, इस खुश्क मौसम में बालों को सुरक्षित और खूबसूरत रखने के बेहतरीन उपाय :

- बालों को रूखेपन से बचाने के लिए ऑयलिग बहुत जरूरी है। सप्ताह में दो से तीन बार ऑयलिग करें, रात भर तेल लगा रहने दें, सुबह शैम्पू करें।
- बालों में शैम्पू के बाद कंडीशनर लगाना जरूरी है। यदि बाल कुछ ज्यादा ही रूखे हैं तो बाजार में उपलब्ध क्रीम कंडीशनर का इस्तेमाल करना चाहिए।
- चाहें तो लिव-इन कंडीशनर का भी प्रयोग किया जा सकता है, इसे लगाने के बाद बालों को धोया नहीं जाता।
- बाहर निकलते समय बालों को स्कार्फ से ढक कर रखना चाहिए।
- एरोमाथेरेपी ऑयल से बालों का मसाज कीजिए। उसके बाद बालों को स्टीम दीजिए।
- पार्लर में बालों के लिए विशेष स्पा मौजूद है, इन्हें आजमा सकती हैं। महीने में दो-तीन बार यह कराना चाहिए।
- बालों में नमी के लिए घर में भी पैक तैयार किया जा सकता है। दूध, अंडे की जर्दी या केला, शहद को मिलाकर बालों पर लगाएं। आधे घंटे के बाद धो दें।
- ड्रैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए सेब का जूस रूई की मदद से स्कल्प पर लगाएं। आधे घंटे बाद बालों को धो लें।
- रूसी के निदान के लिए स्कल्प पर प्याज का जूस भी लगा सकते हैं। लगाने के आधे घंटे बाद शैम्पू कर लें।
- बाल धोने के बाद अपनी कंघी, तौलिया और तकिए के गिलाफ को एंटीसेप्टिक लोशन में आधे घंटे डुबोने के बाद धो दें। धूप में सुखाएं।

फास्ट-माइंडेड बच्चे

हर मां-बाप अपने बच्चे को 'परफेक्ट चाइल्ड' के रूप में देखना चाहते हैं। इसलिए बच्चे पढ़ाई के अलावा डांस, जूडो और म्यूजिक भी सीख रहे हैं। उनकी पर्सनालिटी को संवारने के लिए स्कूलों में कम्युनिकेशन स्किल्स, बॉडी लैंग्वेज को सुधारने के लिए स्पेशल क्लासेज ली जाती हैं।

बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए अभिभावक को उनके स्ट्रांग प्वाइंट को देखते हुए उन्हें उस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए, जिसमें उनकी रूचि होती है। बच्चों को भाषण देने के बजाय अपनी गतिविधियों पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। पेरेंट्स को पीटीएम में जाना चाहिए और पूरी जानकारी रखनी चाहिए कि उनका बच्चा स्कूल में क्या करता है। स्कूलों में बढ़ती प्रतियोगिता की वजह से बच्चों की जिंदगी की गाड़ी 'फास्ट-ट्रैक' पर चल रही है। शायद इसी वजह से उनमें गुस्से व चिड़चिड़ेपन की शिकायत आ रही है। इससे उन्हें बचाकर रखने के लिए पेरेंट्स को घर में प्यार भरा माहौल बनाकर रखने की कोशिश करनी चाहिए। अपने निजी तनाव को बच्चों के सामने नहीं लाना चाहिए। बच्चों की बातों को ध्यान से सुनने के अलावा उन्हें ज्यादा डांटना नहीं चाहिए वरना वे अपने मम्मी-पापा से डरेंगे और अपनी बातों को उनसे कहने में कतराने लगेंगे।

बच्चों के व्यक्तित्व विकास में स्कूल भी एक अहम भूमिका निभाता है। स्कूल बच्चों के लिए जानकारी का 'इनकमिंग सोर्स' है। टीचर्स को बच्चों के प्रति अच्छा स्वभाव रखना चाहिए और भेदभाव नहीं करना चाहिए वरना इससे उनका मानसिक विकास कमजोर पड़ने लगता है।

स्कूलों के अलावा कुछ पर्सनालिटी डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट खुल रहे हैं, जहां बच्चों के अंग्रेजी शब्दों का उच्चारण व उनके पोश्चर को सुधारा जाता है। इसके अलावा घर में ग्रैंडपेरेंट्स के रहने से भी बच्चों को बहुत स्पेस मिलती है अपनी बातें कहने के लिए। ग्रैंडपेरेंट्स बच्चों के बेस्ट-फ्रेंड होते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ङ्कचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2603

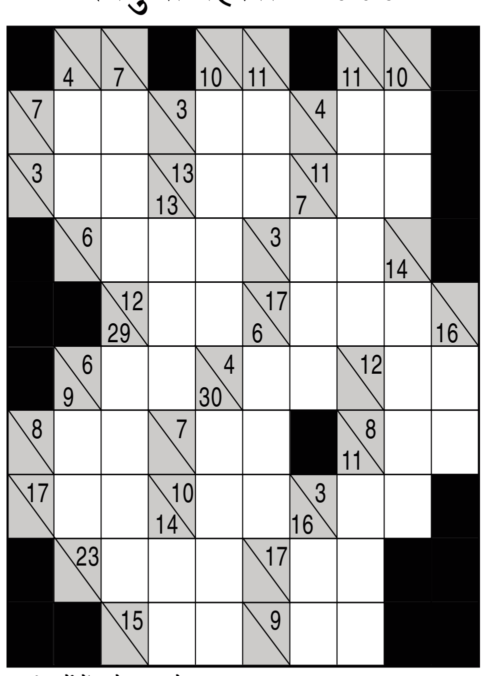

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

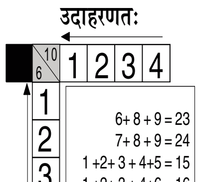

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2602 का हल

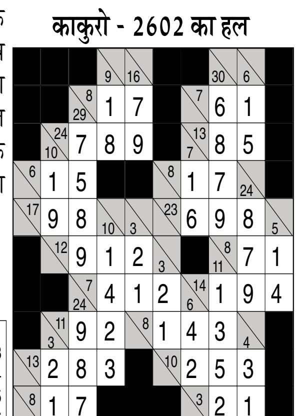

लॉफिंग ज़ोन

मॉडर्न पत्नी की शराब की लत से परेशान एक पति उसे समझाने के इरादे से बोला- मान लो एक ड्रम में शराब और दूसरे में पानी भरकर रख दिया जाए और फिर किसी गधे को बुलाकर उससे पीने को कहा जाए तो वह दोनों में से क्या पिएगा?

पत्नी ने कहा- वह पानी ही पिएगा।

पति ने उलझाने की कोशिश करते हुए कहा- मगर वह पानी ही क्यों पीना चाहेगा?

पत्नी- तुम तो कह रहे थे कि इस ब्यूटी क्लिनिक में तुम्हें नौकरी मिल गई है। फिर तुम बाहर खड़े क्या कर रहे हो?

पति- यहाँ बाहर खड़ा रहना, भीतर जाने वाली नारियों की उपेक्षा करना, जब श्रृंगार कराकर बाहर निकले तो सीटी बजाना, यही तो मेरी नौकरी है।

रमन- हर छात्र के लिए आज की तारीख में इंटरनेट कई मायनों में उपयोगी और महत्वपूर्ण है!

नमन- जैसे?

रमन- ...जैसे हमें कई जानकारियाँ इंटरनेट के माध्यम से मिल जाती है।

नमन- और आजकल तो लीक होने के बाद पेपर भी ई-मेल पर आ जाते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 2603

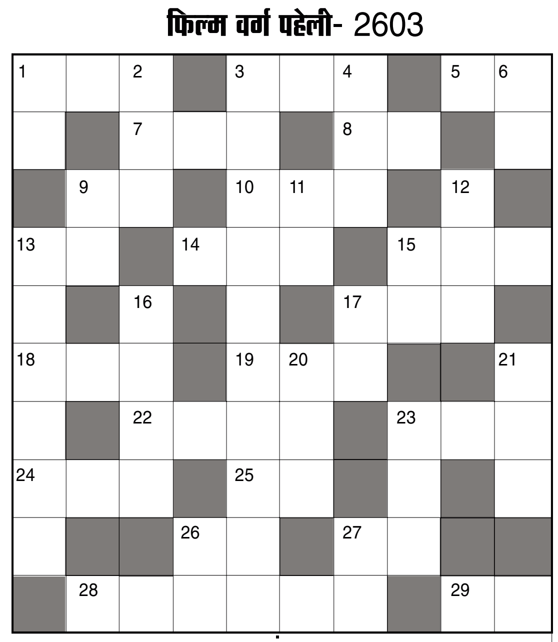

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2602

सूडोकु -2603

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2602 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 2603

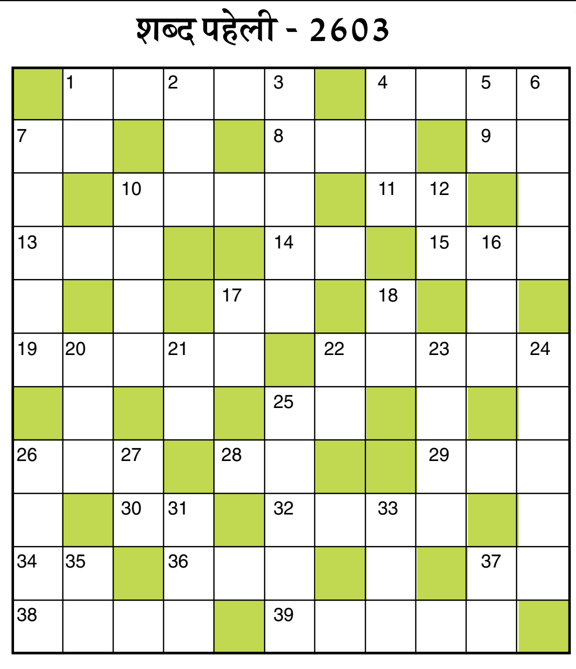

बाएँ से दाएँ

1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -2602 का हल

उमर खालिद और शरजील इमाम को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका, जमानत याचिका खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली । 2020 के दिल्ली दंगा मामले से जुड़ी बड़ी साजिश के आरोप में गिरफ्तार उमर खालिद और शरजील इमाम को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पिछले आदेश को देखते हुए वह अभी जमानत नहीं दे सकते। जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह और जस्टिस दिनेश भट्ट की बेंच ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका पर सुनवाई की। दरअसल, उमर खालिद और शरजील इमाम ने कड़कड़डूमा ट्रायल कोर्ट के 4 जुलाई 2026 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी जमानत याचिका तीसरी बार खारिज कर दी गई थी। ट्रायल कोर्ट ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के जनवरी 2026 के उस आदेश का हवाला दिया था, जिसमें इन्हें तत्काल नियमित जमानत देने से इनकार किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इन दोनों की जमानत याचिका खारिज करते हुए यह छूट दी थी कि यदि मामले के सुरक्षित और गोपनीय गवाहों के बयान दर्ज हो जाते हैं या फिर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के एक साल पूरे हो जाते हैं।

इंदौर में ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार, टूल बॉक्स में छिपा रखा था ड्रग्स

इंदौर । इंदौर में मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस की मुहिम जारी है। बुधवार को गश्ती दल ने स्कीम नंबर 51 में लेशा मैरिज गार्डन की पार्किंग क्षेत्र में दो युवकों को संदिग्ध हालत में पकड़ा। उनके पास से 14 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई है जिसकी कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, क्राइम ब्रांच की टीम पंद्रह बटालियन होते हुए गश्त व चेकिंग के दौरान लेशा मैरिज गार्डन की पार्किंग पहुंची। वहां एक काले रंग की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध व्यक्ति बैठे दिखाई दिए, जो पुलिस बल को देखकर हड़बड़ाने लगे। बताया गया है कि संदेहास्पद स्थिति प्रतीत होने पर टीम द्वारा घेराबंदी कर दोनों को पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम राहुल उर्फ यशु देसाई एवं अभिषेक उर्फ बाबा सोलंकी बताए। मोटरसाइकिल की विधिवत तलाशी लेने पर उसके टूल बॉक्स में रखा 14 ग्राम अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर बरामद हुआ।

पी. चिदंबरम बोले- 'एसआईआर प्रक्रिया में भारी खामियां', चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने बुधवार को मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग के भीतर ही इस प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं और असहमति रही है। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए चिदंबरम ने कहा, 'चुनाव आयोग पूरी तरह गलत है। एसआईआर प्रक्रिया पर दोनों चुनाव आयुक्तों ने संदेह जताया है और उन्होंने बताया है कि चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त के बीच 14 मुद्दों पर असहमति थी।' उन्होंने कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा सहित कई राज्यों की एसआईआर प्रक्रिया में कथित त्रुटियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा में बहुत सारी गलतियां बताई गई हैं। पहले भी कई गलतियां सामने आई हैं। एसआईआर प्रक्रिया में भारी खामियां हैं। अगर इसमें खामियां नहीं थीं, तो चुनाव आयोग को दोबारा बैठक करके प्रक्रिया बदलने की जरूरत क्यों पड़ी? कुछ दिन पहले जो हुआ, उसे पूरी तरह रद्द कर दिया जाना चाहिए।'

मणिपुर सीएम काफिले पर हमले में एनआईए की बड़ी कार्रवाई, दो और आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मणिपुर के मुख्यमंत्री के काफिले पर हुए सशस्त्र हमले के सिलसिले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम जंगमिनलुन सिंगसन उर्फ फ्रेंकी और थांगजोएल हाओकिप उर्फ थांगबोई है। उन्हें थोउबल में मणिपुर की स्पेशल कोर्ट (एनआईए मामलों के लिए) में पेश किया गया। जंगमिनलुन सिंगसन (44) बेथेल और थांगजोएल हाओकिप (21) गम्फाजांग तुइबोंग, चुराचांदपुर का निवासी है। यह घटना 10 जून 2024 को हुई थी, जब अज्ञात हथियारबंद बदमाशों ने मणिपुर के कांगपोकपी जिले में के. सिनाम गांव के पास एनएच-37 पर मुख्यमंत्री के काफिले पर हमला किया था। इस हमले में दो सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए थे और सरकारी गाड़ियों को नुकसान पहुंचा था। यह मामला शुरू में न्यू केइथेलमानबी पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था और बाद में एनआईए ने इसे 11 जुलाई 2024 को फिर से दर्ज किया।

हवाई यात्रा की मांग एयरलाइंस की क्षमता वृद्धि से तेज

कनेक्टिविटी बढ़ाना अगली बड़ी प्राथमिकता: नागर विमानन मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि भारत का विमानन बाजार एयरलाइंस द्वारा जोड़ी जा रही क्षमता की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह रुझान देश में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को दर्शाता है और भविष्य में विमानन क्षमता तथा कनेक्टिविटी के विस्तार की आवश्यकता को और मजबूत करता है। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नायडू ने बताया कि पिछले एक दशक में भारत में रेवेन्यू पैसेंजर किलोमीटर (आरपीके) की वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) रही है, जबकि एयरलाइंस द्वारा उपलब्ध कराई गई सीट क्षमता, यानी एवेलेबल सीट किलोमीटर (एएसके), की वृद्धि दर 7 प्रतिशत सीएजीआर रही है।

उन्होंने कहा, 'इसका मतलब है कि बाजार सीटों की उपलब्धता से अधिक तेजी से बढ़ रहा है।' उन्होंने कहा कि यह स्थिति बताती है कि आने वाले वर्षों में हवाई यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त क्षमता निर्माण और बेहतर कनेक्टिविटी पर लगातार निवेश करना होगा। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन चुका है। बढ़ती आय, क्षेत्रीय संपर्क में सुधार और हवाई यात्रा की बढ़ती मांग ने इस वृद्धि को गति दी है। सरकार अब भारत को आने वाले वर्षों में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा समग्र विमानन बाजार बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इस तेजी से बढ़ती मांग को समर्थन देने के लिए सरकार बड़े स्तर पर एयरपोर्ट नेटवर्क का विस्तार कर रही है। नायडू ने बताया कि वर्ष 2014 में देश में केवल 74 परिचालन एयरपोर्ट थे, जबकि वर्तमान में उनकी संख्या बढ़कर 166 से अधिक हो चुकी है। सरकार ने वर्ष 2047 तक 400 एयरपोर्ट विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। मंत्री ने कहा कि फिलहाल 66 एयरपोर्ट विकासाधीन हैं, जबकि अगले दस वर्षों में 100 नए एयरपोर्ट विकसित करने की योजना है, जिसका उद्देश्य देशभर में हवाई संपर्क को और मजबूत बनाना है।

चीनी इन्वेस्टमेंट ऐप धोखाधड़ी मामला

सुप्रीम कोर्ट ने भूपेश अरोड़ा की जमानत रद्द की, रोहित विज की याचिका खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चीनी इन्वेस्टमेंट ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी भूपेश अरोड़ा को मिली जमानत रद्द कर दी है और दूसरे आरोपी रोहित विज की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। यह मामला प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत दर्ज है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की बेंच ने इस मामले में सुनवाई की। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि कोर्ट का मानना है कि अगर मूल अपराध में समझौता हो भी जाता है, तो भी उससे जुड़ी आपराधिक गतिविधि खत्म नहीं होती है। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की अर्जी को स्वीकार किया। ईडी की ओर से एएसजी अनिल कौशिक और वकील अर्कज कुमार ने पैरवी की। वहीं, भूपेश अरोड़ा की तरफ से सीनियर एडवोकेट मुक्ता गुप्ता और रोहित विज की तरफ से सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ अग्रवाल पेश हुए।

यह पूरा मामला ईडी की उस जांच से जुड़ा है जिसमें लोक्सम समेत कई फर्जी चीनी इन्वेस्टमेंट ऐप्स के एक नेटवर्क की जांच की जा रही है। आरोप है कि ये ऐप्स ज्यादा रिटर्न का लालच देकर निवेशकों को फंसाते थे।

केंद्र सरकार किसानों की चिंताओं को दूर करने के लिए हमेशा तैयार : प्रल्हाद जोशी

हम किसान नेताओं को संबंधित अधिकारियों के साथ बैठने और उनके मुद्दों पर चर्चा करने और समाधान खोजने का इंतजाम करेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली/बेंगलुरु । केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कर्नाटक के गन्ना किसानों को गन्ने के फेयर एंड रिम्युनरेटिव प्राइस (एफआरपी) पर अधिकारियों के साथ चर्चा के लिए दिल्ली बुलाया है ताकि विरोध प्रदर्शन करने के बजाय उनकी चिंताओं को दूर किया जा सके। हुबली में विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहे गन्ना किसानों को जवाब देते हुए जोशी ने उनसे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली आने और अपनी समस्याओं का समाधान खोजने के लिए संबंधित अधिकारियों से बातचीत करने का आग्रह किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो मैसेज में जोशी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार किसानों की चिंताओं को दूर करने के लिए हमेशा तैयार है और उन्होंने कर्नाटक के गन्ना किसानों का दिल्ली में खुली चर्चा के लिए स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मैं कर्नाटक के किसानों का दिल्ली में पूरे सम्मान के साथ स्वागत करता हूं। हम किसान नेताओं को संबंधित अधिकारियों के साथ बैठने और उनके मुद्दों पर चर्चा करने और समाधान खोजने का इंतजाम करेंगे। जोशी ने कहा कि

किसानों को सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करने की कोई जरूरत नहीं है और उन्होंने उनसे सरकार के साथ बातचीत के लिए आगे आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार हर साल गन्ने का एफआरपी बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि इस साल मई में एफआरपी बढ़ाकर 365 रुपए कर दिया गया था। इस साल भी गन्ना किसानों के लिए उचित कीमत सुनिश्चित की जाएगी। जोशी ने याद किया कि फरवरी 2026 में जब वह एक इवेंट में शामिल होने जा रहे थे, तब किसान नेताओं ने उनसे मुलाकात की थी और गन्ने के एफआरपी में बढ़ोतरी की मांग की थी। उन्होंने कहा कि इसके बाद केंद्र ने मई में एफआरपी बढ़ाकर 365 रुपए कर दिया। उन्होंने कहा कि बढ़ोतरी के बाद कोई भी किसान प्रतिनिधि उनसे नहीं मिला लेकिन कुछ किसान अब एफआरपी में और बढ़ोतरी की मांग को लेकर फिर से विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं। जोशी ने कहा कि विरोध प्रदर्शन की कोई जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार किसानों की चिंताओं पर जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी साफ किया कि गन्ने के एफआरपी को बढ़ाने पर कोई भी फैसला कृषि लागत और मूल्य आयोग की सिफारिशों और राज्य के गन्ना आयुक्त की रिपोर्ट और सिफारिशों पर विचार करने के बाद लिया जाएगा। अगर आप सीधे दिल्ली आते हैं, तो हम संबंधित अधिकारियों के साथ इस मामले पर चर्चा करेंगे और उचित कीमत सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाएंगे। मैं किसान नेताओं और प्रदर्शनकारियों को खुला निमंत्रण देता हूं। उन्होंने कहा कि सरकार गन्ना किसानों की चिंताओं और भ्रम पर विस्तृत चर्चा करने और उन्हें राहत देने के लिए उचित कदम उठाने के लिए तैयार है।

पप्पू यादव बोले- 'नेताओं की जिंदगी में अय्याशी के अलावा कुछ नहीं'

बेगूसराय की घटना के बाद महिला सुरक्षा पर पूछे सवाल

एजेंसी

पटना । बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा है कि नेताओं की जिंदगी में 'शराब, शबाब और अय्याशी' के अलावा कुछ नहीं है। सांसद ने महिलाओं की सुरक्षा का भी मुद्दा उठाया और कहा कि महिलाएं घर, स्कूल, कोचिंग सेंटर, शेल्टर होम या हॉस्टल में भी सुरक्षित नहीं हैं। बेगूसराय में होटल के अंदर युवती के साथ कथित दुष्कर्म और मारपीट मामले पर पप्पू यादव ने कहा, 'कल की घटना को देखा जाना चाहिए। अगर मेरा बस चले तो मैं आरोपी को 100 गोली मरवा दूं। जिस तरीके से बच्ची को बेरहमी से होटल में मारा गया, वह निंदनीय है। अगर कानून इजाजत दे तो उस आरोपी को एक मिनट भी जाने का हक नहीं है।' सांसद पप्पू यादव ने कहा, 'अब महिलाएं घर पर भी सुरक्षित नहीं हैं। वे पड़ोसियों, शिक्षकों, सार्जेंट मेजर, पुलिस सब-इंस्पेक्टरों की हिंसा से सुरक्षित नहीं हैं। लड़कियां स्कूलों, कोचिंग सेंटरों, शेल्टर होम या हॉस्टलों में सुरक्षित नहीं

हैं। वे कहां सुरक्षित रहेंगी? महिलाओं की सुरक्षा के बारे में बेकार की बातें करना बंद करें।' उन्होंने सवाल किया कि इस देश में महिलाएं कब सुरक्षित रहेंगी? बेटों पर कोई बात क्यों नहीं करता है। सारी रोकटोक और बातें बेटियों पर ही क्यों आती हैं? पप्पू यादव ने कहा कि बेटियों के लिए देश में कोई कानून ही नहीं है।

इसी बीच, सांसद ने राजनीतिक दलों के नेताओं पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'नेताओं की बात छोड़ देनी चाहिए, क्योंकि जिंदगी में 'शराब, शबाब और अय्याशी' के अलावा कुछ नहीं है। बाकी जात-पात और हिंदू-मियां के मुद्दे होते हैं। इन चार चीजों के अलावा नेताओं की डिक्शनरी में कुछ नहीं है। 'बिहार में बाढ़ की स्थिति पर पप्पू यादव ने कहा,, 'दवाइयां उपलब्ध नहीं थीं और कम्युनिटी किचन बहुत कम संख्या में खोले गए थे। मुझे कम से कम 20,000 गरीब परिवारों को 500-500 रुपए देने पड़े और उनकी मदद करनी पड़ी।' सांसद ने कहा, 'मेरा सवाल है कि 2024 में बगहा में तटबंध क्यों टूटा और अब यह फिर क्यों टूट गया? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? सिंचाई मंत्री को बर्खास्त करें।

सीएम खू का रोहडू-रामपुर दौरा, गांवों में पहुंचकर सुनेंगे लोगों की समस्याएं

सड़क-पानी और रोपवे की मांगें उठेंगी

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का रोहडू और रामपुर विधानसभा क्षेत्रों का प्रस्तावित दौरा ग्रामीणों के लिए अपनी समस्याएं सीधे सरकार के सामने रखने का अवसर होगा। मुख्यमंत्री के प्रवास के दौरान विकास कार्यों के उद्घाटन और शिलान्यास के साथ ग्रामीणों से संवाद और 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम पर फोकस रहेगा। हालिया रिपोर्ट के अनुसार रोहडू में दौरे की तैयारियों को लेकर प्रशासन ने समीक्षा बैठक भी की है। रोहडू से शुरू होगा दौरा मुख्यमंत्री के रोहडू पहुंचने पर विद्यार्थियों के साथ संवाद और नशे के खिलाफ अभियान से जुड़े कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। इसके बाद चिड़गांव में विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री यहां जनसभा को भी संबोधित करेंगे। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री स्थानीय लोगों और योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत करेंगे। प्रशासन की ओर से कार्यक्रम स्थलों पर यातायात, सुरक्षा, पेयजल, बिजली और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां की जा रही हैं।

गांव में रात्रि प्रवास और जनसंवाद

'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री ग्रामीण इलाकों में पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद करते हैं। रामपुर क्षेत्र के काशापाट में रात्रि प्रवास भी प्रस्तावित रहा है, जहां ग्रामीणों, महिला

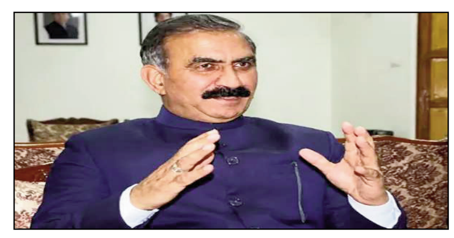

मंडलों और युवक मंडलों के साथ बातचीत के जरिए स्थानीय समस्याओं और विकास संबंधी मांगों पर चर्चा होनी है। काशापाट क्षेत्र के ग्रामीण मुख्यमंत्री के सामने सड़क, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं रख सकते हैं। खासतौर पर सर्दियों में प्राकृतिक जलस्रोतों में पानी कम होने या जमने की समस्या को देखते हुए उठाऊ पेयजल योजना शुरू करने की मांग सामने आने की संभावना है।

दो करोड़ की घूस का मामला

एसओजी के एएसपी का करीबी रीडर जसवंत राव हुआ गायब, मोबाइल भी बंद

सूत्रों के अनुसार, रीडर जसवंत राव एसओजी के एएसपी मुकेश कुमार सोनी का सबसे करीबी और खास माना जाता था।

एजेंसी

उदयपुर। उदयपुर के चर्चित 272 प्लॉट घोटाले में राहत देने की एवज में दो करोड़ रुपये की रिश्वत लेने के मामले में अब एसओजी का रीडर भी एसीबी के रडार पर आ गया है। 26 सितंबर के बाद से एसओजी का रीडर जसवंत राव अपने कार्यालय से गायब है और उसका मोबाइल फोन भी लगातार बंद आ रहा है। एसीबी की टीम अब उदयपुर पुलिस के सहयोग से उसकी तलाश में जुटी हुई है। सूत्रों के अनुसार, रीडर जसवंत राव एसओजी के एएसपी मुकेश कुमार सोनी का सबसे करीबी और खास माना जाता था। विशेष

तौर पर 272 प्लॉट घोटाले सहित अन्य बड़े मामलों में कागजी कार्रवाई और अन्य सभी अहम जिम्मेदारियां उसी के पास थीं। एसीबी का मानना है कि रीडर के पकड़े जाने के बाद इस पूरे मामले में कई और बड़े और चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं। एसीबी ने इस मामले में पहले एएसपी मुकेश सोनी के दलाल सज्जन सिंह जैन को 2 करोड़ की रिश्वत लेते हुए 26 सितंबर को गिरफ्तार किया था, जिसके अगले ही दिन 27 सितंबर को एएसपी मुकेश सोनी को भी गिरफ्तार कर लिया गया था। शिकायतकर्ता निरंजन मोगरा ने एसीबी को बताया कि उनकी गिरफ्तारी के दौरान एसओजी की टीम ने उनके घर से सोने के दो कंगन, एक सोने की घड़ी, प्लॉट से जुड़े जरूरी दस्तावेज और डीवीआर (DVR) जब्त किए थे, लेकिन इन कीमती सामानों को आधिकारिक रिकॉर्ड में नहीं दर्शाया गया।

जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद जब निरंजन मोगरा ने रीडर जसवंत राव से अपनी जब्त सामग्री वापस मांगी, तो उसने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि 'साहब से बात करो, वही देंगे '। शिकायतकर्ता को अंदेशा है कि रिकॉर्ड से गायब किए गए ये तमाम कीमती आइटम और दस्तावेज रीडर जसवंत राव के पास ही सुरक्षित हैं। इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच के लिए जयपुर से नियुक्त किए गए एसीबी के एएसपी महावीर सिंह ने उदयपुर एसीबी कार्यालय पहुंचकर तमाम पुराने रिकॉर्ड्स की गहनता से जांच की।

पीएम मोदी ने शेयर किया गीता का श्लोक, बताया-

स्वाभाविक कर्मों में तत्परता से मिलती है परम सिद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को एक सुभाषित संदेश शेयर किया। उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता के अध्याय 18 (मोक्षसंन्यासयोग) के श्लोक 45 का जिक्र किया और उसका अर्थ समझाया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 'स्वे स्वे कर्मण्यभिरतः संसिद्धिं लभते नरः। स्वकर्मनिरतः सिद्धिं यथा विन्दति तच्छृणु।।' शेयर किया। उन्होंने इसका अर्थ समझाते हुए बताया, 'जो मनुष्य अपने-अपने स्वाभाविक कर्मों में तत्पर रहते हैं, वे परम सिद्धि को प्राप्त करते हैं। इसलिए अपने कर्मों में लगे मनुष्यों को यह अवश्य सुनना और जानना चाहिए कि अपने कर्मों का पालन करते हुए परम सिद्धि किस प्रकार प्राप्त की जाती है।' प्रधानमंत्री मोदी अक्सर अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए विभिन्न ग्रंथों के श्लोकों और उनके जीवन में महत्व को

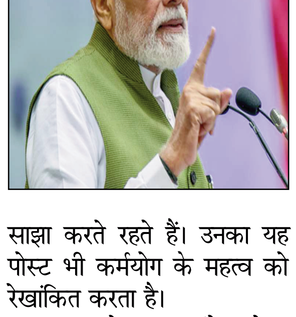

साझा करते रहते हैं। उनका यह पोस्ट भी कर्मयोग के महत्व को रेखांकित करता है।

इस श्लोक का संदेश बेहद व्यापक और जीवन के लिए प्रेरणादायक है। स्व-धर्म हमारे गुणों और हमारे जीवन की अवस्थाओं पर आधारित होते हैं। इन्हें सम्पन्न करना यह सिद्ध करता है कि हम अपने शरीर और मन की योग्यताओं का उपयोग रचनात्मक ढंग से करते हैं।

यह आध्यात्मिक विकास की ओर ले जाता है और समाज एवं आत्मा के लिए लाभदायक होता है। चूंकि हमारे कर्तव्य हमारे स्वभाव के अनुरूप होते हैं, इसलिए इनका निर्वहन करने में हम स्वयं को सहज अनुभव करते हैं। गीता के इस अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन को समझाते हैं कि हर व्यक्ति का अपना स्वभाव और अपनी प्रकृति के अनुसार कर्म निर्धारित है। अगर व्यक्ति अपने उसी स्वाभाविक कर्म को पूरी निष्ठा और तत्परता से करता है, तो वही उसकी सिद्धि का मार्ग बन जाता है। उसे किसी दूसरे के कर्म की नकल करने की जरूरत नहीं है।

उदाहरण के तौर पर एक शिक्षक का धर्म पढ़ाना है, एक सैनिक का धर्म देश की रक्षा करना है और एक किसान का धर्म खेती करना है। अगर सभी अपने-अपने कर्म को ईमानदारी से करें, तो समाज में संतुलन बना रहता है और व्यक्ति को भी आत्मिक संतुष्टि मिलती है।

इस श्लोक में एक और महत्वपूर्ण बात कही गई है - जब हमारी क्षमता बढ़ती है तब स्व-धर्म भी परिवर्तित हो जाता है और हम अगली कक्षा में प्रवेश करते हैं। इस प्रकार से हम अपने उत्तरदायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन कर उन्नति की ओर अग्रसर होते हैं।

छापेमारी के बाद ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री को समन भेजा

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के पूर्व पर्यटन मंत्री इंद्रनील सेन के घर पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 16 घंटे से ज्यादा समय तक मैराथन छापेमारी और तलाशी चली। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें पूछताछ के लिए कोलकाता के बाहरी इलाके में स्थित एजेंसी के साल्टलेक ऑफिस में बुलाया है। सिंगर से नेता बने इंद्रनील सेन को बुधवार सुबह 11 बजे ईडी ऑफिस में पेश होने के लिए कहा गया है। हालांकि, पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया है और खुद व अपने परिवार के सदस्यों को परेशान किए जाने के मामले में कानूनी कार्रवाई की धमकी भी दी है। ईडी अधिकारियों की अलग-अलग टीमों ने दस जगहों पर एक साथ छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया, जिसमें दक्षिण कोलकाता के कस्बा इलाके में सेन और उनकी पत्नी मधुछंदा सेन का घर भी शामिल था। जिन अन्य जगहों पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया गया, उनमें सेन के कुछ रिश्तेदारों के घर और एक इवेंट मैनेजर अरिजीत दासगुप्ता का घर भी शामिल था।

इंद्रनील सेन और उनकी पत्नी पर मुख्य आरोप यूएनईएससीओ के टैग का इस्तेमाल करके दुर्गा पूजा के नाम पर 'नकली पास' बेचने का है। सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती अनुमान है कि इसमें करीब 60 करोड़ रुपए की धांधली शामिल है। ईडी ने जून में बो बाजार पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी के शिकार जॉयदीप मुखर्जी की शिकायत के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की थी। हालांकि, इंद्रनील सेन ने शुरू से ही अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया है। याद दिला दें कि 2021 में कोलकाता दुर्गा पूजा को यूनईएससीओ से मान्यता मिली थी। इसके बाद 'मास आर्ट' नामक एक संस्था बनाई गई, जिसने खुद को यूएनईएससीओ का 'ऑफिशियल पार्टनर' बताया। उन्होंने दुर्गा पूजा का प्रचार-प्रसार शुरू किया। दुर्गा पूजा परिक्रमा के लिए पास की बिक्री शुरू हुई लेकिन ऊंची कीमतों पर बेचे गए वे पास असल में नकली थे। सेन की पत्नी मधुछंदा इस संस्था से गहराई से जुड़ी हुई थीं।आरोपों के अनुसार, कोलकाता की दुर्गा पूजा के 'प्रीव्यू शो' या पूजा परिक्रमा के नाम पर यूएनईएससीओ के नाम और लोगो का गैरकानूनी तरीके से इस्तेमाल कर एंट्री पास या टिकट ऊंची कीमतों पर बेचे गए।

एशियाड में 10वां गोल्ड, मेडल टैली में सातवें नंबर पर पहुंचा भारत

-एशियन गेम्स के 11वें दिन तीरंदाजी में 3, शूटिंग में 1 गोल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एशियन गेम्स के 11वें दिन 4 गोल्ड जीते। इनमें 3 गोल्ड तीरंदाजी और 1 शूटिंग में आया। इसके साथ भारत के 10 गोल्ड समेत 60 मेडल हो गए हैं। वह ईरान को पीछे छोड़कर मेडल टैली में 7वें नंबर पर पहुंच गया है। बुधवार को पहला गोल्ड विमेंस कंपाउंड आर्चरी टीम ने जीता। इसके बाद चिकिता तनिपार्थी और साहिल जाधव की जोड़ी ने मिक्स्ड कंपाउंड आर्चरी में गोल्ड जीता। नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी को शूटिंग में गोल्ड मिला। दिन का चौथा गोल्ड कंपाउंड आर्चरी के पुरुष टीम इवेंट में साहिल, गणेश और कुशल ने जीता।

भारत ने कंपाउंड आर्चरी के तीनों इवेंट में गोल्ड जीते। विमेंस टीम ने चीन को 238-234 से हराकर अपने खिताब का बचाव किया। मिक्स्ड टीम फाइनल में चिकिता और साहिल का मुकाबला साउथ कोरिया की पार्क जंगयून और चोई योंगही से था। भारत ने शूट-ऑफ में गोल्ड अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजिलिस ओलिंपिक के कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट के लिए कोटा भी हासिल किया।पुरुष टीम फाइनल में साहिल, गणेश और कुशल की टीम ने चीन को 238-237 से हराया। भारत शुरुआती एंड में 58-60 से पीछे था, लेकिन इसके बाद भारतीय तीरंदाजों ने लगातार शानदार निशाने लगाए। फाइनल के बाद के 180 में भारत ने 180 अंक हासिल किए। साहिल ने अपने सभी 8 शॉट में 10 अंक बनाए, जबकि गणेश और कुशल ने भी दबाव के बीच लगातार 10 लगाए।

नीरू-किनान ने शूटिंग में दिलाया गोल्ड

ट्रैप मिक्स्ड टीम फाइनल में नीरू ढांडा और किनान चेनाई ने भारत को गोल्ड दिलाया। भारत ने शुरुआत में 10 में से 6 हिट किए थे और एक समय चार टीमों में सबसे नीचे था। इसके बाद दोनों ने एक भी टारगेट मिस नहीं किया और शानदार वापसी करते हुए गोल्ड जीता। भारत ने कतर को सिर्फ एक अंक से पीछे छोड़ा। चीन ने ब्रॉन्ज जीता। नीरू का यह इन गेम्स में दूसरा गोल्ड है। इससे एक दिन पहले उन्होंने विमेंस ट्रैप इंडिविजुअल इवेंट में गोल्ड जीता था।

हॉकी में साउथ कोरिया को 2-0 हराकर फाइनल में भारत

भारतीय महिला हॉकी टीम ने साउथ कोरिया को 2-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारत के लिए इशिका ने पेनल्टी कॉर्नर की वैरिएशन पर गोल किया, जबकि कप्तान सलिमा ने दूसरे हाफ में बढ़त दोगुनी की। अब भारत का गोल्ड मेडल मैच चीन से होगा। यह मुकाबला 2 अक्टूबर को खेला जाएगा।

भारत की प्रिया घंघास को एशियाई खेलों की मुक्केबाजी में कांस्य मिला

नागोया (एजेंसी)। भारतीय महिला मुक्केबाज प्रिया घंघास को चीनी मुक्केबाज यांग चेंगयु के हाथों मिली हार के साथ ही एशियाई खेलों में कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा है। प्रिया को महिलाओं की 60 किलोग्राम भार वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में चीन की यांग चेंगयु के हाथों 1-4 के विभाजित फैसले से हारा हुआ घोषित कर दिया गया। प्रिया ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समदोवा को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी थी और उन्हें अपने आक्रामक खेल के चलते फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर चीनी मुक्केबाज उनपर भारी पड़ गयीं।

सेमीफाइनल में चीनी मुक्केबज ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। इसके जवाब में प्रिया ने भी हमले किये। पहले राउंड के दूसरे हाफ में भारतीय मुक्केबज कुछ प्रभावी कॉम्बिनेशन लगाए। प्रिया के कुछ बेहतरीन एक्सचेंजों के बावजूद, जजों ने पहले दौर में 3-2 के करीबी अंतर से चीनी मुक्वेबाज यांग को विजयी करार दिया। इसके बाद प्रिया ने दूसरे दौर में आक्रामक रुख अपनाते हुए स्कोर के अंतर को कम करने के पूरे प्रयास किये। वहीं यांग संतुलित रहीं और उसने भारतीय मुक्केबाज को कोई अवसर नहीं दिया। यांग ने कई असरदार पंचों के साथ ये दौर 4-1 से जीत, इससे प्रिया अंतिम तीन मिनट में काफी पीछे रह गईं।

वहीं तीसरे और निर्णायक दौर में प्रिया ने टेम्पो बढ़ाने की कोशिश की, पर यांग ने बार-बार दूरी कम की और भारतीय मुक्केबाज के कई हमलों को प्रभावी ढंग से रोका। प्रिया ने मौके तलाशने जारी रखे, लेकिन यांग का डिफेंस अनुशासित बना रहा और उन्होंने कोई मौका नहीं दिया। आखिरकार, यांग ने यह दौर भी 4-1 से जीतकर मुकाबला 4-1 के विभाजित फैसले से अपने नाम करते हुए फाइनल में जगह बनायी। इस हार के साथ ही प्रिया का एशियाई खेलों में सफर कांस्य पदक के साथ पूरा हुआ।

कैंपबेल भारत के खिलाफ सबसे तेज शतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के बल्लेबाज बने

गुवाहाटी (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल ने भारत के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। वह एकदिवसीय में भारत के खिलाफ सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कैंपबेल ने दूसरे एकदिवसीय में केवल 65 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। कैंपबेल ने इसी के साथ ही 27 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। अब तक यह रिकॉर्ड रिकार्डो पॉवेल के नाम था, जिन्होंने साल 1999 में भारत के खिलाफ खेलते हुए 72 गेंदों में शतक लगाया था। कैंपबेल ने वेस्टइंडीज की तरफ से एकदिवसीय प्रारुप में पांचवां सबसे तेज शतक लगाया। इस प्रारुप में वेस्टइंडीज की ओर से सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम दर्ज है, जिन्होंने 1999 में बांग्लादेश के खिलाफ 45 गेंदों में शतक लगाया था।

एशियाई खेलों के समीफाइनल में आज होगा भारत-पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीमों के बीच मुकाबला

टोक्यो (एजेंसी)। एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम गुरुवार को सेमीफाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला करेगी। इस मुकाबले में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूल-ए में शीर्ष स्थान बनाया है, जबकि पाकिस्तान ने पूल-बी में दूसरा स्थान हासिल कर अंतिम चार में प्रवेश किया है।

भारतीय टीम ने जिस प्रकार से ग्रुप चरण में अपना दबदबा बनाते हुए अंतिम आखिरी लीग मैच में बांग्लादेश को 10-0 के बड़े अंतर से हराकर दिखा दिया है कि वह आक्रामक अंदाज में खेलती रहेगी। इस एकतरफा जीत के साथ ही, भारतीय टीम ने पूल-ए में अपने सभी पांचों मुकाबले जीते और 15 अंकों के साथ शीर्ष पर अपनी पकड़ बना ली है। पूरे टूर्नामेंट में टीम की आक्रमण और रक्षापंक्ति ने अच्छा समन्वय दिखाया है जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

वहीं पूल-बी में पाकिस्तान ने भी चार मुकाबले जीतकर 12 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की है। एशियाई खेलों में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा से ही रोमांचक होता आया है इस मैच में दोनो ही टीमों पर दबाव रहता है जिससे मैच के दौरान वही टीम जीतती है जो बेहतर रणनीति से उतरती है।

एशियाई खेलों के हॉकी इतिहास में भारत और पाकिस्तान का एक गौरवशाली रिकॉर्ड रहा है। पाकिस्तान ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में आठ बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया है, जबकि भारत ने चार बार यह खिताब जीता है। पिछले एशियाई खेलों में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जापान को 5-1 से करारी शिकस्त देकर स्वर्ण पदक जीता था, जिससे वे इस बार अपने खिताब का बचाव करने की प्रबल दावेदार हैं। मौजूदा चैंपियंस होने के नाते, भारत पर थोड़ा अतिरिक्त दबाव भी होगा, लेकिन टीम अपने लक्ष्य को लेकर पूरी तरह केंद्रित है।

महिला प्रीमियर लीग : 63 खिलाड़ी बरकरार, 27 स्लॉट खाली, नीलामी में यूपी वॉरियर्स का पर्स सबसे बड़ा

नई दिल्ली । महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सीज़न के लिए टीमों की बिसात बिछनी शुरू हो गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा निर्धारित खिलाड़ी रिटेंशन की समयसीमा समाप्त होने के साथ ही, सभी पांचों फ्रेंचाइजी ने अपने रिटेन और रिलीज किए गए खिलाड़ियों की अंतिम सूची जारी कर दी है। इस प्रक्रिया में कई अप्रत्याशित और चौंकाने वाले फैसले सामने आए हैं, जिनमें सबसे बड़ा नाम गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) द्वारा ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक बल्लेबाज ग्रेस हैरिस को रिलीज करना है। 28 अक्टूबर को कोच्चि में होने वाली 2027 डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले, पांचों टीमों ने कुल 63 खिलाड़ियों को अपने साथ बरकरार रखा है, जिनमें 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। बीसीसीआई के अनुसार, नीलामी से पहले कुल 27 स्थान खाली हैं, जिनमें 7 विदेशी खिलाड़ियों के लिए जगह बची हुई है। इन खाली स्थानों को भरने के लिए टीमें एड़ी-चोटी का जोर लगाती नजर आएंगी। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपनी कोर टीम को मजबूत बनाए रखने पर ध्यान दिया है। टीम के लिए सबसे बड़ी और राहत की खबर ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी की उपलब्धता है। पेरी, जो पिछले सत्र में आरसीबी के खिताबी अभियान का हिस्सा नहीं बन सकी थीं, उन्होंने अगले सत्र के लिए खुद को उपलब्ध कराया है। उनकी वापसी से टीम का संतुलन काफी मजबूत होगा। दूसरी तरफ, आरसीबी ने ग्रेस हैरिस समेत कुल चार खिलाड़ियों को रिलीज करने का कड़ा फैसला लिया है।

वित्या ने एशियाई खेलों में दो पदक जीतकर उषा का रिकॉर्ड तोड़ा

आईची । भारत की वित्या रामराज ने जापान में जारी एशियाई खेलों 2026 में दो पदक जीतकर दिग्गज धाविका पी टी उषा का रिकार्ड तोड़ दिया। तमिलनाडु के कोयंबटूर की इस एथलीट ने न केवल दो प्रतिष्ठित पदक अपने नाम किए, बल्कि महान एथलीट उषा का 42 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर दिया। कड़ी मेहनत और अटूट लगन से ये सफललता हासिल कर वित्या ने युवाओं के लिए उदाहरण पेश किया है। वित्या ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में, संयुक्त अरब अमीरात की मरियम करीम ने 54.31 सेकंड के खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीत जबकि कजाकिस्तान की एडेलिना जेम्स ने 54.58 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ ही रजत पदक अपने नाम किया। इससे पहले, वित्या एशियाई खेलों में भारत के लिए पहला पदक जीतने वाली चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले स्पर्धा की टीम का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा थीं, जहाँ भारतीय टीम ने रजत पदक जीता। वित्या के लिए 400 मीटर बाधा दौड़ का कांस्य पदक विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इस दौड़ में उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 54.75 सेकंड का समय निकालकर ये हासिल किया था। इससे वह 1984 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में उषा द्वारा बनाए गए 55.42 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से आगे निकल गयी हैं। ट्रक ड्राइवर पिता की बेटी वित्या के लिए यह सफलता रातों-रात नहीं आई है, बल्कि यह वर्षों के संघर्ष और त्याग का परिणाम है। उनके और उनके परिवार ने बचपन में अनगिनत आर्थिक कठिनाइयों और अभावों का सामना किया। परिवार में हमेशा सुख-सुविधाओं की कमी रही, लेकिन वित्या और उनकी जुड़वा बहन नित्या, जो खुद भी एक प्रसिद्ध एथलीट हैं, ने कभी हार नहीं मानी।

प्रज्ञान ओझा बन सकते हैं बीसीसीआई चयन समिति के नये अध्यक्ष

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये मुख्य चयनकर्ता बन सकते हैं। वर्तमान मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का कार्यकाल 4 अक्टूबर तक का ही है। ऐसे में चार अक्टूबर को होने वाली बीसीसीआई की सालाना बैठक में प्रज्ञान के नाम की घोषणा होना तय है। अभी ओझा चार सदस्यीय चयन समिति के अंतरिम प्रमुख की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। गत दिवस गुवाहाटी में बोर्ड की एक अहम बैठक में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ ही ओझा, शिव सुंदर दास, अजय रात्रा और आरपी सिंह बैठक में उपस्थित थे। वहीं अगरकर इस बैठक में शामिल नहीं थे जिससे बाद से ही ये साफ हो गया कि अब उनका कार्यकाल आगे नहीं बढ़ेगा।

यह बैठक मुख्य रूप से भारतीय टीम के आगामी न्यूजीलैंड दौरे के लिए खिलाड़ियों के चयन और टीम संयोजन के लिए बुलायी गयी थी। गौरतलब है कि भारतीय टीम को न्यूजीलैंड में 22 अक्टूबर से पांच टी20 मैचों के साथ ही 4 नवंबर से पांच एकदिवसीय और 19 नवंबर से दो टेस्ट मैच खेलने हैं। इसके अतिरिक्त भारतीय ए टीम को भी न्यूजीलैंड दौरे पर तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। ओझा का लंबा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव उन्हें इस पद के लिए एक मजबूत दावेदार बनाता है। उन्होंने टीम इंडिया के लिए 24 टेस्ट, 18 एकदिवसयी और 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। बाएं हाथ के स्पिनर के रूप में उनकी गहरी क्रिकेट समझ को ही अंतरिम तौर पर चयन समिति की कमान सौंपे जाने का मुख्य कारण माना जा रहा है। मौजूदा चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर का बीसीसीआई के साथ मौजूदा कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त होना है, और उन्होंने बोर्ड को पहले ही सूचित कर दिया था कि वे इस पद पर आगे जारी नहीं रहेंगे।

आने वाले समय में भारतीय चयनकर्ताओं के सामने कई महत्वपूर्ण फैसले होंगे। न्यूजीलैंड दौरे के अलावा, 2027 एकदिवसीय विश्वप कप की तैयारियों को भी ध्यान में रखना होगा। ऐसे में खिलाड़ियों के वर्कलोड प्रबंधन, उनकी उपलब्धता और अलग-अलग फॉर्मेट के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम संयोजन पर गहन विचार-विमर्श करना होगा। फिलहाल प्रज्ञान ओझा को केवल अंतरिम जिम्मेदारी मिली है, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार, उन्हें स्थायी रूप से भी इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया जा सकता है।

एशियन गेम्स 2026: भारतीय क्रिकेट टीम का सेमीफाइनल 1 अक्टूबर को श्रीलंका से

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान के निशिन में चल रहे एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम के सेमीफाइनल मुकाबले की तस्वीर अब साफ हो गई है। पिछली बार की गोल्ड मेडलिस्ट भारतीय टीम 1 अक्टूबर को सेमीफाइनल में श्रीलंका का सामना करेगी। श्रीलंका ने नेपाल के खिलाफ अपना क्वार्टरफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद बेहतर टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग के आधार पर अंतिम चार में जगह बनाई है। यह मुकाबला जापान के निशिन में खेला जाएगा। एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट नॉकआउट चरण पर लगातार बारिश का गहरा असर देखने को मिल रहा है। श्रीलंका और नेपाल के बीच क्वार्टरफाइनल मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ने वाला यह लगातार तीसरा मैच था। नेपाल ने टूर्नामेंट के पिछले चरण में अफगानिस्तान जैसी मजबूत टीम को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन बारिश के कारण मैच रद्द होने और श्रीलंका की बेहतर रैंकिंग के चलते उसका सफर यहीं समाप्त हो गया। मैच रद्द होने की स्थिति में बेहतर रैंक वाली टीम को अगले दौर में भेजने के नियम के तहत श्रीलंका ने अंतिम चार में जगह बनाई है। अब श्रीलंका का सामना भारत से होगा। भारत पिछली एशियन गेम्स का गोल्ड मेडलिस्ट है और इस बार भी टीम खिताब की दौड़ में बनी हुई है।

इसी तरह, साहिबजादा फरहान की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम ने भी हांगकांग, चीन के खिलाफ बारिश से प्रभावित क्वार्टरफाइनल के बाद सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की है। अब सबकी निगाहें चौथे क्वार्टरफाइनल पर हैं। यदि वह मुकाबला भी बारिश के कारण रद्द होता है, तो बेहतर रैंकिंग के आधार पर बांग्लादेश सेमीफाइनल में पहुंचेगा और मलेशिया का अभियान समाप्त हो जाएगा। ऐसी स्थिति में, पाकिस्तान का सामना बांग्लादेश से होगा। भारत और श्रीलंका सहित एशियन गेम्स 2026 के सभी सेमीफाइनल मुकाबले 1 अक्टूबर को खेले जाने हैं। यदि सेमीफाइनल भी बारिश के कारण रद्द हो जाते हैं, तो टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार बेहतर रैंक वाली टीमें सीधे फाइनल में पहुंच जाएंगी।

मोहित बने सीएसके के नये गेंदबाजी कोच

चेन्नई । आईपीएल के अगले सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव करते हुए पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज मोहित शर्मा को अपना नया गेंदबाजी कोच बनाया है। मोहित को एरिक सिमंस की जगह नया कोच बनाया गय है। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी काशी विश्वनाथन ने मोहित को कोच बनाने की पुष्टि करते हुए बताया है कि टीम के मुख्य कोच जहीर खान ने मोहित शर्मा के नाम की सिफारिश की थी। यह कदम आगामी सीजन के लिए टीम की रणनीति और भविष्य के दृष्टिकोण को दर्शाता है। गौरतलब है कि मोहित का सीएसके और उसके पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के साथ एक पुराना और गहरा रिश्ता रहा है। उन्होंने धोनी की कप्तानी में चेन्नई के लिए कई महत्वपूर्ण मुकाबले खेले और टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब खिलाड़ी के तौर पर टीम के साथ उनके अनुभव का लाभ उठाया जाएगा। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि मोहित का यह अनुभव खिलाड़ियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा और वह टीम की गेंदबाजी इकाई को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। मुख्य कोच जहीर खान का मानना है कि मोहित का चेन्नई के माहौल से जुड़ाव और उनका खेल के प्रति गहरा ज्ञान टीम के लिए अमूल्य साबित होगा। गौरतब है कि मोहित शर्मा ने इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अपने करियर की शानदार शुरुआत की थी। उन्होंने 2013 में टीम के लिए पदार्पण किया और अपने पहले ही सत्र में 15 मैचों में 20 विकेट हासिल कर सबको प्रभावित किया। इसके बाद आईपीएल 2014 में उन्होंने अपने प्रदर्शन को और बेहतर किया और चेन्नई के लिए 23 विकेट लेकर उस सीजन में टीम के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक बने। यह उनके आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। चेन्नई के अलावा, उन्होंने पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस का भी प्रतिनिधित्व किया है। अपने पूरे आईपीएल करियर में, मोहित ने कुल 120 मैचों में 134 विकेट हासिल किए हैं। चेन्नई के लिए वह 2013 से 2015 तक और फिर 2019 में खेले थे। घरेलू क्रिकेट में हरियाणा के लिए खेलने वाले मोहित ने 2012-13 के रणजी सत्र में आठ मैचों में 37 विकेट लेकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, उन्होंने जुलाई 2013 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे में पदार्पण किया। 2015 के विश्व कप में भी वह भारतीय टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा थे और उन्होंने 13 विकेट लिए थे। भारत के लिए कुल 34 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 37 विकेट लिए हैं, जो उनकी प्रतिभा और अनुभव को बखूबी दर्शाता है। अब चेन्नई सुपर किंग्स में उनकी यह नई भूमिका उनके क्रिकेट ज्ञान और अनुभव का एक नया अध्याय होगी।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में कुलदीप और कोहली को हुआ लाभ

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताज एकदिवसीय रैंकिंग में भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को लाभ हुआ है और वह चार स्थान ऊपर आये हैं। वह अब गेंदबाजों की रैंकिंग में पांचवें नंबर पर आ गए हैं। वहीं बल्लेबाज विराट कोहली को भी एक स्थान का लाभ हुआ है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय मुकाबले में विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की थी। बल्लेबाजों की रैंकिंग में कोहली एक स्थान ऊपर आये हैं। अब विराट दूसरे नंबर पर आ गए हैं। कोहली से आगे अब केवल शुभमन गिल हैं। वहीं न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल को नुकसान पहुंचा है। वह बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में अब तीसरे नंबर पर फिसल गए हैं। वहीं भारत के रोहित शर्मा की पोजीशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है और वह चौथे नंबर पर बने हुए हैं। श्रीलंका के बल्लेबाज कुशल मेंडिस वनडे क्रिकेट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे हैं। उन्होंने तीन पायदान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल कर लिया है। मेंडिस को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 121 रनों की शानदार पारी का इनाम मिला है। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल होने से महज एक पायदान दूर हैं। वह ताजा रैंकिंग में 11वें नंबर पर आ गए हैं। आयरलैंड के बल्लेबाज हैरी टेक्टर 10वें नंबर पर बने हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में शतकीय पारी खेलने वाले टेंबा बावुमा ने 10 पायदान ऊपर की छलांग लगाई हैं और वह अब बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें नंबर पर आ गए हैं। मैथ्यू ब्रीट्जके ने 19 पायदान की छलांग लगाई है और वह अब 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। डेविड मिलर 142 रनों की शानदार पारी खेलने के साथ ही 41वें नंबर पर आ गए हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने तीन पायदान की छलांग लगाई है और वह अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

हॉलीवुड अभिनेता जॉनसन ने डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलर सैटरली के निधन पर दुख जाया

इलिनोइस । हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और पूर्व प्रोफेशनल रेसलर ड्वेन द रॉक जॉनसन ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में नेविल और पीएसी के नाम से लोकप्रिय हुए ब्रिटिश रेसलर बेंजामिन सैटरली के निधन पर दुख जाया है। सैटरली का 40 साल की उम्र में ही निधन होने पर जॉनसन ने कहा कि पेशेवर कुश्ती भले ही वैश्विक स्तर पर एक विशाल खेल हो पर इससे जुड़े लोग आज भी एक-दूसरे के बेहद करीब हैं, और किसी साथी को खोना सभी के लिए अत्यंत दुखद होता है। सोशल मीडिया में एक भावुक वीडियो साझा करते हुए जॉनसन ने कहा, यह बात कहते हुए मेरा दिल दर्द का अनुभव कर रहा है। मैं सैटरली परिवार के लिए अपना प्यार और समर्थन भेजना चाहता हूं। अपने प्रियजन को खोने के दर्द से गुजर रहे परिवार के सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। सैटरली के कुश्ती करियर को याद करते हुए जॉनसन ने बताया, मैं उनसे मिला था और हाथ भी मिलाया था।

'लास्ट मैन इन टावर' में अपने किरदार के बारे में मनोज बाजपेयी ने बात की

नेशनल अवॉर्ड विनर एक्टर मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके किरदार को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में मनोज ने बताया कि उनका किरदार परिवार में हमेशा 'अच्छा इंसान' और 'बड़ा इंसान' बने रहने की चाह में इतना आगे निकल जाता है कि वह अपने ही परिवार की जरूरतों को नजरअंदाज करने लगता है। मनोज बाजपेयी फिल्म में एक ऐसे रिटायर्ड स्कूल टीचर और विधुर का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी जिंदगी में खुद को हमेशा परिवार का सही और जिम्मेदार इंसान मानता रहा है। उसे लगता है कि उसने अपने परिवार के लिए बहुत कुछ किया है और जरूरत पड़ने पर हमेशा अपने भाइयों के साथ खड़ा रहा है। लेकिन, जब उसका बेटा उसे उसकी ही सोच का दूसरा पहलू दिखाता है, तो उसके लिए खुद को सही मानने की तस्वीर बदलने लगती है।

बात करते हुए मनोज ने कहा, ''मेरा किरदार हर चीज को सही और गलत के नजरिए से देखने का आदी है। उसके लिए किसी भी परिस्थिति को बीच के रास्ते से देखने की गुंजाइश कम है। अगर मेरे किरदार की बैकस्टोरी को समझा जाए तो उसके बारे में कई बातें उसके बेटे के जरिए सामने आती हैं। वह परिवार में हमेशा खुद को अच्छा और दूसरों से बड़ा साबित करने की कोशिश करता रहा है। उसे लगता है कि उसने अपने भाइयों के लिए बहुत कुछ किया है। उनकी मदद करके वह परिवार में अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रहा है। यही सोच धीरे-धीरे उसके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती है।'' मनोज ने कहा, ''अपने परिवार के लिए कुछ करने और खुद को परिवार का 'बड़ा इंसान' समझने की इस कोशिश में वह अपने सबसे करीबी परिवार को ही कहीं पीछे छोड़ देता है। उसे हमेशा लगता है कि उसने अपने भाइयों के लिए इतना कुछ किया है, इसलिए उसके फैसलों और त्याग की कद्र होनी चाहिए। लेकिन जब उसका बेटा उसके सामने यह बात रखता है कि उसकी इस सोच और व्यवहार का असर उसके अपने परिवार पर भी पड़ा है, तो उसके अंदर की पूरी तस्वीर हिल जाती है।'' उन्होंने कहा, ''उस वक्त मेरे किरदार को एहसास होता है कि जिस काम को वह इतने समय से अपनी सबसे बड़ी अच्छाई मानता आया था, वही उसके आसपास के लोगों के लिए परेशानी की वजह भी बन रहा था। कई बार हम अपनी ही अच्छाई या महानता के इतने आदी हो जाते हैं कि यह देखना बंद कर देते हैं कि हमारी वही 'महानता' दूसरों के लिए किस तरह मुश्किलें पैदा कर रही है।''

उन्होंने कहा, ''इंसान अक्सर अपने किए हुए कामों को एक खास नजरिए से देखता है और खुद को सही साबित करने की कोशिश करता रहता है। असल चुनौती खुद को समझने की होती है। मेरे किरदार के साथ भी कुछ ऐसा ही होता है, जहां उसे अपनी सोच और अपने फैसलों को एक अलग नजरिए से देखने का मौका मिलता है।''

'लास्ट मैन इन टावर' अरविंद अडिगा के इसी नाम के नॉवेल पर आधारित है। फिल्म की कहानी तेजी से बदलती मुंबई की पृष्ठभूमि में सेट है। इसमें मनोज के किरदार की जिंदगी तब बदल जाती है, जब एक बड़ा बिल्डर उस पुरानी इमारत के सभी लोगों को अच्छी रकम देकर घर खाली करने का ऑफर देता है। ज्यादातर लोग इस ऑफर को स्वीकार करने के लिए तैयार हो जाते हैं, क्योंकि इसके बदले उन्हें बड़ी रकम मिल रही होती है। लेकिन मनोज का किरदार अपना घर छोड़ने से साफ इनकार कर देता है। इसके बाद वह पूरी बिल्डिंग को खाली कराने और वहां लग्जरी टावर बनाने की योजना के बीच अकेली बड़ी रुकावट बन जाता है। कहानी सिर्फ घर बचाने की लड़ाई तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसके जरिए परिवार, रिश्तों, पैसे, सोच और इंसान के अपने बारे में बनाए नजरिए को भी दिखाया गया है।

क्या 'बिग बॉस 20' में आएंगे करण वाही

रियलिटी शो बिग बॉस का 20वां सीजन इन दिनों चल रहा है। सलमान खान बतौर होस्ट कमान संभाल रहे हैं। इस बीच, एक्टर करण वाही के 'बिग बॉस 20' में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। दावा किया जा रहा है कि वे इस रियलिटी शो में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री कर सकते हैं। इसे लेकर करण वाही ने चुप्पी तोड़ी है।

अफवाहों को किया खारिज

'बिग बॉस 20' में करण वाही की एंट्री की खबरें सिर्फ अफवाह हैं। इन अफवाहों पर अब खुद करण ने विराम लगा दिया है। फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर बातचीत के दौरान, करण वाही ने इन अटकलों पर बात की और साफ किया कि उनका पहले का जिक्र असल में उनके पसंदीदा कार्ड गेम ऊनो के बारे में था, न कि रियलिटी शो में उनके शामिल होने का कोई संकेत था। बिग बॉस 20 में शामिल होने की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए वाही ने कहा, 'मैं ऊनो की बात कर रहा था, जो मेरा पसंदीदा कार्ड है। आप लोगों को भी चिल नहीं है लाइफ में। हर चीज का कोई न कोई दूसरा मतलब निकालना होता है। मैं बिग बॉस में आ रहा हूं... कम से कम इस साल तो नहीं'। बता दें कि अभिनेता की यह प्रतिक्रिया उन अफवाहों के बीच आई है कि वे 'बिग बॉस 20' के घर में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर जा सकते हैं। कुछ दर्शकों के बीच इन अफवाहों को इसलिए भी हवा मिली, क्योंकि उदिति सिंह, जो कथित तौर पर उनकी एक्स-गर्लफ्रेंड रही हैं, अभी शो में कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हैं।

ऋतिक रोशन के साथ एक छोटे से वीडियो ने बदल दी प्राजक्ता कोली की जिंदगी

ऐसे शुरू हुआ यूट्यूब का सफर

आज प्राजक्ता कोली को लोग एक सफल कंटेंट क्रिएटर, एक्ट्रेस और राइटर के तौर पर जानते हैं। 'मोस्टली सेन' के नाम से उन्होंने डिजिटल दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई और बाद में एक्टिंग में भी कदम रखा। एक समय ऐसा था जब प्राजक्ता सिर्फ रेडियो जॉकी बनने का सपना देखती थीं और इसी सपने को पूरा करने के लिए एक रेडियो स्टेशन में इंटर्नशिप कर रही थीं। उन्हें नहीं पता था कि एक दिन रेडियो स्टेशन पर ऋतिक रोशन के साथ बनाया गया एक छोटा-सा वीडियो उनके करियर की दिशा बदल देगा। प्राजक्ता ने हाल ही में 'पहला पहला' के लेटेस्ट एपिसोड में गोपाल दत्त के साथ बातचीत के दौरान अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने कहा, ''मैं ठाणे में पली-बढ़ी और बचपन में रेडियो की दुनिया में काम करने का सपना देखती थी। इसी वजह से मैंने रेडियो स्टेशन में इंटर्न के तौर पर काम करना शुरू किया। उस वक्त फिल्म 'बैंग बैंग' रिलीज होने वाली थी और ऋतिक रोशन फिल्म के प्रमोशन के लिए रेडियो स्टेशन आए थे।''

प्राजक्ता ने आगे बताया, ''रेडियो स्टेशन पर जब भी कोई एक्टर फिल्म के प्रमोशन के लिए आता था, तो वहां एक तरह की परंपरा थी। टीम के लोग उस एक्टर के गानों पर डांस करते थे। मैं उस समय इंटर्न थी, इसलिए मुझे भी डांस करने के लिए कहा गया। मेरे लिए यह मौका खास था, क्योंकि मैं बचपन से ही ऋतिक रोशन की बड़ी फैन रही हूं। मैं डांस करने के लिए तैयार हो गई और ऋतिक के साथ परफॉर्म भी किया। उस दौरान ऋतिक की टीम में सुदीप भी मौजूद थे।''

प्राजक्ता ने बताया, ''डांस के बाद सुदीप ने मेरा ऋतिक के साथ एक छोटा-सा वीडियो भी शूट किया। उस समय मुझे लगा भी नहीं था कि इस वीडियो से आगे कुछ होने वाला है। लेकिन इसी वीडियो ने मेरे लिए एक नया रास्ता खोल दिया। सुदीप मेरे पास आए और पूछा कि क्या मैं इस तरह के वीडियो बनाती हूं। मैंने साफ कहा कि नहीं, मैं ऐसा कुछ नहीं करती।'' उन्होंने कहा, ''इसके बाद सुदीप ने मुझे अपना कार्ड दिया और सलाह दी कि मुझे यूट्यूब के लिए कंटेंट बनाना चाहिए। उस समय मुझे यूट्यूब के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। मुझे यह तक नहीं पता था कि यूट्यूब पर कंटेंट बनाकर करियर कैसे बनाया जाता है। मेरे लिए उस वक्त सबसे बड़ा लक्ष्य रेडियो जॉकी बनना था।''

प्राजक्ता ने अपने उस दौर की आर्थिक स्थिति को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''मैं इंटर्न थी और बहुत ज्यादा पैसे नहीं कमा रही थी। उस समय मुझे स्काइप का इस्तेमाल करने में भी पैसे खर्च करने पड़ते थे। ऐसे में यूट्यूब पर काम करना मुझे कोई करियर के लिए अच्छा ऑप्शन नहीं लगा। मैं सोचती थी कि अगर मुझे रेडियो जॉकी की नौकरी नहीं मिली तो मैं प्रोड्यूसर की नौकरी कर लूंगी।' उन्होंने कहा, ''लेकिन समय के साथ यूट्यूब का यह आइडिया मेरे दिमाग में बैठने लगा। आगे चलकर मैंने 'मोस्टली सेन' के नाम से अपना कंटेंट बनाना शुरू किया। मेरे रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े वीडियो लोगों को पसंद आने लगे और देखते ही देखते यह डिजिटल दुनिया में एक जाना-पहचाना नाम बन गया। जिस प्लेटफॉर्म को लेकर शुरुआत में मुझे खुद ज्यादा जानकारी नहीं थी, वही आगे चलकर मेरे करियर का बड़ा हिस्सा बन गया।'' कंटेंट क्रिएशन के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और 'मिसमैच्ड' से दर्शकों के बीच पहचान बनाई। इसके अलावा वह यूट्यूब के 'क्रिएटर्स फॉर चेंज' प्रोग्राम का हिस्सा बनीं और मिशेल ओबामा के साथ भी काम किया।

'उड़ता तीर' और 'ये प्रेम मोल लिया' में दिखेगा आयुष्मान खुराना का बिल्कुल अलग अंदाज

आयुष्मान खुराना बड़े पर्दे पर लगातार दो फिल्मों के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं और दोनों फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। सबसे पहले 'उड़ता तीर' रिलीज होगी, जो सारा अली खान के साथ एक तेज-रफ्तार स्पाई कॉमेडी है और इसका निर्देशन आकाश कौशिक ने किया है। इसके बाद सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी और शरवरी अभिनीत म्यूजिकल फैमिली ड्रामा 'ये प्रेम मोल लिया' रिलीज होगी। दो फिल्में, दो अलग-अलग दुनिया और अभिनय की दो बिल्कुल अलग चुनौतियां आयुष्मान के करियर के उस पहलू को रेखांकित करती हैं, जो शुरुआत से ही उनकी पहचान का हिस्सा रहा है—वह खुद को किसी एक जॉनर तक सीमित किए बिना लगातार अलग-अलग जॉनर के बीच सहजता से अपनी जगह बनाते रहे हैं। आकाश कौशिक के निर्देशन में बनी और धर्मा प्रोडक्शंस तथा सिख्या एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित उड़ता तीर जासूसी की दुनिया की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में हाई-स्टेक्स पेट्रियोटिक एक्शन और कॉमिक अराजकता का मेल देखने को मिलेगा। आयुष्मान फिल्म की एक अप्रत्याशित कहानी के केंद्र में हैं, जहां किसी को भी पूरी तरह पता नहीं है कि आखिर हो क्या रहा है।

इसके बाद आयुष्मान ये प्रेम मोल लिया के साथ एक बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया में प्रवेश करेंगे। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी यह फिल्म शरवरी के साथ उनकी नई जोड़ी को पेश करती है और निर्देशक की सिग्नेचर इमोशनल और फैमिली-केंद्रित कहानी कहने की शैली को एक मजबूत म्यूजिकल कोर के साथ जोड़ती है। हिमेश रेशमिया के संगीत से सजी यह फिल्म आयुष्मान को हिंदी सिनेमा की भावनात्मक और संगीतप्रधान दुनिया में वापस ले जाती है, जहां कहानी प्यार, परिवार और रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। आयुष्मान खुराना ने कहा, अपनी पहली फिल्म से ही मैं दर्शकों को सरप्राइज करना चाहता था और, उससे भी ज्यादा, एक अभिनेता के तौर पर खुद को सरप्राइज करना चाहता था। मैंने कभी खुद को किसी एक इमेज या जॉनर तक सीमित रखने में विश्वास नहीं किया, चाहे वह सोशल कॉमेडी हो, कोई अनकही-सी प्रेम कहानी, इंटेंस ड्रामा, देशभक्ति पर आधारित कॉमेडी या म्यूजिकल फैमिली सागा। उन्होंने कहा, मेरे लिए हर फिल्म एक नए इमोशन को एक्सप्लोर करने और अपने व्यक्तित्व के एक अलग पहलू को सामने लाने का मौका होती है। यह बात मेरे लिए बेहद खास है कि इन लगातार बदलावों के बावजूद दर्शकों ने मुझे स्वीकार किया है। मैं आगे भी रिस्क लेना चाहता हूं, ऐसी कहानियां चुनना चाहता हूं, जो मुझे चुनौती दें और ऐसे परफॉर्मेंस देना चाहता हूं जो दर्शकों को हर बार अनुमान लगाने पर मजबूर करें।

'संस्कार' की कहानी ने मुझे एक्सपेरिमेंट करने के लिए किया मजबूर

एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट 'संस्कार' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने अब तक के ग्लैमरस अंदाज से बिल्कुल अलग एक साधारण गृहिणी के किरदार में नजर आ रही हैं। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि जब उन्हें पहली बार इस प्रोजेक्ट का ऑफर मिला था, तो वह इसे लेकर थोड़ी झिझक में थीं लेकिन कहानी ने उनका ध्यान अपनी ओर खींचा। बातचीत में मुग्धा ने कहा, ''मैंने पहले कभी इस तरह का किरदार नहीं किया था, इसलिए ऑफर मिलने पर मेरे मन में थोड़ी हिचक थी। शो की कहानी ऐसी थी जिसने मुझे इसके बारे में और जानने के लिए उत्सुक किया। एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को नए किरदारों में आजमाना चाहती थीं और कुछ ऐसा करना चाहती थीं, जो मेरे लिए एक चैलेंज हो।'' मुग्धा ने कहा, ''शूटिंग शुरू होने के बाद मेरी शुरुआती झिझक पूरी तरह दूर हो गई। जैसे-जैसे मैं प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती गई, मुझे महसूस हुआ कि इसे करने का फैसला सही था। इस तरह के शो बहुत कम देखने को मिलते हैं, इसलिए मैं इसका हिस्सा बनकर खुश हूं। जब मुझे पता चला कि इसे डीडी नेशनल के साथ-साथ उनके डिजिटल प्लेटफॉर्म वेव्स ओटीटी पर भी टेलीकास्ट किया जाएगा, तो मेरी खुशी और बढ़ गई।'' मुग्धा गोडसे ने डीडी नेशनल से अपने जुड़ाव को भी खास बताया।

उन्होंने कहा, ''यह भारत के सबसे पुराने और लोकप्रिय चैनलों में से एक है। हम सभी डीडी देखते हुए बड़े हुए हैं और अब जब चैनल अपने प्रोफाइल को नए तरीके से बदल रहा है, तो उसका हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत एक्साइटिंग था। 'संस्कार' हर किसी के लिए है और यह हमें परिवार की अहमियत और उसकी असली बुनियाद के बारे में बताता है। इसे जरूर देखें और मुझे बताएं कि आपको यह कैसा लगा।'' 'संस्कार' एक फैमिली ड्रामा है, जिसमें जिंदगी के अलग-अलग रंगों को उसके अच्छे और मुश्किल दौर के जरिए दिखाया गया है।

नारी के लिए साज-श्रृंगार भी जरूरी

पति-पत्नी का रिश्ता वफादारी तथा देखभाल के अलावा और भी बहुत कुछ मांगता है जिसके लिए आपको आकर्षक और सुंदर सलोना दिखना ही चाहिए।

विवाह जीवन का सबसे खूबसूरत मोड़ है लेकिन यह भी आश्चर्यजनक सत्य है कि अक्सर इसके बाद पित्नयां अपने सौंदर्य और आकर्षण की उपेक्षा करने लगती हैं। विवाह के समय वधू के हाथों में लगने वाली हल्दी मानो वधू का पीछा ही नहीं छोड़ती और रसोईघर में मसालों की गंध में लिपटी पत्नी के प्रति पति का आकर्षण धीरे-धीरे कम होने लगता है।

यही वह समय है जब पत्नियों को जीवन का यह शाश्वत सत्य समझ लेना चाहिए कि अगर उन्हें बेतरतीब, बढ़ी दाढ़ी और अस्त-व्यस्त कुर्ते-पायजामा में अखबार में चिपके पतिदेव पर खीज होती है तो उनका भी आपके बिखरे बाल, मुड़ी-तुड़ी साड़ी और मसाले-पसीने से महकती देह से मुंह मोड़ लेना नितांत स्वाभाविक है।

पति-पत्नी का रिश्ता वफादारी तथा देखभाल के अलावा और भी बहुत कुछ मांगता है जिसके लिए आपको आकर्षक और सुंदर-सलोना दिखना ही चाहिए। थोड़ी-सी शोखियां और थोड़ी-सी शरारतें आपके वैवाहिक जीवन को स्थायी रूप से मधुमास बना देंगी।

इस दिशा में शुरूआत करने से पहले एक बड़ी ही महत्वपूर्ण बात को गांठ बांध लें कि जीवन साथी को प्रसन्न करने में न तो कोई बुराई है और न ही यह अहं का सवाल है। अगर शादी के बाद आपकी खुशी के लिए वह अपनी प्यारी मूंछों की कुर्बानी दे सकते हैं, आपकी प्रसन्नता के लिए मनपसंद नीली शेड को त्याग कर भूरे और काले शेड के परिधान पहन सकते हैं तो उनकी खुशी के लिए थोड़ा-सा स्लिम होकर कभी-कभी उनके मनपसंद आउटफिट को क्यों नही पहन सकतीं।

- सुगन्ध सभी को आकर्षित करती है इसलिए अंतरंग क्षणों में किसी बढ़िया परफ्यूम अथवा इत्र का प्रयोग अवश्य करें। सुबह उनके ऑफिस निकलने से पहले उसी सुगंध में डूबा एक शरारती-सा नोट लिख कर ब्रीफकेस में रख दें। फिर देखिए, उनकी शाम के साढ़े पांच सीधे पर की देहरी पर ही बजेंगे।
- ढीले-ढाले कपड़े पहनने में अच्छे रहते हैं लेकिन आपके वार्डरोब में चटख रंग और लेटैस्ट फैशन के टाइट्स और हाई हील प्लेटफार्म भी होने ही चाहिएं।
- आपकी बदली पसंद केवल पोशाक में ही नहीं, अंतर्वस्त्रों के मामले में भी दिखनी चाहिए जिसका मूलमंत्र है 'जितना आधुनिक, उतना आकर्षक'। पतिदेव को फैशन परेड और फिल्मी मैगजीन घूरने पर क्यों टोकती हैं? हीरोइनों और मॉडलों को तो केवल देखा भर जा सकता है लेकिन असली रानी तो आप हैं। मेकअप केवल मॉडलों के लिए ही नहीं है आप भी उसमें उतनी ही अच्छी लगेंगी।
- कौन कहता है कि आपकी शादी हुए पांच साल हो जाने का मतलब केवल चूल्हा-चौका और परिवार तथा नौकरी की व्यवस्था है। घर-कार्यालय की उलझनों में से थोड़ा समय निकालिए और पतिदेव को मनाकर निकल पड़िए। सनसनीखेज सप्ताहांतों के लिए जरूरी नहीं कि आपका यह 'मिनी हनीमून' किसी हिल स्टेशन अथवा रिसोर्ट में ही मनाया जाए। इसकी पहली और आखिरी शर्त है प्राइवेसी।
- भरी भीड़ में चुपके से पतिदेव को छेड़ देने की शरारत खूब कामयाब रहती है। जरा सोच कर तो देखिए कि वह रैस्टोरैंट में भोजन का आर्डर दे रहे हों और आप कपड़े से ढकी मेज के नीचे अपने पैरों से धीरे-धीरे उनके पैरों पर गुदगुदी कर दें। यकीनन वेटर को वह कुछ की जगह कुछ आर्डर दे जाएंगे।

और खाने के बाद मीठा, ऐसी शरारत करने से पहले घर के फ्रिज में खीर ठंडी करने को रख दीजिए। इन शोखियों के बाद अब भला रैस्टोरैंट में ठहरने का समय किसके पास होगा।

कर्ड सैंडविच

सामग्री : 1 कप दही, 6 स्लाइस ब्रैड, 1 कप बारीक लम्बाई में कटी हुई पत्तागोभी, शिमला मिर्च और गाजर, आधा टीस्पून अदरक का पेस्ट, 3-8 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार, छौंक के लिए थोड़ी-सी राई और तेल।

विधि : दही को छलनी में डालकर एक तरफ रख दें, दही का पानी निकलते ही सभी सब्जियां, अदरक, हरी मिर्च और नमक मिला लें। हरी धनिया बारीक काटकर मिला लें। तवे पर 2 टीस्पून तेल डालें। राई डालकर चटकने दें। दही का मिश्रण दो ब्रैड के बीच भरकर तवे पर रख दें और क्रिस्पी होने तक सेंक लें। सॉस या चटनी के साथ सर्व करें।

शिशु के सौंदर्य का रखें ख्याल

सौंदर्य और सुंदर त्वचा पर मात्र युवा वर्ग का ही अधिकार नहीं है बल्कि इस पर बाल वर्ग का भी उतना ही अधिकार है जितना कि युवा वर्ग का। जन्म के समय नवजात शिशु की त्वचा एवं शरीर बेहद कोमल, नर्म और बेदाग होता है किन्तु समय के साथ-साथ त्वचा की सुरक्षा में बरती गई छोटी-सी असावधानी काफी सीमा तक खतरनाक सिद्ध होती है।

शिशु को जन्म के उपरांत कई प्रकार के वातावरण का सामना करना पड़ता है। कई माता-पिता अपने शिशु के स्वास्थ्य और सौंदर्य के प्रति लापरवाह होते हैं तो कई इतने जागरूक होते हैं कि उनकी शिशु के प्रति अधिक जागरूकता और आवश्यकता से अधिक देखरेख भी शिशु के स्वास्थ्य और त्वचा को हानि पहुंचाती है, जैसे कि मां द्वारा शिशु को दिन में कई-कई बार साबुन से नहलाना, अपने क्रीम-पाऊडर का उसकी त्वचा पर प्रयोग करना आदि। ऐसे कई कारण हैं जिसके कारण शिशु की त्वचा खराब हो जाती है और संक्रमित होकर अनेक रोगों एवं समस्याओं को निमंत्रण दे देती है- जैसे कि एलर्जी, त्वचा का फटना, फोड़े-फुंसी आदि। यदि आप अपने शिशु को स्वस्थ और सुंदर रखना चाहती हैं तो कृपया निम्न सावधनियों का पालन अवश्य करें:

शिशु की त्वचा संबंधी कुछ सावधानियां

- शिशु की त्वचा पर क्रीम और कॉस्मैटिक का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- शिशु की त्वचा यदि शुष्क हो तो माइश्चराइजर के स्थान पर जॉनसन बेबी ऑयल या बादाम अथवा जैतून का तेल प्रयोग करना चाहिए।
- सप्ताह में एक या दो बार बेसन में दूध मिला कर उस पेस्ट को बच्चे के शरीर पर हल्के हाथों से मलना चाहिए, इस प्रयोग से त्वचा के भीतर तक की सफाई हो जाती है।
- शिशु की त्वचा पर साबुन का प्रयोग अधिर नहीं करना चाहिए, इससे शिशु की त्वचा क्षारीय बन जाती है और बैक्टीरिया भी सक्रिय होकर बच्चे की त्वचा को हानि पहुंचा सकते हैं।
- शिशु के शरीर पर नियमित जैतून के तेल की मसाज करनी चाहिए, इससे बच्चे की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

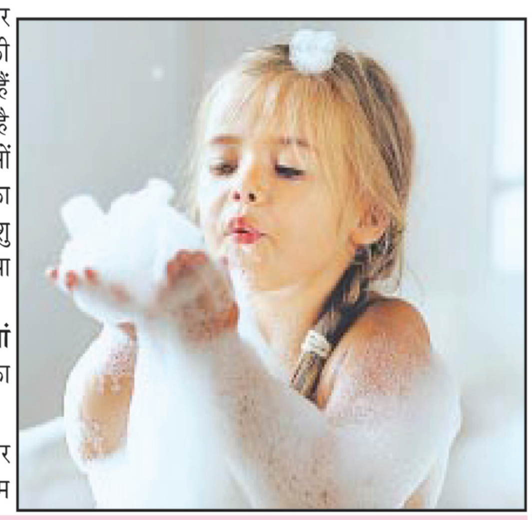

ऑफिस में सेंस ऑफ ह्यूमर

जरा सोचिए हंसी के बिना हमारी लाइफ कितनी बोरिंग होती। सुबह ट्रैफिक की रेलमपेल झेलते हुए जब हम ऑफिस पहुंचते हैं तो वहां भी कई तरह की परेशानियां पहले से ही हमारे स्वागत के लिए तैयार खडी होती हैं। समझ नहीं आता कि इतने कम समय में ढेर सारा काम कैसे पूरा किया जाए। ऐसे में आपका एक कलीग अचानक कोई ऐसी बात कहता है कि आप सब एक साथ हंस पडते हैं। मिनटों में आपका सारा तनाव छूमंतर हो जाता है और थोडी ही देर में आप पूरी ऊर्जा के साथ अपने काम में जुट जाते हैं।

मुश्किल से मिलता है मौका

रोने के हजारों बहाने सभी के पास होते हैं, पर हंसने का मौका हमें बडी मुश्किल से मिलता है। खास तौर से ऑफिस के आपा धापी और अनुशासन भरे माहौल में अगर कभी कोई हंसने वाली बात हो तो हमें उसका लुत्फउठाने से चूकना नहीं चाहिए। एक विज्ञापन एजेंसी में कार्यरत मुग्धा घोष बताती हैं, एक रोज कुछ ऐसा संयोग हुआ कि ऑफिस की एक पार्टी में मैं और मेरी एक कलीग दोनों बिलकुल एक जैसी ड्रेस पहन कर आ गए। हमें साथ देख कर सब हंस पडे। हंसी के इस पल को हमने भी खूब एंज्वॉय किया।

अचूक औषधि है हंसी

मनोवैज्ञानिक सलाहकार डॉ. अशुम गुप्ता कहती हैं, आजकल कई मल्टीनेशनल कंपनियां अपने कर्मचारियों को तनावमुक्त करने के लिए कुछ महीनों के अंतराल पर उनके लिए पिकनिक या पार्टियों आयोजन करती हैं, ताकि लोग अपने सहकर्मियों के साथ हलके-फुलके माहौल में बातचीत करके एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझ सकें। कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां का माहौल बहुत तनावपूर्ण होता है। जैसे-आर्मी, पुलिस, मेडिकल प्रोफेशन आदि। यहां काम करने वाले लोगों के लिए यह बहुत जरूरी है कि वे अपने लिए हंसी-खुशी के कुछ पल ढूंढ कर खुद को तनावमुक्त रखने की कोशिश करें। इसी वजह से आजकल ऐसे महकमों में योग, काउंसलिंग और लाफ्टर थेरेपी से संबंधित कई वर्कशॉप आयोजित किए जाते हैं।

हंसें, पर जरा संभलकर

- काम के बीच में दो-चार मिनट के लिए हंसी-मजाक करना तो ठीक है, लेकिन यह सेशन ज्यादा लंबा नहीं चलना चाहिए।
- अच्छे सेंस ऑफ ह्यूमर की निशानी यही है कि आप केवल दूसरों पर नहीं, बल्कि खुद पर भी हंसना सीखें।
- इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि आपकी बातों से किसी की भावनाएं आहत न हों।
- कुछ लोग छोटी-छोटी बातों का बहुत जल्दी बुरा मान जाते हैं। ऐसे लोगों पर किसी भी तरह की टीका-टिप्पणी करने से बचें।
- हर ऑफिस में पुरुषों के साथ स्त्रियां भी काम करती हैं। इसलिए सभी को इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि मजाक में कोई ऐसी बात न कही जाए, जिससे दूसरा व्यक्ति असहज महसूस करे।
- एसएमएस या ईमेल के जरिये एक-दूसरे को जोक्स भेजते समय शालीनता की सीमाओं का हमेशा खयाल रखें।
- जिन लोगों का सेंस ऑफ ह्यूमर अच्छा होता है, ऐसे लोग कभी-कभी अनजाने में दूसरों को डिस्टर्ब कर रहे होते हैं। इसलिए हमें अपने सेंस ऑफ ह्यूमर का सही मौके पर इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए ऑफिस का कैफेटेरिया सबसे अच्छी जगह है। जहां आप अपने साथियों के साथ दिल खोल कर हंस सकते हैं।
- अगर आपको कोई अच्छा सा जोक याद आ रहा है, तो फिर देर किस बात की उसे अपने साथियों के साथ शेयर कीजिए और तनाव को भूल जाइए।

अब डैंड्रफ रहे काबू में

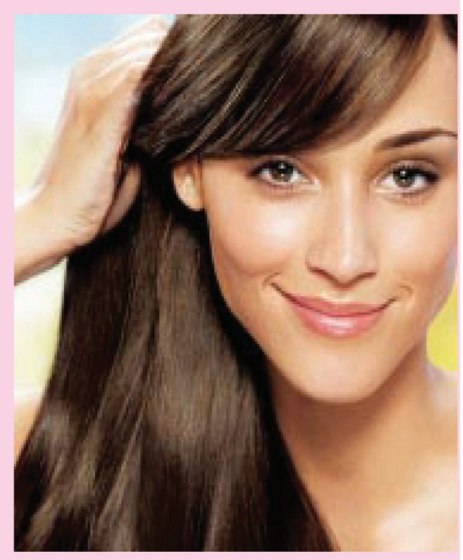

बारिश के मौसम में उमस और पसीने से बालों में चिपचिपाहट हो जाती है। रूसी एक प्रकार की निर्जीव त्वचा है, जो बालों की जडों के आसपास जमा हो जाती है। इसलिए अपने बालों को साफ रखें और महीन दांतों वाली कंघी का प्रयोग करें। ताकि सिर की त्वचा से आसानी से रूसी बाहर निकल जाए। यहां हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब बता रहे हैं, उपयोगी टिप्स।

- बालों में प्रतिदिन ब्रश करने और मालिश करने से डैंड्रफकी समस्या से छुटकारा मिल सकता है, क्योंकि इन उपचारों से रक्तसंचार तीव्र गति से होता है और मृत त्वचा निकल जाती है।
- गर्म ऑलिव ऑयल में कुछ बूंदें अदरक के रस की डालकर इससे सिर पर कुछ देर मालिश करें। आधे घंटे तक बालों में लगा रहने के बाद शैंपू कर लें।
- बालों में रूसी होने से बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। ऐसे में प्याज का रस लगाएं। आधा घंटे बाद एक मग में नीबू की कुछ बूंदें डाल कर उस पानी से धोएं।
- नीम की पत्तियों का रस नीबू के रस में मिलाकर सिर में लगभग तीस मिनट तक लगाएं। फिर शैंपू कर लें या फिर शैंपू करने के बाद सिरके और नीबू का रस बराबर मात्रा में लेकर 5-10 मिनट तक के लिए सिर में लगा रहने दें। उसके बाद बालों को धो लें।
- जोजोबा ऑयल और कोकोनट ऑयल को मिलाकर उंगली के पोरों से धीरे-धीरे सिर की त्वचा पर मालिश करें। इसके बाद गर्म पानी में भीगे तौलिये को निचोडकर थोडी देर तक सिर पर लपेटकर रखें। आधे घंटे बाद शैंपू करें।

खूबसूरत बाल हर पल साथ

जब हम चाहते हैं कि किसी खास उत्सव पर हमारे बाल बेहद अच्छे दिखें तो जाने-अनजाने कोई ऐसी गडबड हो ही जाती है, जिससे पूरे दिन हम परेशान रहते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही होता है तो हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब के कुछ आसान टिप्स अपनाकर आप पार्टी की शान बन सकती हैं।

• स्मार्ट हेयर कट

बालों का कट ऐसा होना चाहिए जो आपके चेहरे पर सूट करे और आपकी जीवनशैली के अनुकूल हो। इसके अलावा नियमित रूप से बालों की ट्रिमिंग कराएं। ऐसा हेयरस्टाइल बनाएं, जिसे संभालना आपके लिए आसान और संभव हो।

• जरूरी है हेयर एक्सेसरीज

बालों को संवारने के लिए खुद पर सूट करने वाली हेयर एक्सेसरीज का संग्रह करें। मौके की नजाकत को ध्यान में रख कर आप इन एक्सेसरीज का प्रयोग करके स्टाइलिश दिख सकती हैं।

• सही हेयर प्रोडक्ट का करें चयन

बालों के लिए जो भी प्रोडक्ट इस्तेमाल करें वे आपके बालों की किस्म के अनुरूप होने के साथ ही बेहतरीन क्वॉलिटी के होने चाहिए। जहां तक हो हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट के अधिक प्रयोग से बचें। रूखे बालों के लिए कंडिशनर युक्त शैंपू का इस्तेमाल करें। तैलीय बालों के लिए सिट्रस युक्त शैंपू और अन्य हेयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करें ताकि आपके बालों की अतिरिक्त चिपचिपाहट दूर हो जाए। रूखे बालों पर हॉट हेयर रोलर, हॉट एयर ड्रायर, पर्म या ब्लीच का प्रयोग न करें।

• सिर का मसाज

हफ्ते में एक-दो बार गुनगुने ऑलिव ऑयल या आमंड ऑयल से सिर की त्वचा की मालिश से बालों को पोषण मिलता है। साथ ही रूखे बालों को जरूरी मॉयस्चर भी मिल जाता है। इसके बाद बालों को अच्छे नरिशिंग शैंपू से धो लें।

ब्रेड इडली

सामग्री : 6 ब्रेड स्लाइस, 2 उबले हुए आलू, 1 टी स्पून हरी मिर्च (बारीक कटी), 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टे.स्पून हरा धनिया (बारीक कटा), 1 टी स्पून (जीरा, उड़द की दाल, राई या सरसों), 1 कप दही, 2 टे.स्पून तेल, नमक स्वादानुसार।

विधि : उबले हुए आलू को छीलकर मैश कर लें। अब इसमें बारीक कटी हरी मिर्च, नमक, धनिया पाउडर और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें। दही को हल्का सा फेंट लें।

एक पैन में आधा टी स्पून तेल गरम करके उसमें जीरा, सरसों के दाने और उड़द की दाल डालकर चटकने दें। अब इस छौंक को फेंटी हुई दही में डाल दें।

ब्रेड को कटोरी या गिलास की सहायता से गोलाकार में काट लें। ब्रेड की एक तरफआलू का मिश्रण लगा दें।

एक पैन में तेल गरम करें और उसमें आलू लगी तरफसे ब्रेड को डाल दें। ब्रेड की दूसरे हिस्से पर 2 चम्मच दही का मिश्रण डालकर फैला दें। और फ्राइंग पैन को 2 मिनट के लिए ढक्कन से ढक दें। लीजिए तैयार है गर्मागर्म ब्रेड इडली इसे तुरंत सर्व करें।